सांची एक्सप्रेस
61 साल से लगातार...
। जनपक्षीय पत्रकारिता।
देसी अंदाज नया मिजाज

सांची एक्सप्रेस

1963 से लगातार आपकी सेवा में

epaper.theranchiexpress.com

वर्ष-02 | अंक-74 | कोलकाता, शनिवार 11 मई 2024, संवत् 2079 | पृष्ठ-12

मूल्य 3 रु.

भारतीय मूल की उमा सोफिया ने लौटाया मिस टीन यूएसए का खिताब

बताई वजह, कहा-कहा-व्यक्तिगत मूल्य अब संगठन से मेल नहीं खाते

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय-मैक्सिकन मूल की उमा सोफिया श्रीवास्तव ने मिस टीन यूएसए का खिताब लौटा दिया है। उमा को पिछले साल, 2023 के लिए मिस टीन यूएसए का ताज पहनाया गया था। बुधवार को खिताब छोड़ने का ऐलान करते हुए श्रीवास्तव ने कहा कि उनके व्यक्तिगत मूल्य संगठन की दिशा के साथ पूरी तरह मेल नहीं खाते हैं। ऐसे में वह इस टाइटल को लौटा रही हैं। मिस टीन यूएसए ने उमा के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए उनकी सेवाओं के लिए उनका शुक्रिया करते हुए कहा कि हम अपने कर्तव्यों से हटने के उमा सोफिया के फैसले का सम्मान और समर्थन करते हैं। संगठन ने कहा कि हम जल्द ही नई मिस टीन यूएसए की ताजपोशी की घोषणा करेंगे। उमा के खिताब लौटाने से दो दिन पहले ही मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों का हवाला देते हुए नोएलिया वोइगट ने मिस यूएसए टाइटल छोड़ने का ऐलान किया है। उमा ने ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा, कई महीनों से इस पर फैसला लेने की कोशिश कर रही थीं, जिस पर आखिरकार मैंने निर्णय लिया है। मैंने मिस टीन यूएसए से रिजाइन करने का फैसला लिया है।

मुझे लगता है कि मेरे व्यक्तिगत मूल्य अब संगठन की दिशा के साथ पूरी तरह मेल नहीं खा रहे हैं। इसलिए मुझे इस टाइटल को रखने का हक नहीं है। मैं मिस एनजे टीन यूएसए के रूप में अपने समय को हमेशा याद रखूंगी। राष्ट्रीय स्तर पर मैक्सिकन-भारतीय अमेरिकी के रूप में प्रतिनिधित्व करने का अनुभव अपने आप में संतुष्टि देने वाला था। उमा सोफिया श्रीवास्तव ने कहा कि वह बच्चों की शिक्षा के लिए काम करती रहेंगी। उन्होंने द लोटस पेटल फाउंडेशन और ब्रिज ऑफ बुक्स फाउंडेशन के साथ जुड़ने की बात कही है। इनके साथ वह मिस टीन यूएसए का ताज पहनने से पहले काम करती थीं। उमा ने कहा कि यह काम हमेशा से उनका सच्चा उद्देश्य रहा है। उन्होंने ये भी कहा कि वह सोसायटी के हिस्से के रूप में 11वीं कक्षा पूरी करेंगी।

नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड में दो लोगों को उम्रकैद की सजा

- मास्टरमाइंड माने जा रहे डॉक्टर तावड़े समेत 3 लोग हुए बरी

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के प्रमुख नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड में 11 साल बाद शुक्रवार को कोर्ट का फैसला आया है। पुणे में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट के एडिशनल सेशन जज पीपी जाधव ने आरोपी सचिन अंदुरे और शरद कलस्कर को दोषी करार दिया। कोर्ट ने दोनों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। हत्याकांड में कुल 5 आरोपी थे। इनमें डॉक्टर विरेंद्र सिंह तावड़े, विक्रम भावे और संजीव पुनालेकर को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। इनमें तावड़े, अंदुरे और कलस्कर जेल में हैं, जबकि पुनालेकर और भावे जमानत पर हैं। 20 अगस्त, 2013 को पुणे के महर्षि विट्ठल रामजी ब्रिज पर दो बाइक सवार अपराधियों ने दाभोलकर की गोली मारकर हत्या की थी।

नक्सलियों के साथ फोर्स की एक बार फिर मुठभेड़

जगदलपुर/बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शुक्रवार सुबह से ही सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। बताया जा रहा है की गंगालूर इलाके में पीडिया के जंगल में फोर्स के जवानों ने नक्सलियों के बड़े लीडर्स को घेर रखा है। नक्सलियों की पश्चिम बस्तर डिवीजन कमेटी के साथ जवानों की मुठभेड़ चल रही है। जानकारी मिली थी कि हार्डकोर नक्सली कमांडर लिंगा, पापाराव समेत बड़े लीडर्स का पीडिया में जमावड़ा है। नक्सलियों की कमेटी में कई बड़े नक्सली लीडर हैं। इसी सूचना पर दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा इन तीन जिलों से फोर्स ने जॉइंट ऑपरेशन लॉन्च किया था। डीआरजी, बीएसएफ की कोबरा बटालियन समेत फोर्स के 1200 से ज्यादा जवानों ने इलाके को घेर रखा है।

'आरक्षण को लेकर कांग्रेस की हालत चोर मचाए शोर की तरह'

महाराष्ट्र के नंदुरबार में पीएम मोदी का राहुल की टीम पर बड़ा हमला, आरक्षण पर जमकर घेरा

कहा-वंचितों और आदिवासियों की सेवा करना परिवार के सदस्यों के लिए सेवा करने जैसा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर महाराष्ट्र काफी अहम राज्य है। यहां पर कुल 48 लोकसभा सीटें हैं जो किसी भी दल को दिल्ली की सत्ता पर पहुंचाने के लिए काफी अहम हैं। इसी बीच, आज पीएम मोदी महाराष्ट्र के नंदुरबार में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आरक्षण को लेकर कांग्रेस की हालत चोर मचाए शोर की तरह हो गई है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस जानती है कि विकास के मामले में वे मोदी का मुकाबला नहीं कर सकते और इसलिए उन्होंने इस चुनाव में झूठ की फैक्ट्री खोल ली है। आरक्षण को लेकर कांग्रेस की हालत चोर मचाए शोर की तरह हो गई है। धर्म आधारित आरक्षण बाबासाहेब अम्बेडकर के सिद्धांत के खिलाफ है। यह संविधान बनाने वालों की पीठ में छुरा घोंपने जैसा है। यह एक ऐसा पाप है जिसे मापा नहीं जा सकता। पीएम मोदी ने कहा कि कर्नाटक के मुसलमानों को रातों रात पिछड़ा बना दिया गया। कांग्रेस कर्नाटक का मॉडल पूरे देश में लागू करना चाहती है। पीएम ने कहा कि ये महा विकास अघाड़ी आरक्षण के भक्षण का महाअभियान चला रही है। पीएम ने कहा कि एससी एसटी ओबीसी का आरक्षण बचाने के लिए मैं महायज्ञ कर रहा हूं। पीएम ने कहा कि कांग्रेस लिख कर दे कि आरक्षण के टुकड़े टुकड़े कर के उसका एक हिस्सा मुसलमानों को नहीं देगी।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र में 5 दिन तक बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में गर्मी के मौसम के बीच 20 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में 5 दिन तक बारिश की संभावना जताई है। वहीं, मध्य प्रदेश में बारिश के साथ ओले गिरने का भी अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा कि आज 3 उत्तरी राज्यों (जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड) में बारिश हो सकती है। वहीं, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के कुछ जिलों में भी हल्की बरसात देखने को मिल सकती है। इसके अलावा नॉर्थ-ईस्ट के 8 राज्यों में तेज बारिश होगी। उधर, देश के 7 राज्यों में गर्मी का असर भी देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, ओडिशा, महाराष्ट्र, हरियाणा और तेलंगाना में तापमान 40 डिग्री के पार रिकॉर्ड किया गया। राजस्थान में आज हीटवेव की चेतावनी है। फलोदी जिले में शुक्रवार को तापमान 46.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि गुजरात में अगले 5 दिन तक उमस भरी गर्मी का दौर जारी रहेगा।

देश के सिर्फ 22 लोगों के लिए काम करते हैं नरेंद्र मोदी

कन्नौज में गरजे राहुल गांधी

- बोले-गरीब परिवारों की महिलाओं को देंगे साल में एक लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने एक चुनावी जनसभा के दौरान कहा कि नरेंद्र मोदी 22 लोगों के काम करते हैं। जिनके पास 70 करोड़ लोगों के बराबर पैसा है। इसके लिए इंडिया गठबंधन ने फैसला किया है कि हम 22 अरबपति की जगह करोड़ों गरीब परिवारों को लखपति बनाएंगे। यूपी के कन्नौज लोकसभा से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव चुनावी मैदान में हैं। जहां उनके समर्थन में चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोगों को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने जनता से कहा कि बीजेपी और मोदी सरकार ने देश का पैसा केवल 22 लोगों को दिया है। ये पैसा 70 करोड़ लोगों के बराबर है। अगर मोदी सरकार 22 अरबपति तैयार कर सकती है तो हम करोड़ों गरीब परिवारों की एक सूची तैयार करके उन्हें लखपति बनाएंगे।

केजरीवाल को 1 जून तक जमानत, चुनाव प्रचार कर सकेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-मार्च में गिरफ्तारी हुई, ईडी डेढ़ साल तक कहां थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 1 जून तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी। उन्हें 2 जून को हर हाल में सरेंडर करने को कहा गया है। केजरीवाल दिल्ली शराब नीति मामले में 40 दिन (1अप्रैल) से तिहाड़ जेल में बंद हैं। अदालत ने दोपहर 2 बजे एक लाइन में फैसला सुनाया। आज शाम तक वे जेल से बाहर आ सकते हैं। हालांकि, उनके वकील ने 4 जून तक की रिहाई का अनुरोध किया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया एक जून को खत्म हो जाएगी। कोर्ट का पूरा ऑर्डर अभी तक नहीं आया है। जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा, अगस्त 2022 में ईडी ने केस दर्ज किया। उन्हें मार्च (2024) में गिरफ्तार किया गया। डेढ़ साल तक वे कहां थे। गिरफ्तारी बाद में या पहले हो सकती थी। 22 दिन इधर या उधर से कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए। ईडी का कहना था कि चुनाव प्रचार जमानत का आधार नहीं हो सकता, क्योंकि ये कोई मौलिक या कानूनी अधिकार नहीं हो सकता।

ईडी ने ये भी कहा था कि जमानत देने से गलत मिसाल कायम होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल की याचिका पर बहस अगले सप्ताह जारी रहेगी। 20 मई से शुरू होने वाली गर्मी की छुट्टियों से पहले याचिका पर फैसला सुनाने का प्रयास करेगी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा, केजरीवाल की अंतरिम जमानत की शर्तें एएपी नेता संजय सिंह की जमानत पर लगाई गई शर्तों के समान होंगी। संजय सिंह को एक अप्रैल को इसी मामले में जमानत दी गई थी। संजय सिंह की जमानत में ये तीन शर्तें रखी गई थीं।

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल

एनसीडब्ल्यू बोला-किसी पीड़ित ने शिकायत नहीं की

- जो एक महिला हमारे पास पहुंची थी, उसे शिकायत का दबाव डाला गया

नई दिल्ली/बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल मामले में देशभर में सरगर्मी है। अब मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने 9 मई को कहा कि किसी भी पीड़ित ने प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं कराई। जो महिला हमारे पास शिकायत कराने पहुंची थी, उसने बताया कि उसे जबरन ऐसा करने के लिए कहा गया था। महिला आयोग ने एक्शन टेकन रिपोर्ट का भी हवाला दिया। इसके मुताबिक, यौन शोषण की शिकायत के आधार पर जो दो केस रजिस्टर हुए हैं एटीआर ने पीड़ितों द्वारा यौन शोषण की शिकायतों के आधार पर दो मामलों के दर्ज होने का संकेत दिया। इसके साथ ही एक पीड़ित के रिश्तेदार की तरफ से अपहरण के लिए एक अतिरिक्त शिकायत भी दर्ज की गई। हालांकि, इस मामले में कोई भी पीड़ित आयोग में शिकायत दर्ज कराने के लिए नहीं आया है। महिला आयोग के मुताबिक, महिला ने कहा कि उसे कई नंबरों से कॉल कर शिकायत करने की धमकी दी गई। यह भी पता चला कि इस शिकायतकर्ता को लोगों के एक ग्रुप ने उत्पीड़न और झूठे मामलों शिकायत दर्ज करने के लिए मजबूर किया गया था।

अक्षय तृतीया पर बांके बिहारी के 2 लाख भक्तों ने किए चरण दर्शन

- साल में सिर्फ एक बार होते हैं, 1 किमी लंबी लाइन

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के वृंदावन में अक्षय तृतीया पर बांके बिहारी में श्रद्धालुओं की भीड़ है। बांके बिहारी को सुबह चंदन का लेप लगाया गया। फिर श्रृंगार हुआ। साल में केवल आज ही के दिन भगवान बांके बिहारी के सभी अंगों पर चंदन लगाया जाता है। भक्तों को उनके चरण दर्शन भी कराए जाते हैं। चरण दर्शन भी साल में सिर्फ आज ही के दिन कराए जाते हैं। शुक्रवार को बांके बिहारी मंदिर के पट सुबह 5 बजे खुले। सबसे पहले मंदिर के पुजारी अंदर गए। देहरी पूजन किया। गर्भगृह में पहुंचकर भगवान का अभिषेक किया और फिर चंदन का लेपन कर श्रृंगार किया। आम भक्तों के लिए मंदिर के पट सुबह 7 बजे खोल दिए गए। सुबह 10 बजे तक 2 लाख से ज्यादा भक्त दर्शन कर चुके हैं।

भक्तिपथ

चार धाम यात्रा हो गई शुरू, केदारनाथ यमुनोत्री और गंगोत्री के कपाट खुले

पहले ही दिन भारी भीड़ प्रशासन के लिए चुनौती बनी, सीएम धामी ने किए दर्शन

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की चार धाम यात्रा शुक्रवार से शुरू हो गई है। केदारनाथ के कपाट सुबह 6.55 बजे और यमुनोत्री के कपाट सुबह 10.29 बजे खोले गए। दोपहर 12.25 बजे गंगोत्री धाम के कपाट खोले गए। जबकि बद्रीनाथ मंदिर में दर्शन 12 मई से होंगे। केदारनाथ के कपाट खुलने के बाद सीएम पुष्कर सिंह धामी अपनी पत्नी के साथ दर्शन के लिए पहुंचे। यहां पहले ही दिन हजारों लोगों की भीड़ के कारण अव्यवस्था देखने को मिली। इन चारों धामों पर दिन का तापमान 0 से 3 डिग्री दर्ज किया जा रहा है। वहीं, रात में पारा माइनस में पहुंच रहा है। इसके बावजूद केदारनाथ धाम से 16 किमी पहले गौरीकुंड में करीब 10 हजार श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। पिछले साल यह आंकड़ा 7 से 8 हजार के बीच था। यहां करीब 1500 कमरे हैं, जो भरे हुए हैं। रजिस्टर्ड 5,545 खच्चर बुक हो चुके हैं। हरिद्वार और ऋषिकेश में 15 हजार से ज्यादा यात्री पहुंच चुके हैं। चार धाम यात्रा के लिए अब तक 22.15 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं। पिछले साल

रिकॉर्ड 55 लाख लोगों ने दर्शन किए थे। केदारनाथ-बद्रीनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजयेंद्र अजय के मुताबिक 9 मई की शाम 4 बजे डोली केदारधाम पहुंची।

ईरान ने जब्त किए जहाज से 5 भारतीयों को किया रिहा

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने 13 अप्रैल को जब्त किए जहाज एरीज पर सवार 5 भारतीय को रिहा कर दिया है। ईरान में मौजूद भारतीय दूतावास ने गुरुवार को बताया कि सभी लोग भारत के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने ईरान अधिकारियों को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। दरअसल, इजराइल पर हमले से पहले ईरान ने भारत आ रहे पुर्तगाल के झंडे वाले एक जहाज को ओमान की खाड़ी में होर्मुज पास से जब्त किया था। इस पर 25 क्रू मेंबर मौजूद थे जिनमें 17 भारतीय और दो पाकिस्तानी थे। यह शिप इजराइली अरबपति की एक कंपनी का था। बचे हुए 11 सदस्य अब भी ईरान की कैद में हैं। इससे पहले 18 अप्रैल को एक भारतीय महिला कैडेट एन टेसा जोसेफ को रिहा किया गया था।

जैसे ही लगी अर्थव्यवस्था को चपत, घबरा गया मालदीव

भागे-भागे भारत आए विदेश मंत्री, बोले-समझौता मजबूत करिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने गुरुवार को संकेत दिया कि मुइज्जू सरकार भारत के साथ काम करना चाहती है, जबकि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि द्विपक्षीय संबंध आपसी हितों और पारस्परिक संवेदनशीलता पर आधारित हैं। जयशंकर-जमीर की बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने मालदीव में भारत द्वारा चलाई गए कई प्रोजेक्ट की स्थिति पर चर्चा की। सूत्रों ने ईटी को बताया कि दोनों पक्षों ने इन योजनाओं के जरिए होने वाले विकास और अन्य प्रोजेक्ट को लेकर अपनी-अपनी बात रखी। सूत्रों ने बताया कि मालदीव में भारत विरोधी बयानबाजी के बीच जमीर की भारत यात्रा इस बात का संकेत है कि पड़ोसी देश कामकाजी रिश्ते बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि संसदीय चुनावों में शानदार जीत के बाद मुइज्जू प्रशासन बयानबाजी को किनारे रखकर भारत के साथ काम करना चाहेगा, जो अपनी आजादी के बाद से मालदीव में संकटों का सबसे पहले जवाब देने वाला देश रहा है।

अपनी बयान में जमीर ने भारत की कुछ चिंताओं का समाधान करने का प्रयास किया और कहा कि उनके देश की सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कार्रवाई कर रही है कि उसके नेता के खिलाफ फिर से अपमानजनक टिप्पणी न करें।

आरवीएनएल 235 साल पुराने सेंट थॉमस स्कूल अधिक भूमि का अधिग्रहण शुरू किया

कोलकाता,एजेन्सी। आरवीएनएल ने 235 साल पुराने सेंट थॉमस स्कूल से अधिक भूमि का अधिग्रहण शुरू कर दिया है, जहां से जोका-एस्प्लेनेड कॉरिडोर के भूमिगत हिस्से पर काम के लिए सुरंग बोरिंग मशीनें (टीबीएम) लॉन्च की जाएंगी। एक टीबीएम की न्यूनतम लंबाई लगभग 90 मीटर है, मुख्य कटर हेड लगभग 9 मीटर है। बाकी गैन्ट्री हैं जिन्हें मुख्य कटर हेड लॉन्च होने के बाद जोड़ा जाता है। आरवीएनएल द्वारा अधिग्रहीत भूमि की लंबाई करीब 80 मीटर है। चौड़ाई लगभग 20 मीटर है। एजेंसी ने अब सीएनआई द्वारा संचालित और दिसंबर 1789 में स्थापित स्कूल से 40द्ध×20द्ध की एक और किश्त के लिए अधिक भूमि अधिग्रहण करना शुरू कर दिया है। इसके लिए संस्था ने आरवीएनएल को लड़कों के स्कूल के प्रवेश द्वार को वर्तमान स्थान से लगभग 20 मीटर दूर स्थानांतरित करने की अनुमति दी है। मेट्रो कॉरिडोर के लिए लड़कों के स्कूल परिसर में एक शाफ्ट बनाया जा रहा है। आरवीएनएल ने सेंट थॉमस स्कूल और पार्क स्ट्रीट के बीच 5.8 मीटर व्यास वाली दो सुरंगें खोदने और बनाने के लिए जर्मनी से दो हेरेनकेनच टीबीएम का ऑर्डर दिया है। कुछ महीनों में टीबीएम आने की उम्मीद है।

टीबीएम के प्रवेश द्वार के लिए जगह बनाने के लिए कैंटीन के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली एक पुरानी संरचना को नष्ट कर दिया जाएगा जो 14 किमी जोका-एस्प्लेनेड या पर्पल लाइन के 5 किमी भूमिगत खंड का एक हिस्सा होगा। जो कुछ भी तोड़ा जा रहा है उसका पुनर्निर्माण किया जाएगा। रेलवे के एक अधिकारी ने आरवीएनएल, जो एक रेलवे उपक्रम है, की ओर से कहा, आरवीएनएल मेट्रो का काम संचालित करने का प्रयास करेगा, जो स्कूल के सामान्य कामकाज को प्रभावित किए बिना, कक्षाओं से दूर होगा। खुदाई के दौरान टीबीएम द्वारा उपयोग किए जाने वाले कंक्रीट के छल्ले या सुरंग खंडों का निर्माण बज बज के पास सरकारपूल में आरवीएनएल के कास्टिंग यार्ड में किया जाएगा। सुरंग बनाने का काम पूरा होने के बाद आरवीएनएल सेंट थॉमस स्कूल के अंदर निर्माण स्थल का जीर्णोद्धार करेगा।

मेट्रो लाइन वर्तमान में जोका और माझेरहाट के बीच 8 किमी में चालू है। मोमिनपुर से गलियारा भूमिगत हो जाता है। यह गलियारे का सबसे उत्तरी भाग है। एलएंडटी, जिसने 5 किमी के भूमिगत खंड के निर्माण की बोली जीती थी, ने पहले ही भूमिगत विक्टोरिया मेमोरियल स्टेशन के लिए काम शुरू कर दिया है। इसने पार्क स्ट्रीट स्टेशन के लिए पार्क स्ट्रीट के सामने मैदान के एक पार्सल की भी बैरिकेडिंग कर दी है, जिसका उत्तर-दक्षिण लाइन के पार्क स्ट्रीट मेट्रो स्टेशन के साथ एक इंटरफ़ेस होगा। कोलकाता के शहरी वन वृक्षों को जोका-एस्प्लेनेड मेट्रो के लिए प्रत्यारोपित किया जाएगा। मैदान में प्रतिपूरक वृक्षारोपण। विक्टोरिया स्टेशन के लिए एनओसी. एस्प्लेनेड में प्रस्तावित रु20 बस स्टैंड शिफ्ट। कोलकाता का व्यस्त हावड़ा मैदान-एस्प्लेनेड ग्रीन लाइन-2 कॉरिडोर यात्रियों के लिए आसान यात्रा की सुविधा प्रदान करता है। हाल के सुधारों में एक नया प्रवेश द्वार, बढ़े हुए साइनेज और निर्बाध यात्री आवाजाही के लिए कर्मचारियों की सहायता शामिल है। घासेरा में एक ऑटोरिक्शा दुर्घटना में आठ बच्चों सहित नौ घायल हो गए। बाइक सवारों से बचने के लिए चालक ने संतुलन खो दिया। अफसा की हालत गंभीर, पीजीआई रोहतक रेफर किया गया। नरेंद्र और सविता छात्रों की स्थिति पर नजर रखते हैं।

चुनाव आयोग ने भाजपा नेताओं के खिलाफ दर्ज की शिकायत

नई दिल्ली/कोलकाता,एजेन्सी। पश्चिम बंगाल में संदेशखाली से जुड़े एक कथित स्टिंग ऑपरेशन का वीडियो वायरल होने के बाद बवाल मचा हुआ है. इस संबंध में भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष गंगाधर कयाल, बशीरहाट उम्मीदवार रेखा पात्रा के खिलाफ संदेशखाली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है. वहीं तृणमूल कांग्रेस ने गुरुवार को बीजेपी के सुवेंदु अधिकारी और अन्य के खिलाफ चुनाव आयोग में भी शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में टीएमसी ने दावा किया है कि बीजेपी के एक नेता ने कैमरे पर कबूल किया है कि संदेशखाली घटना में बलात्कार के आरोप मनगढ़ंत थे. पार्टी ने चुनाव आयोग से आग्रह किया कि संबंधित नेताओं के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू करने के लिए पुलिस को निर्देश जारी करें.

तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने गुरुवार को चुनाव आयोग को एक पत्र सौंपा. पत्र में ममता बनर्जी की पार्टी ने सुवेंदु अधिकारी और अन्य बीजेपी नेताओं पर शेख शाहजहां, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार के खिलाफ बलात्कार की झूठी शिकायतें दर्ज कराने की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया. शिकायत उस वीडियो पर आधारित है जिसमें संदेशखाली से बीजेपी के मंडल अध्यक्ष गंगाधर कयाल होने का दावा करने वाला एक व्यक्ति यह कहते हुए दिखाई दे रहा है कि विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने ही पूरे संदेशखाली कांड की साजिश रची थी.

टीएमसी द्वारा शेयर किए गए कथित स्टिंग ऑपरेशन के वीडियो में कयाल को यह कहते सुना जा सकता है कि अधिकारी के आदेश पर यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज की गई थीं. पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने आरोप लगाया है कि स्टिंग ऑपरेशन फर्जी था. उन्होंने संदेह जताया कि इसे एआई का इस्तेमाल करके बनाया गया है. टीएमसी ने वीडियो का यूट्यूब लिंक सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कहा था कि कयाल ने अधिकारी और अन्य बीजेपी नेताओं के निर्देशों पर संदेशखाली की महिलाओं को झूठी बलात्कार की शिकायतें दर्ज कराने के लिए उकसाने की बात खुले तौर पर स्वीकार की है.

शिकायत में कहा गया, ये हरकतें न सिर्फ नैतिक रूप से निंदनीय हैं बल्कि अपराध भी हैं. इसमें शामिल बीजेपी नेताओं को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए. ईडी की टीम पर हमला होने के बाद संदेशखाली उस समय सुर्खियों में आया, जब वहां की महिलाओं ने शाहजहां शेख पर जमीन हड़पने और उसके गुर्गों पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया. इस मामले को लेकर लेफ्ट और बीजेपी पार्टियों ने ममता सरकार के खिलाफ जमकर विरोध किया. संदेशखाली में धारा 144 लगाकर विपक्ष के नेताओं को वहां जाने से रोका गया, हालांकि बीजेपी के नेताओं ने बंगाल से लेकर दिल्ली तक इस मामले को उठाया और ममता सरकार पर दबाव बनाया कि संदेशखाली के सभी आरोपियों की गिरफ्तारी हो. हालांकि बंगाल पुलिस ने उसके गुर्गों को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन शाहजहां शेख पर हाथ डालने से पुलिस डर रही थी. कोलकाता हाई कोर्ट ने जब शाहजहां की गिरफ्तारी का आदेश दिया तो पुलिस ने एक्शन लेते हुए फरवरी के अंत में अरेस्ट किया था.

लोकसभा चुनावः टीएमसी के यूसुफ पठान ने पश्चिम बंगाल के बहरामपुर में रोड शो किया

बेहरामपुर/कोलकाता,एजेन्सी। जब इरफ़ान पठान मैदान पर उतरते हैं, तो भीड़ पागल हो जाती है - भले ही वह राजनीतिक पिच हो। इसलिए, जब भारत के पूर्व तेज गेंदबाज अपने बड़े भाई और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार यूसुफ पठान, जो भारत के पूर्व क्रिकेटर भी हैं, के लिए प्रचार करने के लिए गुरुवार को यहां सड़कों पर उतरे, तो उनके रैली मार्ग पर हजारों की संख्या में प्रशंसक एकत्र हो गए। बेल्दा से रेजीनगर तक छह किलोमीटर लंबे रोड शो में यूसुफ के साथ इरफान के जाने पर क्रिकेट प्रेमियों ने उनके ऊपर बल्ले से लेकर टी-शर्ट तक कुछ भी उछाला, वे चाहते थे कि उन पर उनका हस्ताक्षर हो। और वह डैपर पूर्व क्रिकेटर - जो अब एक कमेंटेटर के रूप में लोकप्रिय है - जींस, टी-शर्ट और एविएटर्स पहने हुए, मुस्कुराहट के साथ उनका स्वागत किया।

बेहरामपुर में 13 मई को मतदान होगा. रोड शो के अंत में, उन्होंने एक बड़ी सभा को संबोधित किया जो उनका इंतजार कर रही थी।

मेरा भाई बोलता कम है पर काम ज्यादा करता है। अगर इनको कोई हाफ वॉलीबॉल करता है तो ये उसको स्टैंड के बाहर पूछ देता है। आप इन्हें वोट देंगे तो ये आपका हर काम कर देगा। ये पठान की जुबान है (मेरा भाई कम बोलता है लेकिन कड़ी मेहनत करता है। यदि उस पर हाफ वॉली में गेंद फेंकी जाती है, तो वह उसे जमीन से बाहर मार देता है। यदि आप उसे वोट देंगे, तो वह आपके सारे काम कर देगा। यह एक पठान का शब्द है) इरफ़ान ने कहा. यूसुफ़ पठान ने इस आईपीएल सीज़न में शायद ही कोई क्रिकेट मैच देखा हो, यहां तक कि केकेआर का भी नहीं, जिस टीम का उन्होंने चार साल से अधिक समय तक प्रतिनिधित्व किया है। इसके बजाय, भारत के पूर्व ऑलराउंडर - जो दो विश्व कप विजेता टीमों के सदस्य रहे हैं - लगातार बेहरामपुर का दौरा कर रहे हैं, जहां से वह टीएमसी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। रैलियों से लेकर रोड शो तक, बैठकों में पार्टी कार्यकर्ताओं का आत्मविश्वास बढ़ाने से लेकर अपनी सोशल मीडिया टीम से फीडबैक लेने तक, पठान टीएमसी के लिए वह सीट जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं जो उन्होंने पहले कभी नहीं जीती है। यह लोकसभा क्षेत्र पिछले ढाई दशक से अधीर चौधरी को अपना सांसद चुनता रहा है। चौधरी, पठान के प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण से दो साल पहले, 1999 से बेहरामपुर सीट जीत रहे हैं। उन्होंने घोषणा की है कि अगर वह 2024 का चुनाव हार गए तो राजनीति छोड़ देंगे।

राजभवन की महिला कर्मचारी छेड़छाड़ के मुद्दे पर न्याय के लिए राष्ट्रपति मुर्मू को पत्र लिखेंगी

कोलकाता,एजेन्सी। राज्यपाल सीवी आनंद बोस द्वारा राजभवन के कई सीसीटीवी फुटेज की जांच करने के एक दिन बाद, राज्यपाल के घर की एक संविदा महिला कर्मचारी द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए छेड़छाड़ के आरोपों पर स्थिति स्पष्ट करने के लिए, पीड़िता ने शुक्रवार को कहा कि वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से संपर्क करेंगी। मामले में हस्तक्षेप.

कर्मचारी ने असंपादित फुटेज की सार्वजनिक स्क्रीनिंग पर आपत्ति जताई, जहां कथित तौर पर उसकी पहचान का खुलासा किया गया था क्योंकि उसका चेहरा धुंधला नहीं था। यह कहते हुए कि वह कलकत्ता पुलिस से ज्यादा उम्मीद नहीं रख सकती, जिसके हाथ राज्यपाल बोस को प्राप्त संवैधानिक छूट के कारण बंधे हुए हैं, पीड़िता ने कहा कि वह गंभीर अवसाद से गुजर रही थी और उसे लगा कि राष्ट्रपति को पत्र लिखना ही न्याय का एकमात्र सहारा है।मैं जानता हूं कि संवैधानिक छूट के कारण मौजूदा राज्यपाल को कुछ नहीं होगा। लेकिन उन्होंने जो अपराध किया है उसका क्या? मैंने इस मामले में हस्तक्षेप के लिए राष्ट्रपति को पत्र लिखने का फैसला किया है। मैं उन्हें न्याय दिलाने के लिए लिख रहा हूं और कुछ नहीं। , कथित पीड़िता ने पीटीआई को बताया।

अपनी पहचान छुपाए बिना फुटेज की स्क्रीनिंग पर नाराजगी व्यक्त करते हुए पीड़िता ने कहा कि वह समाधान के लिए पुलिस से भी संपर्क करेगी।

उन्होंने माना कि 2 मई के सीसीटीवी की स्क्रीनिंग का कार्य एक अपमान था और उन्होंने जांच प्रक्रिया के दौरान राज्यपाल से सहयोग की कमी पर अफसोस जताते हुए राज्यपाल पर उनकी गोपनीयता और गोपनीयता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, गवर्नर ने मेरी अनुमति के बिना मेरे फुटेज की स्क्रीनिंग कैसे की? उन्होंने आज एक नया अपराध किया है। कोलकाता पुलिस ने पहले पुष्टि की थी कि वह पूर्ण जांच के बजाय पूछताछ करेगी जिसके लिए एफआईआर दर्ज करने की आवश्यकता है क्योंकि राज्यपाल को संविधान के अनुच्छेद 361 के खंड 2 के तहत संरक्षित किया गया है जो उन्हें आपराधिक कार्यवाही से पूर्ण छूट प्रदान करता है। किसी भी प्रकार का। राजभवन की संविदा महिला कर्मचारी ने शुक्रवार को कोलकाता पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि बोस ने 24 अप्रैल और 2 मई को गवर्नर हाउस में उसके साथ छेड़छाड़ की थी। उन्होंने अपने कार्यों से ध्यान भटकाने के लिए हास्यास्पद नाटक रचने के लिए बोस की आलोचना की और इस बात पर जोर दिया कि उन्हें जांच की शुरुआत में पुलिस को फुटेज उपलब्ध कराना चाहिए था। उन्होंने कहा, उन्होंने (राज्यपाल ने) एक घृणित कार्य किया। फिर उन्होंने अपनी गलती को छिपाने के लिए एक हास्यास्पद नाटक का मंचन किया। उन्होंने फुटेज जारी करने से पहले कभी भी मेरी अनुमति नहीं ली। यह हमारे कानूनों का उल्लंघन है क्योंकि मेरी पहचान गोपनीय रखी जानी चाहिए थी। कहा। 2 मई को शाम 5.32 बजे से शाम 6.41 बजे तक मुख्य (उत्तरी) गेट पर लगे दो सीसीटीवी कैमरों की फुटेज राजभवन के भूतल पर सेंट्रल मार्बल हॉल में चुनिंदा लोगों और पत्रकारों को दिखाई गई। पहले फुटेज में, जीन्स और टॉप पहने कर्मचारी को बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों के बीच गवर्नर हाउस के भीतर स्थित पुलिस चौकी की ओर भागते देखा गया, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्धारित यात्रा के लिए परिसर में तैनात थे। उस दिन। दूसरा फुटेज, जो लगभग 10 मिनट तक चला, उसमें राजभवन के उत्तरी गेट पर फायर टेंडर सहित विभिन्न वाहन आते हुए और पुलिसकर्मी अपने नियमित कर्तव्यों के लिए कतार में खड़े दिखाई दिए। हालाँकि, पीड़ित को देखा नहीं जा सका।

आईटीए ने संघर्षरत दार्जिलिंग चाय उद्योग को समर्थन देने के लिए केंद्र से वित्तीय सहायता मांगी

कोलकाता ,एजेन्सी। भारतीय चाय संघ (आईटीए) ने शुक्रवार को संघर्षरत दार्जिलिंग चाय उद्योग को समर्थन देने के लिए केंद्र से वित्तीय सहायता की मांग दोहराई। आईटीए के मुताबिक, घटती पैदावार और गिरती कीमतों के कारण दार्जिलिंग में स्थिति गंभीर है।

वित्तीय राहत पैकेज के बिना, दार्जिलिंग चाय उद्योग का अस्तित्व खतरे में है, एसोसिएशन ने कहा कि उसने सरकार से मार्च 2022 में वाणिज्य पर संसदीय स्थायी समिति द्वारा अनुमोदित वित्तीय पुनरुद्धार पैकेज पर विचार करने और कार्रवाई करने का आग्रह किया है। आईटीए ने कहा, एसोसिएशन ने सरकार से दार्जिलिंग चाय क्षेत्र के लिए वित्तीय पुनरुद्धार पैकेज का विस्तार करने का आग्रह किया है, जिसे मार्च 2022 में वाणिज्य पर संसदीय स्थायी समिति द्वारा पहले ही समर्थन

दिया जा चुका है। यह विचार और कार्रवाई की प्रतीक्षा कर रहा है। आईटीए ने टी बोर्ड के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति ने असम और पश्चिम बंगाल में चाय उत्पादन को प्रभावित किया है, जिससे उत्पादन में उल्लेखनीय कमी आई है। टी बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से मार्च 2024 तक देशभर में उत्पादन 13.69 मिलियन किलोग्राम घटकर 96.10 मिलियन किलोग्राम रह गया। आईटीए ने कहा कि इसी अवधि के दौरान नीलामी में कीमतों में भी गिरावट आई है और अखिल भारतीय स्तर पर नीलामी की कीमतें 16.08 रुपये प्रति किलोग्राम कम होकर 128.12 रुपये पर आ गईं। इस बीच, जनवरी से दिसंबर 2023 के दौरान भारत से चाय का निर्यात गिरकर 227.91 मिलियन किलोग्राम हो गया, जबकि 2022 की समान अवधि में यह 231.08 मिलियन किलोग्राम था, जिससे उद्योग की चुनौतियां बढ़ गईं, आईटीए ने कहा।

शहर के उम्मीदवारों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल हो गई

कोलकाता,एजेन्सी। दक्षिण कोलकाता के गोपालनगर में वामपंथी और टीएमसी कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए, जब बुधवार को उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल करने के लिए क्रॉसिंग के पास अलीपुर सर्वे बिल्डिंग की ओर जा रहे थे। पुलिस ने कहा कि यह दोपहर के आसपास था जब लेफ्ट की कोलकाता दक्षिण उम्मीदवार सायरा शाह हलीम और उनके समर्थक कालीघाट पुल को पार कर रहे थे, तभी टीएमसी समर्थकों ने अपनी उम्मीदवार माला रॉय के आने की प्रत्याशा में माइक पर खेला होबे और अन्य गाने बजाने शुरू कर दिए और परेशानी पैदा हो गई। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सीपीएम समर्थक जब सीएम ममता बनर्जी के आवास के सामने सड़क पर थे और जब वे अलीपुर सर्वे भवन पहुंचे तो उन्होंने चोर-चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए। सूत्रों ने कहा कि सीपीएम कार्यकर्ता सर्वे बिल्डिंग के सामने एक अस्थायी बैरिकेड के पीछे हलीम का इंतजार कर रहे थे। जब उन्होंने पास में तृणमूल कार्यकर्ताओं को देखा तो उन्होंने कथित तौर पर नारे लगाना

शुरू कर दिया। इससे पहले तो विवाद हुआ और हाथापाई तक पहुंच गई। अधिक टीएमसी कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। यह लगभग 30 मिनट तक जारी रहा, इससे पहले कि पुलिस दोनों युद्धरत समूहों को अलग कर पाती।

हम शेड्यूल पर थे। उन्होंने चुनाव आयोग से टाइम स्लॉट भी ले लिया था और मौके पर मौजूद थे. एक विवाद था, सीपीएम पदाधिकारी फवाद हलीम ने कहा। घटना के बाद सायरा शाह हलीम पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य से मिलने उनके पाम एवेन्यू स्थित आवास पर गईं। तृणमूल पदाधिकारी चंदन सेन ने कहा, उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी थी और हमारे समर्थकों ने केवल विरोध किया। इससे क्षेत्र में एक घंटे से अधिक समय तक यातायात बाधित रहा और कई वाहनों को डायवर्ट करना पड़ा और उन्हें जजेज कोर्ट रोड और हाजरा रोड की ओर जाने को कहा गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने दक्षिण 24 परगना के डीएम से रिपोर्ट मांगी है. एक सूत्र ने कहा, डीएम सुमित गुप्ता को नामांकन के लिए विभिन्न दलों के लिए अलग-अलग समय आवंटित करने के लिए कहा गया था।

एकनाथ शिंदे और गणेश नाइक के परिवार द्वारा समर्थित नरेश म्हस्के ने ठाणे लोकसभा सीट के लिए नामांकन दाखिल किया। जीत का भरोसा. पीएम मोदी के दोबारा चुने जाने पर फोकस. रैली में हिंसा की सूचना. 43 नामांकन प्राप्त हुए। दिल्ली में नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन में उछाल देखा गया क्योंकि 51 उम्मीदवारों ने आगामी 25 मई को होने वाले चुनाव के लिए दस्तावेज जमा किए। उम्मीदवारों में विभिन्न दलों के प्रमुख व्यक्ति शामिल थे, जो चुनावी दौड़ में विविध प्रतिनिधित्व को दर्शाते हैं। 2010 में, रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर को ट्यूमर के निदान का सामना करना पड़ा, जब डॉक्टरों को उनके मस्तिष्क के स्कैन में एक काला धब्बा मिला। एक डॉक्टर का वैकल्पिक मृत परजीवी सिद्धांत सामने आया। स्वास्थ्य चुनौतियों के बावजूद, वह राष्ट्रपति पद के लिए दावेदारी पर विचार कर रहे हैं।

महिलाओं ने बलात्कार की शिकायत दर्ज कराने के लिए दिया धोखा टीएमसी ने बीजेपी पर साधा निशाना

कोलकाता,एजेन्सी। तृणमूल कांग्रेस ने गुरुवार को भाजपा पर संदेशखाली की घटनाओं के बारे में झूठ फैलाने का आरोप लगाया, कई नए सामने आए वीडियो में दावा किया गया कि एक स्थानीय महिला भाजपा नेता ने कई महिलाओं से कोरे कागजों पर हस्ताक्षर कराए, जिन्हें बाद में यौन उत्पीड़न की शिकायतों के रूप में भर दिया गया। टीएमसी नेताओं के खिलाफ.

यह आरोप तीन दिन के भीतर तब लगाया गया जब टीएमसी ने सोशल मीडिया पर एक संदेशखली स्टिंग ऑपरेशन वीडियो का अनावरण किया, जिसमें एक स्थानीय भाजपा नेता गंगाधर कोयल ने दावा किया था कि बलात्कार के आरोप मनोचित थे और राज्य के नेता के आदेश पर दर्ज किए गए थे। विपक्ष, सुवेंदु अधिकारी।

अपने दावों को फिर से साबित करने के लिए, टीएमसी ने गुरुवार को संदेशखाली की कथित महिला निवासियों के वीडियो का एक नया सेट साझा किया, जिन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने उन्हें झूठे बलात्कार के मामले दर्ज कराने के लिए धोखाधड़ी की थी।

कोलकाता नगर निगम (केएमसी) बाईपास एक पालतू जानवर पार्क स्थापित

कोलकाता,एजेन्सी। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) बाईपास के पास एक पालतू जानवर पार्क स्थापित करने के प्रस्ताव का मूल्यांकन कर रहा है। यदि पार्क बनता है, तो यह कोलकाता में इस तरह की पहली सुविधा होगी। केएमसी के अधिकारियों ने कहा कि वार्ड 109 की पार्षद अनन्या बनर्जी ने नागरिक आयुक्त धवल जैन को प्रस्ताव भेजा था और बाद में इसे एक नोट के साथ पार्क विभाग को भेज दिया था कि इस पर गंभीरता से विचार किया जाए। यह घटनाक्रम कोलकाता मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (केएमडीए) की एक अधिसूचना पर विवाद के बीच आया है,

जिसमें रवीन्द्र सरोबर में पालतू जानवरों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। प्रस्ताव के अनुसार, 10-कोट्ठा पार्क पालतू कुत्तों, वंशावली और आवारा कुत्तों, जिन्हें नागरिकों द्वारा अपनाया जाता है, के लिए आरक्षित किया जाएगा। हमें बाईपास के पास एक निजी अस्पताल के नजदीक एक पालतू जानवर पार्क के लिए एक प्रस्ताव मिला है। हम इस परियोजना को शुरू करने के इच्छुक हैं, केएमसी के एक अधिकारी ने कहा।

सूत्रों ने कहा कि इस स्थान पर एक पार्क मौजूद है, जिसे प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद पालतू पार्क में बदल दिया जाएगा। केएमसी कुछ बुनियादी ढांचे का विकास करेगा, जैसे जॉगर्स ट्रैक और कुत्तों के लिए एक पूल भी। बनर्जी ने कहा, पार्कों में बच्चों के अनुभाग की तरह, जहां स्लाइड, सी-सॉ और झूले हैं, गेमिंग क्षेत्र के लिए एक अनुभाग निर्धारित करने का भी प्रस्ताव है। उन्होंने यह भी प्रस्ताव दिया है कि पालतू जानवरों के माता-पिता के लिए एक कैफेटेरिया स्थापित किया जाए जो सुबह और शाम को खुला रहेगा। योजना के मुताबिक, पार्क तक पहुंच मुफ्त होगी। स्विमिंग पूल तक पहुंच भुगतान के आधार पर हो सकती है। हालाँकि, अभी तक किसी भी तौर-तरीके को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। कोविड-19 के दर्दनाक दिनों के बाद से, विभिन्न पड़ोस के निवासी मुझसे बार-बार पालतू जानवरों के लिए सांस लेने की जगह बनाने के लिए कह रहे हैं क्योंकि उनमें से ज्यादातर अब फ्लैटों तक ही सीमित हैं। पालतू जानवरों के घूमने के लिए पड़ोस में जगह की कमी है, बनर्जी ने कहा।

रवीन्द्र सरोबार में पालतू जानवरों के मालिकों ने पालतू जानवरों पर प्रतिबंध के खिलाफ रैली निकाली और जिम्मेदार स्वामित्व की वकालत की। वे चिंताओं को दूर करने के लिए नियमों का प्रस्ताव करते हैं, प्रतिबंध को वापस लेने की मांग करते हैं और पालतू जानवरों के मालिकों के लिए पार्क में पालन करने के लिए दिशानिर्देश सुझाते हैं। कोलकाता के रवीन्द्र सरोबर ने पालतू जानवरों पर प्रतिबंध लगाया, पशु उपद्रव को संबोधित करने के लिए पालतू पशु कॉर्नर का प्रस्ताव रखा। आगंतुक मिश्रित प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं, कुछ लोग एक समर्पित पालतू क्षेत्र का सुझाव देते हैं। न्यू टाउन में, एनकेडीए ने शुरू में पार्कों में पालतू जानवरों पर प्रतिबंध लगा दिया, बाद में सार्वजनिक क्षेत्रों में पालतू जानवरों के लिए नियम लागू किया। रॉटवीलर हमला जीसीसी की पालतू लाइसेंसिंग प्रणाली की खामियों, अपंजीकृत पालतू जानवरों के लिए प्रवर्तन और दंड की कमी को उजागर करता है। बिना लाइसेंस वाले जानवरों के लिए लाइसेंस और दंड पर बेहतर नियमों और तमिलनाडु कानून का सख्ती से पालन करने का आह्वान।

संक्षिप्त समाचार

श्रावणी मेला को लेकर नप ने शुरू की तैयारी

भागलपुर/सुल्तानगंज, एजेंसी। अजगैवीनाथ धाम में इस वर्ष 22 जुलाई से शुरू हो रहे विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला में आने वाले कांवरियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए नगर परिषद की ओर से तैयारी शुरू कर दी गयी है। गुरुवार को नप कार्यपालक पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार ने जेई के साथ मेला क्षेत्र का दौरा कर स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि नमामि गंगे घाट के समीप बुडको के बने एसटीपी से श्रावणी मेला के दौरान गंदा पानी ओवरफ्लो होकर बहने की जानकारी मिली है। थाना चौक के समीप से गंगा घाट तक आने-जाने वाले जर्जर बाईपास रोड की मेला से पूर्व मरम्मत कराने के लिए स्टीमेट तैयार करने को कहा गया है। एसटीपी में गड़बड़ी सामने आने पर बुडको को लिखा जाएगा। उन्होंने बताया कि थाना चौक के समीप गंगा घाट की ओर आने-जाने के लिए लगे बोर्ड को उखाड़कर मुख्य प्वाइंट पर लगाने का निर्देश दिया गया है, ताकि मेला के दौरान कांवरियों को गंगा घाट तक पहुंचने में बोर्ड स्पष्ट रूप से दिखाई पड़े।

अकबरनगर : पहली बारिश में सड़क पर जलजमाव से परेशानी

अकबरनगर, एजेंसी। गुरुवार को हुई बारिश से अकबरनगर की सड़क पोखर में तब्दील हो गयी है। सड़क से गुजरने के दौरान बाइक चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं। ई-रिक्शा व ऑटो दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। जर्जर सड़क व जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों में आक्रोश है। बारिश से अकबरनगर शिव मंदिर चौक व श्रीरामपुर सहित कई मोहल्ले की सड़क पर जलजमाव हो गया है। करीब 2 सौ मीटर की दूरी तय करने में लोगों को डर लग रहा है। अकबरनगर से शाहकुंड व भागलपुर जाने के लिए लोग यात्रा करते है। वहीं अकबरनगर में विभिन्न इलाकों के घरों से निकले वाले गंदे पानी के बहाव के लिए नाली का निर्माण कराया गया था। मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना से लाखों रुपयों की लागत से नाला का निर्माण हुआ था। लेकिन वो भी आधा अधूरा कर छोड़ दिया गया है। सड़क के पानी को निकालने के लिए नाला का निर्माण नहीं किया गया है। सिमराहा गांव के वार्ड 10 में व श्रीरामपुर में विभिन्न पीसीसी गलियां पानी से लबालब हैं।

मछली व मंगलसूत्र की नहीं, चुनाव में मुद्दों की बात होगी : शुक्ला

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में अब मछली और मंगलसूत्र की नहीं, मुद्दों की बात होगी। इंदिरा आवास की बात होगी, मनरेगा के सौ दिनों के रोजगार गारंटी की बात होगी। विकास और रोजगार की बात होगी। विकास में जिनका कहीं किसी तरह का कोई योगदान नहीं, वे आज नेता बने फिर रहे हैं। जबकि, दोनों लोकसभा क्षेत्र में हमारा योगदान और बलिदान सबको याद है। ये बातें वैशाली लोकसभा सीट से राजद प्रत्याशी विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला ने गुरुवार को एक स्थानीय होटल में संवाददाता सम्मेलन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि मैं अपने समाज से कहना चाहता हूं, कि आज आप कहां हैं। 40 साल में लोग गुलाम हो जाते हैं, आपने 35 साल गंवा दिए। आपने अब तक गैरों को मौका दिया है। आज राजद व महागठबंधन ने आपको मौका दिया है। मौके को गले लगाइए, इसे मत गंवाइए। आपने दो करोड़ नौकरी देखी, किसान की दोगुनी आमदनी देखी, अब राजद को मौका देकर देखिए। मौके पर मौजूद मुजफ्फरपुर लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अजय निषाद के संबंध में उन्होंने कहा कि कैप्टन जयनारयण निषाद और अजय निषाद का मुजफ्फरपुर के लोगों के लिए कई योगदान है।

13 साल की किशोरी से 6 लोगों ने किया गैंगरेप

खगड़िया में दुष्कर्म का वीडियो भी बनाया, सभी फरार; हथियार दिखा मुंह में कपड़ा ठूंसा था

खगड़िया, एजेंसी। खगड़िया में 13 साल की दलित किशोरी से गैंगरेप का मामला सामने आया है। घटना को अधेड़ उम्र के 50 वर्षीय मो. बेचन सहित 6 लोगों ने 6 मई की देर रात के बाद अंजाम दिया और इसका वीडियो भी शूट किया। वहीं, घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी सभी रेपिस्ट पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। मामला जिले के गोगरी थाना क्षेत्र के गांव का है। पीड़ित की मां ने मो. बेचन के साथ 19 वर्षीय मो. अकबर, 22 वर्षीय मो.गुड्डू, 20 वर्षीय मो.अखलाक, 20 वर्षीय मो. समीर और 40 वर्षीय दिलीप साह के खिलाफ सात मई को स्थानीय थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। सभी आरोपी गोगरी कस्बा का रहने वाला है। पुलिस ने 8 मई को पीड़िता का मेडिकल चेकअप और 9 मई को कोर्ट में बयान दर्ज कराया, लेकिन किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

एसपी चंदन कुशवाहा ने बताया कि सभी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का निर्देश एसडीपीओ को दिया गया है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गैंगरेप पीड़िता की मां ने एफआईआर में कहा कि मेरी 13 वर्षीय बेटी 6 मई की देर रात घर के बाहर सड़क के उस पार अपने शौचालय में गई थी, बाहर निकलते ही आरोपियों ने उसे दबोच लिया और हथियार के बल पर मुंह में कपड़ा ठूंस कर जबरन पास के बगीचे में ले जाकर सभी ने पूरी रात बारी बारी से रेप किया। आरोपियों ने मिलकर रेप का वीडियो भी बनाया और किसी को जानकारी देने पर इसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। पीड़िता सुबह घर पहुंची तो अपने माता-पिता को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पीड़िता को लेकर उसकी मां थाना पहुंचकर मामले की शिकायत की।

पत्नी की हत्या मामले में पति 3 साल से जेल में बंद, अब वो प्रेमी संग मिली जिंदा

बिहार के गोपालगंज जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर सभी हैरान हैं. यहां एक पति अपनी जिंदा पत्नी की हत्या मामले 3 साल से जेल की हवा खा रहा है. वहीं महिला किसी दूसरे के साथ शादी कर सुख-चैन की जिंदगी जी रही थी. यह पूरा खेल महिला ने अपने भाई के साथ मिलकर खेला था, लेकिन महिला का शव नहीं मिलने से पुलिस की जांच जारी थी,

एक दिन बाद कराया गया मेडिकल जांच

7 मई को लोकसभा चुनाव का मतदान की व्यस्तता के कारण उस दिन पुलिस ने न तो पीड़िता का मेडिकल चेकअप कराया, न मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक 8 मई को मेडिकल जांच कराया गया लेकिन देर हो जाने के कारण उस दिन कोर्ट में बयान दर्ज नहीं कराया जा सका।

जिंदा पत्नी की हत्या की सजा काट रहा पति: दरअसल नगर थाना क्षेत्र के भोजपुरवा गांव निवासी सुनील चौहान की पत्नी लता देवी अचानक घर से गायब हो गई थी. जिसके बाद उसके भाई ने उसके पति के खिलाफ अपहरण कर हत्या का मामला दर्ज करवाया था. दर्ज प्राथमिक के बाद पुलिस ने उसके पति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया, लेकिन तीन साल बाद पुलिस जेल में बंद महिला को जिंदा बरामद किया है.

क्या है पूरा मामला?

दरअसल इस संदर्भ में बताया जाता है कि बरौली थाना क्षेत्र के नदना गांव निवासी लता देवी की शादी वर्ष 2009 में नगर थाना क्षेत्र के भोजपुरवा गांव निवासी सुनील चौहान के साथ हुई थी. शादी के बाद वर्ष 2016 में लता देवी ने अपने पति व ससुराल के लोगों के खिलाफ दहेज प्रथा के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी. इस मामले में कोर्ट के आदेश पर 2021 में लता देवी को फिर से एक मौका अपने पति को देने का आदेश देने के साथ ही ससुराल जाने का आदेश दिया था.

भाई ने लगाया पति पर हत्या का आरोप

जिसके बाद लता देवी ससुराल पहुंच गई. ससुराल जाने के बाद लता देवी के साथ पति ने मारपीट करना शुरू कर दिया. पति से तंग होकर लता उसे छोड़कर घर से गायब हो गई, जिसके बाद उसके भाई चंद्रभूषण प्रसाद ने अपने बहनोई सुनील चौहान पर अपनी बहन का अपहरण कर हत्या करने का आरोप लगाते हुए वर्ष 2021 के जुलाई माह में प्राथमिकी कराई थी.

भाई का मोबाइल ट्रेस करने पर मामले का खुलासा

दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस आरोपी पति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया और वह अब तक जेल में ही बंद है. इसी बीच पुलिस की जांच जारी रही और महिला के भाई चंद्रभूषण के मोबाइल को जब ट्रेस किया गया तो इस बात की जानकारी पुलिस को हुई कि उसकी बात उसकी बहन से जनवरी माह में हुई थी.

बस चालक के साथ फरार थी महिला : इस आधार पर पुलिस ने उसके भाई को हिरासत में लेकर जब पूछताछ करने के साथ ही टेक्निकल सेल की मदद से खोजबीन कर महिला को यूपी के बलिया जिले के मुस्काबाद से बरामद कर लिया. वहीं बरामद की गई महिला ने बताया कि वह गोरखपुर से एक बस चालक के साथ उसके घर चली गई, जहां उससे शादी कर ली. फिलहाल पुलिस बरामद की गई महिला को कोर्ट में पेश करने की तैयारी कर रही है.

भूमि विवाद को लेकर मारपीट, चाचा-भतीजा के बीच जमकर चले लाठी-डंडे

4 घायल

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में जमीनी विवाद में चाचा और भतीजे में जमकर मारपीट हुई। इस मारपीट में चाचा ने भतीजे और उसके परिवार वालों पर बांस-बल्ले से हमला कर दिया। जमीनी विवाद में हुई इस मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। वायरल वीडियो में चीखती आवाजें, भद्दी गालियां और लाठी -डंडे लिए कुछ लोगों को देखा सकता है। चाचा और भतीजे के बीच हुई मारपीट में दोनों पक्षों को मिलाकर 4 लोग घायल हैं। मारपीट में एक पक्ष के तीन लोगों को गंभीर जबकि दूसरे पक्ष के एक को मामूली चोटें आई हैं। मारपीट में गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को इलाज के लिए जीएमसीच में एडमिट कराया गया है। जहां सभी का इलाज जारी है। घटना डगरूआ थाना क्षेत्र की है। घायल हुए लोगों में डगरूआ थाना क्षेत्र के दुबैली पंचायत के परसराई गांव निवासी रेखा देवी 42 और उसके दो बेटे राज कुमार साह, विकास कुमार शामिल हैं, जिनका ईलाज चल रहा हैं। जबकि दूसरे पक्ष से एक लोगों को मामूली चोटें आई हैं। घायल राज कुमार साह ने बताया कि पिछले साल जुलाई में बीमारी की वजह से उनके पिता दुलारचंद साह की मौत हो गई थी। उनकी मौत के बाद से ही छोटे चाचा से जमीन का विवाद चल रहा है। ये विवाद 32 डिसमिल जमीन का है। इसे लेकर पहले भी दोनों के बीच विवाद और फिर मारपीट की नौबत आ चुकी है। जिसे देखते हुए

जमीन को लेकर कोर्ट में केस चल रहा है। गुरुवार को उनके छोटे चाचा आधा दर्जन लोगों के साथ विवादित जमीन पर पिलर गाड़ने आ धमके। पिलर गाड़ने को लेकर ही दोनों के बीच विवाद बढ़ा और फिर हाथापाई शुरू हो गई। देखते ही देखते हालात बिगड़ते चले गए।

इसी क्रम में उनके छोटे चाचा प्रकाश साह, लक्ष्मण कुमार साह, मुकेश साह, राहुल साह और रीता देवी ने लाठी -डंडे और बांस -बल्ले से उन लोगों के ऊपर हमला कर दिया। इसी मारपीट में उनके पक्ष से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि चाचा पक्ष से एक लोगों को मामूली चोटें आई हैं। मारपीट में घायल हुए सभी का इलाज पूर्णिया के जीएमसीएच में चल रहा है। वहीं मारपीट से जुड़ा वीडियो भी सामने आया है। जिसमें चीख पुकार, गालीग्लौज के बीच एक पक्ष को दूसरे पक्ष पर लाठी डंडे से हमले करते और फिर बाद में दोनों को भिड़ते देखा जा सकता है। जानकारी देते हुए डगरूआ थाना अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने बताया कि रेखा देवी पक्ष फोन कर मारपीट की जानकारी दी गई थी। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते इलाज के लिए जीएमसीएच पूर्णिया भेजा गया है। इलाज के बाद मारपीट की घटना को लेकर थाना में लिखित शिकायत देने की बात कही है। आवेदन के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

हल्की-फुल्की बारिश में कहलगांव का सबसे वीआईपी सड़क हुआ नारकीय, गड्ढे पोखर में तब्दील

भागलपुर/कहलगांव, एजेंसी। कहलगांव शहर का सबसे वीआईपी सड़क कहलगांव-प्रखंड कार्यालय रोड पोखरनुमा गड्ढे में तब्दील हो गई है। शहर का सबसे वीआईपी रोड इस मायने में है कि उक्त रोड में सिंचाई विभाग का कार्यालय, सब जज का आवास, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी समेत प्रखंड, अंचल एवं अनुमंडल कार्यालय व पदाधिकारियों का आवास भी है। अनुमंडल कार्यालय, अनुमंडल व्यवहार न्यायालय, अनुमंडल अस्पताल, प्रखंड कार्यालय, रजिस्ट्री ऑफिस, एनटीपीसी परियोजना समेत अन्य कार्यालयों कि ओर जाती है। कहलगांव से अनुमंडल कार्यालय जाने वाली सड़क गुरुवार को हुई हल्की बारिश में सड़क में उभरे गड्ढों में पानी भर जाने की वजह से सड़क पोखर में तब्दील हो गई है। जलजमाव के कारण सड़कों पर सफर करना लोगों के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहा है। पैदल आने-जाने वालों को पानी में होकर गुजारना पड़ता है। तो वहीं दो पहिया वाहन चालक गड्ढे में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। स्कूली बच्चे समेत अन्य राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ रही है। उक्त सड़क का निर्माण एनटीपीसी की स्थापना काल के बाद से एनटीपीसी के सीएसआर फंड से किया जाता रहा। लेकिन हाल के कुछ करीब पांच साल से एनटीपीसी द्वारा उक्त सड़क की मरम्मत नहीं की गयी है। इस संदर्भ में एनटीपीसी के पीआरओ रवि नारायण ने बताया कि बजरंगबली चौक से नहर तक के रोड का अनुमोदन हो गया है। टेंडर की प्रक्रिया में है।

चुनाव के लिए वाहन नहीं जमा करने वालों को अल्टीमेटम

वाहन जमा नहीं करने पर होगी एफआईआर, नोटिस पहले से है जारी

समस्तीपुर, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में पोलिंग पार्टियों को ले जाने और लाने के लिए निबंधित वाहन मालिकों को नोटिस जारी की गई थी। इसके लिए 9 मई की शाम तक वाहन जमा करने का आदेश भी था, लेकिन शाम तक अधिकतर वाहन नहीं पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम योगेंद्र सिंह ने चुनाव कार्य में वाहन नहीं उपलब्ध कराने वाले पर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश जारी किया है। जिला प्रशासन ने जारी आदेश में कहा है कि ऐसे में जिन वाहन मालिकों को अधिग्रहण पत्र मिला है वह कार्रवाई से बचने के लिए शुक्रवार शाम 5 बजे तक निर्धारित स्थल इंदिरा रेलवे स्टेडियम और हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी जितवारपुर समस्तीपुर में वाहन लेकर पहुंचे। यहां बता दें कि 22 -उजियारपुर और 23- समस्तीपुर (अ.जा.) लोकसभा निर्वाचन 2024 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए पोलिंग पार्टियों को लाने और ले जाने के लिए समस्तीपुर जिले के सभी निबंधित वाहन मालिकों को लोकसभा चुनाव में सहयोग करने के लिए जिलाधिकारी ने वाहन अधिकृत करने की नोटिस जारी की गई थी। बावजूद वाहन मालिकों को अपने-अपने वाहन 09 मई तक जमा नहीं किया।

समस्तीपुर और उजियारपुर में 13 मई को चौथे चरण में मतदान होगा

वाहन मालिक को रेल परिसर स्थित इंदिरा रेलवे स्टेडियम और हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी जितवारपुर में जमा करना था। परंतु निर्धारित तिथि तक कई वाहन मालिकों ने अपना वाहन उपलब्ध नहीं कराया है। यही वजह है कि जिलाधिकारी ने चुनाव जैसे महत्वपूर्ण कार्य में वाहन मालिकों को बाधा पहुंचाने को लेकर जिला परिवहन पदाधिकारी को प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश जारी किया है। डीएम के इस आदेश के बाद वाहन मालिकों के बीच हड़कंप मच गया है। समस्तीपुर जिले के दोनों संसदीय क्षेत्र समस्तीपुर और उजियारपुर में 13 मई को चौथे चरण में मतदान होगा।

अवैध हथियार और कारतूस के साथ अपराधी गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर पुलिस भयमुक्त चुनाव कराने के लिए अपराधियों के खिलाफ लगातार विशेष अभियान चला रही है। पुलिस अपराधियों के ठिकाने और गतिविधियों पर विशेष नजर रख रही है। इसी क्रम में एक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अहियापुर थाना की पुलिस को मिलिट्री इंटेलीजेंस से गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक अपराधी कमर में पिस्टल छिपाकर रखा है। जिसके बाद अहियापुर थाने की पुलिस विशेष टीम गठित कर बेरिया स्थित भोला होटल के समीप पहुंची। पुलिस की गाड़ी देखकर अपराधी भागने लगा। पुलिस ने खदेड़ कर अवैध हथियार और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। अहियापुर थाना में मामले को दर्ज किया गया। गिरफ्तार अपराधी की पहचान सीताराम त्रिवेदी के पुत्र मुन्ना त्रिवेदी जयप्रकाश नगर अहियापुर थाना निवासी रूप में हुई है। अहियापुर थाना प्रभारी रोहन कुमार ने बताया कि मिलिट्री इंटेलिजेंस यूनिट और जिला आसूचना इकाई मुजफ्फरपुर की ओर से मिली गुप्त सूचना के आधार पर अहियापुर थाना की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बैरिया बस स्टैंड स्थित भोला होटल के निकट से अवैध हथियार और कारतूस के साथ अपराधी मुन्ना कुमार त्रिवेदी को गिरफ्तार किया। आपराधिक इतिहास खंगाल जा रहा है।

दाखिल खारिज को लेकर नए बदलाव जानना जरूरी

विभाग का आदेश-आवेदनों को अस्वीकृत करने से पहले आवेदक के पक्ष की सुनवाई होगी

किशनगंज, एजेंसी। दाखिल खारिज आवेदन को अस्वीकार करने से पूर्व आवेदक के पक्ष की सुनवाई करने को भी अब सुनिश्चित किया जायेगा। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल के निर्देश पर विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने सभी प्रमंडलीय आयुक्त एवं समाहर्ता को आदेश जारी किया है।

जारी आदेश के मुताबिक दाखिल खारिज आवेदनों की समीक्षा के क्रम में यह ज्ञात हुआ है कि इन आवेदनों पर कर्मचारी द्वारा किसी भी प्रकार की आपत्ति लगाने पर बिना आवेदक का पक्ष सुने अंचल अधिकारी, राजस्व अधिकारी द्वारा दाखिल खारिज अस्वीकृत हो जाता है। इसके बाद आवेदक को उसकी अपील में भूमि सुधार उप समाहर्ता के न्यायालय में जाना पड़ता है जबकि कई बार कोई दस्तावेज अपठनीय रहने अथवा प्रासंगिक दस्तावेज छूट जाने के कारण भी आवेदन में आपत्तियां लगायी जा सकती है। आदेश में आगे कहा गया है कि दाखिल खारिज की संपूर्ण प्रक्रिया अधिनियम के तहत प्रावधिक है एवं इस अधिनियम में सुनवाई एवं साक्ष्य दोनों के प्रावधान दिये हुए हैं। मालूम हो की इस आदेश के आने के बाद राज्य के जमीन मालिकों को राहत मिलेगी और उनके समस्याओ का समाधान होगा। आदेश जारी होने की सूचना मिलने के बाद लोग डॉ दिलीप कुमार जायसवाल की सराहना कर रहे है।

ठोस कारण बताना होगा: आदेश में कहा गया है कि दाखिल-खारिज का आवेदन अगर एक बार अस्वीकृत हो जाता है, तो आवेदक को इसकी अपील भूमि सुधार उपसमाहर्ता के न्यायालय में करनी पड़ती है। जबकि, कई बार कोई दस्तावेज अपठनीय रहने या प्रासंगिक दस्तावेज छूट जाने के कारण भी आवेदन में आपत्तियां लगाई जा सकती हैं। यानी छोटे-मोटे या बिना किसी ठोस कारण के आवेदन को अस्वीकृत नहीं करेंगे। अधिकांश मामलों में देखा जाता है कि अंचल स्तरीय अधिकारी बिना आवेदक का पक्ष जाने आपत्ति लगा कर आवेदन अस्वीकृत कर देते हैं। प्राकृतिक न्याय के दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि किसी भी मामले को अस्वीकृत करने से पहले संबंधित याचिकाकर्ता को आपत्ति की सूचना देते हुए उन्हें अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाए।

जिम्मेदारी तय : दाखिल-खारिज अधिनियम के अनुसार, यदि अंचल अधिकारी, कर्मचारी और अंचल निरीक्षक जमीन के दस्तावेज की जांच से संतुष्ट नहीं हैं, तो वह इसकी जांच कर अपना निष्कर्ष लिखेंगे। इसके बाद संबंधित पक्षों को सुनवाई एवं साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाएगा। इसके बाद भी अगर दस्तावेज अधूरे या गलत पाए जाते हैं, तो सीओ सभी संबंधित आधार का उल्लेख करते हुए किसी आवेदन को अस्वीकृत करेंगे।

अंचलों में लाखों आवेदन लंबित

पूरे राज्य में दाखिल खारिज के 7.44 लाख आवेदन लंबित पड़े हुए हैं। पटना, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण, दरभंगा, कटिहार, गया, समस्तीपुर, सहरसा, रोहतास, पूर्णिया, सीतामढ़ी, वैशाली, पश्चिम चंपारण, सारण, नवादा, किशनगंज, भोजपुर, भागलपुर समेत अन्य जिलों में लंबित आवेदनों की संख्या अधिक है।

डोमचांच भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा महेशपुर चौक में किया गया पथ सभा

रांची एक्सप्रेस संवाददाता डोमचांच लोकसभा चुनाव में कोडरमा सीट से भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी की जीत सुनिश्चित करने को लेकर भाजपा के सभी कार्यकर्ता सभी जगह में संपर्क कर रहे हैं इस कड़कती धूप में भी भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने के लिए लोग नुक्कड़ सभा कर आगामी चुनाव 20 तारीख को वोट देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करना है जिसमे जनसंपर्क अभियान चलाया गया। लोगों ने आश्वासन दिया कि अबकी बार 400 पार का नारा साबित करके दिखाना है लोगों ने कहा कि हम लोगों ने निश्चय किया है की फिर से मोदी सरकार को प्रधानमंत्री बनाना है। पहले मतदान फिर जलपान 20 तारीख को हम सभी लोग एक मत होकर वोट देकर मोदी सरकार को फिर से दिल्ली में प्रधानमंत्री बनाना है।जनसंपर्क अभियानप्रदेश कार्य समिति सदस्य नीतीश चंद्रवंशी, जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह, जिला मंत्री शशि भूषण प्रसाद, पूर्व जिला मंत्री सुनील कुमार सिन्हा, भाजपा नेता अखिल सिन्हा ,पूर्व नगर अध्यक्ष प्रभाकर लाल रावत, नगर प्रभारी विनय मोदी, संजय मेहता, सुजीत मेहता, सुदेश मोदी, नगर अध्यक्ष मुकेश कुमार नगर, महामंत्री कुलदीप राम और नीलकंठ मेहता, संजीव राज, मनोज मेहता, रामकिशुन सुंडी, प्रकाश मेहता, जिला अध्यक्ष कामिनी देवी, रणविजय सिंह, डोमचांच ग्रामीण महामंत्री सुनील भारती, सुरेश विश्वकर्मा रेखा भारती, कुसुम देवी, राधा देवी, सुनीता देवी, संगीता देवी,प्रकाश पोद्दार सहित दर्जनों बीजेपी समर्थक कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

13 दिवसीय सर्फ साबुन,फिनाइल बनाने एवं 30 दिवसीय वस्त्र निर्माण करने का प्रशिक्षण शुरू

गांव की महिलाएं आत्मनिर्भर बनेगी तभी होगा देश विकसित :- निवास कुमार

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया :- बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा संचालित चेचाई स्थित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में 13 दिवसीय सर्फ साबुन,फिनाइल बनाने एवं 30 दिवसीय सिलाई करने का प्रशिक्षण शुरू हुआ। जिसका उद्घाटन अग्रणी जिला प्रबंधक निवास कुमार एवं प्रशिक्षण के लिए आई हुई महिलाओं ने किया। पिछले साल की तुलना में इस वर्ष प्रशिक्षण लक्ष्य 790 से बढ़ाकर 1100 कर दिया गया है।ताकि ज्यादा से ज्यादा कोडरमा वासी को रोजगार से जोड़ा जा सके। इस वित्तीय वर्ष में वस्त्र निर्माण एवं सर्फ, साबुन, फिनाइल बनाने के अलावा ब्यूटी पार्लर प्रबंधन,फ़ास्ट फूड उद्यमी स्टाल,मुर्गी पालन,बकरी पालन,गाय पालन और वर्मी कम्पोस्ट निर्माण,कस्टम ज्वैलरी उत्पाद, मोबाइल फोन रिपेयरिंग,दो पहिया वाहन मरम्मती,बांस बंबू उत्पाद आदि का प्रशिक्षण कार्यक्रम इस सत्र में किया जाना है। साथ ही जिन प्रतिभागी को पैसे की जरूरत है काम शुरुआत करने के लिए उनको बैंक के मदद से लोन भी मुहैया करवाया जाएगा। ज्ञात हो की यह प्रशिक्षण जिले के लोगों के लिए आवासीय सुविधा के साथ खाने एवं रहने का इंतजाम पूर्णतः मुफ्त है। मौके पर दुमका से आए हुए प्रशिक्षक कृत्यानंद राय,पूर्वी सिंहभूम से रखाहरी महतो एवं सिलाई की प्रशिक्षक सविता कुमारी, आरसेटी से उज्ज्वल तिवारी, पवन कुमार,मंजीत कुमार,रीना कुमारी एवम प्रशिक्षण के लिए जिले के अलग-अलग प्रखंड से आए हुई महिलाएं रुखसार परवीन, सोनिया देवी,ऊषा देवी,आरती कुमारी आदि उपस्थित थी।

जयनगर एवं परसाबाद मंडल भाजपा कार्यालय का किया गया उद्घाटन

रांची एक्सप्रेस संवाददाता जयनगर प्रखंड अंतर्गत जयनगर बाजार में एवं पिपचो त्रिलोकी सीमेंट सेंटर के बगल में अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर कार्यालय का उद्घाटन केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सह कोडरमा सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत्त पूजा अर्चना कर नारियल फोड़कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान लोगों ने नारा लगाया एक बार फिर मोदी सरकार। अबकी बार 400 पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया की झारखंड में 14 सीट पर भाजपा का परचम लहराने का संकल्प लिया। सभी कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी ग्रामवासी नरेंद्र मोदी जिंदाबाद अन्नपूर्णा देवी जिंदाबाद के नारे लगाते हुए देखे गए। उद्घाटन के दौरान उपस्थित विधायक अमित कुमार यादव लोकसभा प्रभारी रामचंद्र सिंह, जयनगर मंडल अध्यक्ष रामदेव मोदी परसाबाद मनराज अध्यक्ष विजय राणा जिला परिषद केदारनाथ यादव, मंत्री सुधीर सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष बिंदेश्वरी प्रसाद बिहार भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व प्रमुख जयप्रकाश राम, मंडल मंत्री महेश रजक भाजपा किसान मोर्चा कोषाध्यक्ष सुरेंद्र भाई मोदी वीरेंद्र स्वर्णकार पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश यादव, रिटायर्ड शिक्षक सुरेंद्र मोदी रिटायर्ड डीएसपी राम शरण यादव कुमकुम देवी,महेश पांडे जमुना यादव, सांसद प्रतिनिधि महेंद्र राणा कविता कुमारी विनोद यादव दीपक सिंह शशिकांत चौधरी, दिलीप यादव, हीरामन साव, विजय पंडित पंचायत समिति सदस्य धनेश्वर राणा त्रिलोकी यादव धनेश्वर राणा सरजू यादव विजय यादव राजेंद्र सिंह सदानंद सिंह मनोज दास पंडित गोविंद पांडे धनेश्वर यादव, लक्ष्मण पंडित चंदन मोदी चंदन पासवान रामजी मोदी मीणा साव, भाजपा के सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

ऐ वन केक प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया गया

रांची एक्सप्रेस संवाददाता जयनगर प्रखंड अंतर्गत पंचायत कटिया झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक पंजाब नेशनल बैंक के समीप ए वन केक नए दुकान का उद्घाटन कटिया मुखिया प्रतिनिधि हिंद किशोर राम एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता जिला उपाध्यक्ष बिंदेश्वरी प्रसाद बिहारी एवं पंचायत समिति प्रतिनिधि दुलारचंद पासवान के हाथों विधिवत पूजा अर्चना कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया गया। प्रोपराइटर मंटू कुमार साव, अनुज कुमार सिंह एवं चंदन कुमार ने बताया कि इस क्षेत्र में वेजीटेरियन केक का दुकान एक भी नहीं था। इसलिए इस क्षेत्र के लिए एक नई सौगात के रूप में इस दुकान का उद्घाटन किया गया ताकि छोटे-छोटे बच्चों के साथ महिलाएं भी अपनी इच्छा अनुसार केक खरीद सके। हमारे इस प्रतिष्ठान में सभी प्रकार के वेजीटेरियन के उपलब्ध है एवं शादी पार्टी जन्मदिन एनिवर्सरी के लिए भी सभी तरह के केक उपलब्ध है। उद्घाटन उपस्थित प्रोपराइटर की माता सुदामा देवी श्रीकांत प्रसाद संतोष साव, विवेक गुप्ता पिंटू गुप्ता धीरेंद्र गुप्ता विकास ठाकुर महेश राम विक्रम भदानी हीरामन साव, शिक्षक दीपक दास दीपक सोनकर राजेंद्र सिंह एवं काफी संख्या में ग्रामीण महिला बच्चे बूढ़े उपस्थित थे।

महागठबंधन ने चलाया जनसंपर्क अभियान

रांची एक्सप्रेस संवाददाता डोमचांच शुक्रवार को महा गठबंधन प्रत्याशी बिनोद सिह ने राजद के वरिये नेता पूर्व मुखिया प्रत्यशी महेश यादव, राजद जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद मुबारक जिला महासचिव रघुनाथ चलाये जन सम्पर्क अभियान खरकोटा पंचायत अंतर्गत ग्राम गोलवाढाब, बुचीटांड़ बिरजामु, बंदौता, कोलगरमा, खरकोटा, ढेबुआडीह जिला महासचिव रघुनाथ जी ने बताया की जनता का मिल रहा अपार समर्थन लोगो के बिच पूर्व सांसद अनपूर्णा देवी से काफी लोग नराज है जनता का कहना हैं की हमलोग पूर्व मे भी अनपूर्णा को तीन बार राजद से विधायक बनाया लेकिन जनता का कोई काम नही कर के

अपना सम्पति बनाने का काम किए ओर जब बीजेपी की ओर से दबाब मिला तो राजद छोड़ बीजेपी मे शामिल हो गये ओर जब हमलोग फिर से अनपूर्णा जी को सांसद बनाया तो वह अपना सम्पति को सुरक्षिज करने मे ही पांच साल समय बिता दिया या ना की जनता के लिए कोई कल खरखाने खुलवाने का या ढिबरा क्रेक्सर का कोई बात नही किये इस लिए जनता का कहना हैं हमलोग बदलाव के मुंड मे है इससे यह साबित हो रहा हैं की इस बार इंडिया गठबंधन प्रत्यासी बिनोद सिह का जीत सुनश्चित है जनसम्पर्क मे शामिल राजेंद्र यादव, राजेश यादव, प्रकाश यादव अनिल यादव, सहदेव अंसारी, सलिम अंसारी, सुरज कुमार, जमुना यादव एवं गाँव के अनेको लोग मौजूद थे कोडरमा अभ्रक नगरी होने के बावजूद भी यहां के लोग पलायन कर दूसरे जगह काम करने के लिए मजबूर हो रहे हैं ।

पपलो में इंडिया महागठबंधन के द्वारा जनसम्पर्क अभियान चलाकर किया गया बूथ कमिटी का गठन

रांची एक्सप्रेस संवाददाता मरकच्चो कोडरमा लोकसभा के इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी विनोद कुमार सिंह को जीत दिलाने को लेकर मरकच्चो प्रमुख विजय कुमार सिंह की अध्यक्षता और ग्रामीण कार्यकर्ता लालू यादव और उपेंद्र यादव के देख रेख में चलाई गई जन सम्पर्क अभियान। वहीं इस दौरान पपलो पँचायत की दर्जनों जनता ने बताया की एक छोटा सा समस्या मरकच्चो से कर्माधाम के पथ निर्माण कार्य का आश्वासन देकर आज दस वर्षों से हम ग्रामीणों को ठगा जा रहा है और आज तक वह कार्य नहीं किया गया। और बिकाश कार्य करने के बजाय आया हुवा फंड वापस करदिया गया जो स्पस्ट है। इस वजह से हम सभी ग्रामीण जनता बिल्कुल साइलेंट और चुपी साधे हुवे है। उम्मीद करते हैं कि इस बार बिनोद सिंह जैसे ईमानदार नेता को भारी बहुमत से झंडे में तिनतारा छापपर बटन दबाकर जिताएंगे तो यह निर्माण

कार्य के साथ साथ हमारा ग्राम पंचायत का काफी बिकास होगा। इसी उम्मीद और बिश्वास के साथ हम ग्रामीणों ने ठाना है। कि किसी भी हाल में बिनोद सिंह को सांसद बनाना है। वहीं डोर टू डोर इस जन सम्पर्क अभियान के पश्चात उत्क्रमित मध्य विद्यालय पपलो के समीप बूथ कमिटी का गठन किया गया। जहां इंद्रदेव यादव, रामदेव पासवान, सुभान अली, मुश्लिम अंसारी, शीतल यादव, चंद्रदेव यादव , धनन्जय पासवान, अल्लाउद्दीन अंसारी, बिकाश यादव, अफजल अंसारी राजेश यादव, उपेंद्र यादव , महेश यादव , संदीप यादव , शिव शंकर यादव, अनिल यादव , चितरंजन यादव, छत्रधारी यादव, बिल्तु यादव, इशाक मियां, कामेश्वर यादव समेत दर्जनों कार्यकर्ताओं का चयन बूथ मेंबर के रूप में किया गया, वहीं इस मौके पर प्रखंड संरक्षक सह प्रमुख विजय कुमार सिंह, प्रखंड सह संयोजक दिवाकर तिवारी, बहादुर यादव, मनिन्दर राम, अशोक यादव , भुनेश्वर प्रसाद यादव, अफजल अंसारी, बिसूत्री अध्यक्ष रविशंकर सिंह, कैलाश यादव , भुनेश्वर यादव, बालेश्वर यादव, बबलू यादव, लालू यादव समेत सैकड़ों गठबंधन नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

पार्षद पिंकी जैन ने भाजपा उम्मीदवार अन्नपूर्णा देवी के लिए घर-घर जाकर मांगी वोट

रांची एक्सप्रेस संवाददाता झुमरी तिलैया, समाजसेवी भाजपा नेत्री पार्षद पिंकी जैन शहर के गली मोहल्ले घरों में जाकर कोडरमा लोकसभा की भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी को कमल फूल निशान पर वोट देकर एक बार फिर ऐतिहासिक जीत दिलाने की अपील कर रही है। पिंकी जैन ने कहा कि कोडरमा के भविष्य और देश की तरक्की के लिए नरेंद्र मोदी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनाना है इसलिए आप सभी जागरुक होकर राष्ट्रहित में भाजपा को मतदान करें। देश उन्हीं के हाथों में सुरक्षित है । अन्नपूर्णा देवी के कार्यकाल में पूरे कोडरमा संसदीय क्षेत्र में शिक्षा सड़क स्वास्थ्य रेलवे मे ऐतिहासिक कार्य हुए हैं, बिजली पानी संबंधित विकास के कई कार्य प्रगति पर है । आने वाले दिनों में बाकी सभी काम पूरे होंगे यह पूर्ण विश्वास है इसलिए अपने भविष्य के इस चुनाव में चूकना नहीं है 20 मई को ईवीएम मशीन के एक नंबर पर कमल फूल निशान पर वोट देकर अन्नपूर्णा देवी को एक बार फिर ऐतिहासिक जीत दिलानी है इस मौके पर पार्टी के कार्यकर्ता गोपाल सिंह राजेश वर्मा वीरेंद्र पंडित रवि भदानी रंजीत कुमार राकेश सिंह टिंकू चंद्रवंशी अमित कुमार विकास कुमार गिरिजा देवी आदि लोग उपस्थित थे।

कोडरमा पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का किया भंडाफोड़, पांच अभियुक्त गिरफ्तार

रांची एक्सप्रेस संवाददाता कोडरमा पुलिस अधीक्षक, कोडरमा को गुप्त सूचना के आधार पर तिलैया थाना काण्ड संख्या-102/2024, दिनांक-04.05.2024 धारा-379 भा0द0वि0 के आप्राथमिकी अभियुक्त विशाल कुमार राम, पे0-संतोष राम, पता-लेंगरापीपर, थाना-डोमचांच, जिला-कोडरमा के घर पर छापामारी कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। जिसके निशानदेह पर तिलैया एवं अन्य थाना के मोटरसाईकिल चोरी से संबंधित कई काण्डों का उद्भेदन हो पाया। छापामारी के क्रम में डोमचांच जंगल एवं गझंडी जंगल से चोरी के 05 मोटरसाईकिल को बरामद किया गया एवं मोटरसाईकिल चोरी के विभिन्न काण्डों के 04 अन्य अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में विधि-सम्मत आवश्यक कार्रवाई की गई । गिरफार अभियुक्त में 1. विशाल कुमार राम, पे0-संतोष राम, पता लेंगरापीपर, थाना-डोमचांच, जिला-कोडरमा। 2. सुमित कुमार, पिता-दीपक राम, पता लेंगरापीपर, थाना-डोमचांच, जिला-कोडरमा। 3. विक्की कुमार, पिता-रघु राम, पता लेंगरापीपर, थाना-डोमचांच, जिला -कोडरमा। 4.अमित कुमार, पिता -लालो साव, सा0-गझंडी, थाना- डोमचांच, जिला-कोडरमा। 5. प्रेम चंद, पिता-प्रकाश चौधरी, सिकोडीह, थाना-मुफ्फसिल, जिला-गिरिडीह है।

मारपीट करने के आरोपी को 10 वर्ष सश्रम कारावास 10000 जुर्माना भी लगाया

रांची एक्सप्रेस संवाददाता कोडरमा– घर में घुस मारपीट कर गंभीर रूप से घायल किए जाने के एक मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ राकेश चंद्रा की अदालत ने शुक्रवार को करू तुरी पिता स्वर्गीय काली तुरी ग्राम - लालगढ़, मरकचो, जिला कोडरमा निवासी को 307 आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही ?10000 जुर्माना लगाया। जुर्माना की राशि नहीं देने पर 6 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। मामला वर्ष 2018 का है। इसे लेकर मरकचो थाना कांड संख्या 73/2018 एवं स्क्ष- 32/2020 दर्ज किया गया था।

अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक पीपी एंजेलिना वारला ने किया। इस दौरान सभी 8 गवाहों का परीक्षण कराया गया । लोक अभियोजक पीपी एंजेलिना वारला ने कार्रवाई के दौरान अपराध की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय से अभियुक्त को अधिक से अधिक सजा देने का आग्रह किया। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता दशरथ यादव एवं अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद यादव ने दलीलें पेश करते हुए बचाव किया। अदालत ने सभी गवाहों और साक्षयो का अवलोकन करने के उपरांत अभियुक्त कारू तुरी को दोषी पाते हुए सजा तय कीया और जुर्माना लगाया। वही न्यायालय ने अन्य 10 आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में रिहा कर दिया। इसे लेकर हीरा तुरी,ग्राम लालगढ़ मरकचो, जिला कोडरमा निवासी ने थाना को दिए बयान में कहा था की वह घटना के दिन अपने घर में बैठा था,। इसी दौरान कारू तुरी, मनोज तुरी, अर्जुन तुरी, राजकुमार तुरी, अरुणा देवी सहित कुल 11 लोग नाजायज मजमा बनाकर उसके घर में घुस आए और उसके साथ मारपीट करने लगे। इसी दौरान कारू तुरी जो अपने हाथ में तलवार लिए हुए था, तलवार से उसके पीठ पर मार दिया जिससे उसकी पीठ पूरी तरह कट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया और अन्य लोगों ने भी उसके साथ मारपीट किया। इस दौरान उसका छोटा लड़का उसे बचाने आया तो उसे भी उन लोगों ने मार कर घायल कर दिया। हल्ला सुनकर आसपास के ग्रामीण जब आए तब जाकर उनकी जान बची। पुलिस ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा । जहां उसका इलाज किया गया। हीरा तुरी ने पुलिस से आरोपियों पर उचित कार्रवाई करने की गुहार लगाई थी।

भावराही पहाड़ के पास मिली नरकंकाल की हुई पहचान

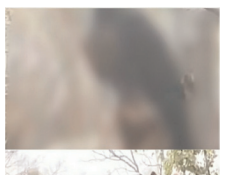

छतरपुर पलामू पलामू जिला के छतरपुर में आज सुबह जपला रोड मे टुई पहाड़ी के बगल में भवराही पहाड़ी के पास कुछ स्थानीय युवक द्वारा एक लड़की का नरकंकाल देखा गया। देखे जानें के तुरंत बाद छतरपुर पुलिस को सूचना दिया गया।मौके पर छतरपुर थाना प्रभारी राजेश रंजन घटनास्थल पर पहुंच कर नरकंकाल को अपने कब्जे मे ले लिया।थाना प्रभारी राजेश रंजन ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से नरकंकाल को पहचान किए जो खेन्द्रा खुर्द के खुशी कुमारी (17) वर्ष के रूप मे हुई।थाना प्रभारी राजेश रंजन ने बताया की उसके परिजनों से पूछ ताछ करने के बाद यह पता चला की मृतक खुशी कुमारी मानसिक रूप से बीमार थी जिसका इलाज स्थानीय डॉक्टर से करवाया जा रहा था पहले भी कई बार घर से भाग गई थी जो खोजने पर मिल चुकी थी लेकिन इस बार 20 दिन पहले जब खुशी घर से गायब हुई तब परिजनों ने अपने रिस्तेदार और लोकल क्षेत्र मे खोज बिज किया लेकिन खुशी नही मिली और आज उसका नरकंकाल पहाड़ी मे मिला।

अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा ने परशुराम जन्मोत्सव का किया आयोजन

रांची एक्सप्रेस संवाददाता झुमरी तिलैया अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा राष्ट्रीय के द्वारा परशुराम जन्मोत्सव माहुरी धर्मशाला झुमरी तिलैया में मनाया गया। भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम की जयंती के अवसर पर मुख्य रूप से कोडरमा विधायक डॉक्टर नीरा यादव, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष शालिनी गुप्ता एवं अभिमन्यु प्रसाद उपस्थित हुए। यजमान अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के जिला अध्यक्ष अनूप जोशी एवं नीलम जोशी पुरोहित पंडित मुरारी मिश्रा, संजय बनर्जी, दिवाकर मिश्रा ने भगवान परशुराम की पूजा

अर्चना विधि विधान से करायी। नीरा यादव ने कहा कि भगवान परशुराम भगवान विष्णु के छठे अवतार थे इन्होंने धर्म की रक्षा को ही अपना मूल उद्देश्य समझा और समाज में धर्म की स्थापना किए। अनूप जोशी ने कहा भगवान परशुराम का जन्म भृगु कुल में हुआ था। यह भगवान विष्णु के छठे अवतार थे और यह चिरंजीवी है, इन्हीं के शिष्य गुरु द्रोणाचार्य, और कर्ण थे। यह शास्त्र और शास्त्र दोनों विद्या में पारंगत थे ।हम ब्राह्मण समाज उनकी जयंती को धूमधाम से मनाते हैं।जयंती में उपस्थित उपेंद्र दुबे, हृदय नन्द मिश्रा, डॉ आर के दीपक,चंद्रशेखर जोशी, मनोज सहाय, मनोज चंद्रवंशी, रमाकांत शर्मा, दिनेश मिश्रा,पंकज दुबे, मनोज जोशी, राजेश शर्मा, जय गौपाल पांडेय, अनिल गुरु ,प्रियदर्शी हर्देश बिहारी , सुधांशु पांडे सतीश प्रकाश द्विवेदी, विजय पांडेय, लाला जोशी, विवेक सहल, धीरज जोशी, सज्जन शर्मा अजय शर्मा उमेश जोशी, चुन्ना शर्मा,केशव जोशी, पियूष सहल,वैभव जोशी, जूही दास गुप्ता, सुषमा सुमन, सुनीता द्विवेदी, सुजाता जोशी, पिंकी जैन, मुकेश चंद्रवंशी,राम जी शुक्ला,वीरेंद्र सिंह, देवनारायण मोदी, शिवेंद्र नारायण सिन्हा, विजय यादव, दिनेश सिंह, नरेन्द्र पाल,अमर सिंह ,राजेश सिन्हा, नवीन चौधरी, पवन सिंह, प्रभाकर लाल रावत, राजेश सिंह, शशि भूषण प्रसाद, विजय राम , सुषमा सुमन,प्रदीप सुमन, नवीन जैन, कुन्दन पांडेय, आदित्य पांडेय, भरत नारायण पाण्डेय, कुंज बिहारी द्विवेदी,अजय झा, आत्मा नन्द पाण्डेय, प्रभाकर पाण्डेय, गणेश मजुमदार, अनुराग गुरु,दीप बनर्जी,आदि सैकड़ो भक्त परशुराम जयंती में उपस्थित हुए।

बढ़ा सियासी तापमान, शाह-योगी की होंगी सभाएं

पीएम का रोड शो प्रस्तावित, दिखेगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी

रायबरेली , एजेंसी। रायबरेली लोकसभा सीट आने वाले दिनों में देश की सबसे हॉट सीट होने जा रही है। भाजपा और इंडिया गठबंधन दोनों ही यहां अपनी पूरी ऊर्जा लगाने जा रहे हैं। 40 डिग्री से ऊपर तापमान के बीच कांग्रेस चुनावी रण में उतरकर माहौल बना रही है। इसमें राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी हर विधानसभा क्षेत्र में जनता के बीच जाकर गांवों की खाक छानकर भाई राहुल गांधी के लिए वोट मांग रही हैं। कांग्रेस के बाद अब फायर ब्रांड नेताओं के जरिए भाजपा सियासी तपिश बढ़ाने की तैयारी में है। भाजपा जातीय समीकरण साधने के लिए उसी जाति के मंत्रियों को भी मैदान में उतार रही है। संसदीय सीट रायबरेली में भाजपा, कांग्रेस-सपा गठबंधन और बसपा प्रत्याशी मैदान में हैं, लेकिन भाजपा और गठबंधन के बीच सियासी गर्मी रोज बढ़ रही है। 20 मई को होने वाले मतदान को लेकर यह दल ताकत लगाए हैं। भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह के लिए गृहमंत्री अमितशाह 12 मई को आएंगे और शहर के राजकीय इंटर कॉलेज मैदान

में जनसभा को संबोधित करेंगे। 13 मई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आएंगे और लालगंज के ऐहार में जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी भाजपा यहां लाकर रोड शो कराने की तैयारी में है। ऐसा भी हो सकता है कि अमेठी और रायबरेली की संयुक्त जनसभा भी कराई जाए। अभी तक इस पर मोहर नहीं लग सकी है। भाजपा से अब तक जातीय समीकरण के हिसाब से प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी व कई और मंत्री यहां आ चुके हैं और आगे भी आएंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष बुद्धीलाल पासी ने बताया कि गृहमंत्री और मुख्यमंत्री का कार्यक्रम आ गया है। कांग्रेस-सपा गठबंधन से अभी प्रियंका गांधी चुनावी रण में उतरी हैं। छह मई को भुएमऊ में बैठक के बाद से वह रात में संगठन की बैठक करती हैं और दिन में विधानसभा क्षेत्र में प्रचार के लिए उतरती हैं। 10 मई को प्रियंका अमेठी संसदीय क्षेत्र के सलोन विस क्षेत्र में प्रत्याशी केएल शर्मा के लिए मैदान में उतरेंगी। गठबंधन से राहुल गांधी और अखिलेश यादव की संयुक्त जनसभा होनी है।

राहुल-अखिलेश की संयुक्त सभा

गठबंधन की जनसभा की तैयारी सपा के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने बताया कि राहुल गांधी और अखिलेश यादव की संयुक्त जनसभा होनी है, लेकिन अभी स्थान तय नहीं है। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने बताया कि राहुल गांधी 13 मई को आ सकते हैं। बसपा के जिलाध्यक्ष बालकुमार गौतम ने बताया कि अभी किसी बड़े नेता का कार्यक्रम नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

अनोखी पहल

रामनाम की पूंजी वाले बैंक को गिनीज बुक में दर्ज कराने की तैयारी

1970 में शुरू हुआ था बैंक

अयोध्या , एजेंसी। रामनाम की पूंजी वाले अयोध्या के अनोखे बैंक को अब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करवाने की कवायद शुरू की गई है। यह अनोखा इसलिए है क्योंकि इस बैंक में धन-दौलत नहीं, बल्कि राम नाम की पूंजी जमा होती है। अंतरराष्ट्रीय श्री सीतारामनाम बैंक की स्थापना 54 साल पहले वर्ष 1970 में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास ने की थी।

रामभक्त अपना खाता खुलवाने के बाद यहां से मिलने वाली कॉपी में सीताराम लिखकर जमा करते हैं। इसकी बाकायदा पासबुक में एंट्री की जाती है। बैंक के प्रबंधक पुनीत रामदास का दावा है कि एशिया में यह सबसे बड़ा रामनाम बैंक है। बैंक में 35 हजार से अधिक खाते हैं और इसकी विदेश में भी 136 शाखाएं हैं। यहां जो पासबुक दी जाती है, उनमें सभी पृष्ठों पर सीताराम लिखा हुआ है। बैंक में भक्तों की ओर से दान की गई 20 हजार करोड़ सीताराम लिखी पुस्तिकाओं का संकलन है। यूं कहें कि बैंक में 20 हजार करोड़ राम नाम की पूंजी जमा है। इन खासियतों की वजह से मणिराम दास छावनी ट्रस्ट की ओर से बैंक का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड में दर्ज कराने के लिए आवेदन किया गया है। पुनीत रामदास ने बताया कि बैंक की ओर से मुफ्त पुस्तिका और लाल पेन दिया जाता है। प्रत्येक खाते का हिसाब भी रखा जाता है। बैंक में खाता खोलने के लिए कम से कम पांच लाख बार सीताराम लिखना पड़ता है। फिर एक पासबुक जारी की जाती है। खाताधारक डाक से भी पुस्तिकाएं भेजते हैं, जिसका बही-खाता बैंक में सुरक्षित रखा जाता है।

गर्मी बरकरार..बादलों ने गिराया तापमान, न्यूनतम पारा 26 डिग्री, गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना

मुरादाबाद , एजेंसी। मुरादाबाद में तेज धूप की वजह से गर्मी बेहाल कर रही है। हालांकि बादलों की आवाजाही की वजह से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को भी बादल छाने का अनुमान व्यक्त किया है। सुबह तेज धूप निकली थी। दोपहर में धूप की तपिश की वजह से गर्मी से लोग परेशान हो रहे थे। हालांकि बीच-बीच में आंशिक रूप से बादल

छा रहे थे। मौसम विज्ञान विभाग के डाटा संग्रह अधिकारियों के अनुसार तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा। यह तापमान सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक है। हवा में नमी होने की वजह से सुबह वातावरण में नमी 60 फीसदी थी, जो शाम को 43 फीसदी रही। हवा की गति 15 से 20 किलोमीटर प्रति घंटा रही। पंतनगर विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. आरके सिंह का कहना है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ जनपदों में तेज हवा, गरज-चमक के साथ बारिश हो रही है। इसकी वजह से मौसम में बदलाव आया है। यही कारण है कि वहां से आने वाली नमी भरी हवा से मुरादाबाद और आसपास के क्षेत्रों के तापमान पर भी असर पड़ रहा है।

हाईकोर्ट की टिप्पणी : एफआईआर के लिए कोर्ट को नहीं, एसपी या मजिस्ट्रेट को दें प्रार्थना पत्र

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि पुलिस मुठभेड़ में हत्या के आरोप मामले में आरोपी पुलिस पर एफआईआर के लिए अदालत का दरवाजा न खटखटाकर पहले एसपी या मजिस्ट्रेट को प्रार्थना पत्र दें। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ व न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह प्रथम की पीठ ने मथुरा की मुन्नी की ओर से पुलिस मुठभेड़ में बेटे की मौत को फर्जी बताते हुए दोषी पुलिस अफसरों पर एफआईआर दायर करने के मामले में अदालत से गुहार पर कहा, आरोपी पुलिस अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज कराने के लिए एसपी या मजिस्ट्रेट के यहां प्रार्थना पत्र देना चाहिए। इसके लिए याचिका दायर करना ठीक नहीं है। मामले में मथुरा की मुन्नी के बेटे फारुख की पुलिस ने एक मुठभेड़ में हत्या कर दी। मुन्नी ने इसे फर्जी बताते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआई तथा राज्य सरकार की मान्यता प्राप्त संस्था से जांच कराने की मांग की थी।याची की ओर से पक्ष रखते हुए अधिवक्ता अमित खन्ना व जेके खन्ना ने कहा, याची के बेटे को डकैती और हत्या के झूठे मामले में फंसाया गया था।

पुलिस ने उसे फर्जी मुठभेड़ में मार डाला। वहीं जब याची ने पुलिस की कथित मुठभेड़ में बेटे की हत्या के बारे में पुलिस अफसरों के खिलाफ शिकायत दर्ज करानी चाही तो उसे दर्ज नहीं किया गया। अपर शासकीय अधिवक्ता ने

जवाबी हलफनामा दायर करके कहा, थाना-हाईवे जिला-मथुरा में हत्या तथा डकैती मामले में 2023 में मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान मोहसिन नाम के एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से लूटी गई रकम में से 2,10,000 रुपये, तीन कलाई घड़ियां, चांदी के सिक्के आदि बरामद किए।

156 (3) के तहत दिया जा सकता है प्रार्थना पत्र- मोहसिन का दोस्त फारुख भी इस मामले में शामिल था। सेठ कृष्ण कुमार के घर फारुख और उसके सह-अभियुक्त मोहसिन ने डकैती डाली थी। इसमें कृष्ण कुमार और उनकी पत्नी की हत्या कर दी गई। जब याची का बेटा फारुख, कृष्ण कुमार की इनोवा गाड़ी में लूटी गई नकदी और गहने लेकर भाग रहा था, तो पुलिस ने उसे चुनौती दी। इस पर उसने पुलिस पर गोली चलाई। पुलिस ने बचाव में उस पर गोली चलाई जिसमें उसकी मौत हो गई। गाड़ी से उसके कब्जे से लूटा गया सामान व नकदी बरामद की गई। साथ ही यह भी प्रस्तुत किया गया कि याचिकाकर्ता के मृत बेटे का आपराधिक इतिहास था। उच्च न्यायालय ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा, एफआईआर दर्ज न होने पर 154(3) के तहत एसपी के यहां प्रार्थना पत्र देना चाहिए। फिर भी एफआईआर दर्ज नहीं होती तो 156(3) के तहत मजिस्ट्रेट के पास प्रार्थना पत्र दिया जा सकता है। सीआरपीसी की धारा 200 के तहत आपराधिक शिकायत दर्ज करने का भी प्रावधान है। कोर्ट ने कहा, एफआईआर दर्ज कराने के इतने वैकल्पिक उपाय हैं तो याचिका पर विचार क्यों किया जाए। मामले में हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

दिव्या को इंसाफ की आवाज ने सरकार को भी झुका दिया था

- पुलिस से जांच लेकर सीबीसीआईडी को सौंपी गई थी

कानपुर , एजेंसी। करीब 13 साल पहले मासूम दिव्या के साथ स्कूल में हुई हैवानियत और उसके बाद हुई मौत ने सबको झकझोर कर रख दिया था। जांच के नाम पर पुलिस लीपापोती में जुटी थी। दिव्या को इंसाफ की आवाज लखनऊ और दिल्ली तक गूंजी तो प्रदेश सरकार को भी झुकना पड़ा था और मुख्यमंत्री ने सीबीसीआईडी को जांच के निर्देश दे दिए थे। जांच बदली तो मामला भी बदल गया। आखिर जेल भेजे गए एक बेकसूर रिक्शा चालक की रिहाई हुई और दोषी सलाखों के पीछे पहुंचा था। कोर्ट ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई थी। रावतपुर स्थित ज्ञानस्थली स्कूल में 27 सितंबर 2010 को रोज की तरह कक्षा छह की छात्रा दिव्या पढ़ने गई थी। दोपहर में अचानक स्कूल में दिव्या की हालत बिगड़ने पर स्कूल की चतुर्थ श्रेणी कर्मी माया, परवीन तथा लिपिक संतोष ऑटो से दिव्या को उसके घर के बाहर पड़ी चारपाई पर छोड़कर चले गए थे। उस समय दिव्या के घर पर कोई नहीं था। गंभीर हालत में पड़ोसी उसे पास के ही हॉस्पिटल ले गए, वहां से काकादेव स्थित अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद हैलट और फिर वापस कुलवंती अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने दिव्या को मृत घोषित कर दिया था। मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के तीन दिन बाद पुलिस ने स्कूल प्रबंधक चंद्रपाल और उसके पुत्र मुकेश को गिरफ्तार कर लिया था। घटना के लगभग एक सप्ताह बाद पुलिस ने रिक्शा चालक मुन्ना लोध को गिरफ्तार करते हुए मामले का खुलासा करने की बात कही लेकिन पुलिस की बनाई कहानी किसी के गले नहीं उतरी थी।

मां की मांग पर शुरू हुई थी सीबीसीआईडी जांच- दिव्या की मां सोनू भदौरिया ने स्कूल प्रबंधन पर आरोप लगाया और पुलिस की जांच पर संदेह जताते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए सीबीआई जांच की मांग की थी। मामला तूल पकड़ते देख तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती ने मामले की सीबीसीआईडी से जांच कराने के आदेश दे दिए थे।

जिला अस्पताल की इमरजेंसी मरीजों से भरी

बुखार-डायरिया के केस ज्यादा, एक बेड पर दो का हो रहा उपचार

मुरादाबाद , एजेंसी। यदि आप फील्ड में काम करते हैं या सफर कर रहे हैं तो बार-बार पानी पीते रहें और सिर पर सूती गमछा रखें। बाहर का खाने से भी बचें। गर्मी में जरा सी लापरवाही से आपको वायरल इन्फेक्शन, फूड पॉयजनिंग या डायरिया का सामना करना पड़ सकता है।

अस्पतालों में मरीजों का बढ़ता आंकड़ा यही कह रहा है। जिला अस्पताल की ओपीडी में रोज बुखार के 200 से ज्यादा मरीज पहुंच रहे हैं। जबकि भर्ती होने वालों का आंकड़ा भी 100 के पार है। जिला अस्पताल में 240 बेड हैं, जबकि 260 से ज्यादा मरीज भर्ती हैं। ऐसे में कुछ वार्डों में एक बेड पर दो मरीज भी भर्ती किए गए हैं। बच्चा वार्ड, जीरियाटिक वार्ड, मेडिसिन वार्ड, फीवर वार्ड तक सभी जगह मरीजों की भरमार है। ज्यादातर मरीज बुखार व उल्टी-दस्त की परेशानी वाले हैं। भर्ती करने के बाद इन्हें फ्लड चढ़ाया जाता है। डॉक्टरों का कहना है कि बाहर का तला-भुना खाने व गर्मी में सावधानी न बरतने से लोग बीमार पड़ रहे हैं। आने वाले दिनों में गर्मी व लू का प्रभाव बढ़ेगा। इसलिए अस्पताल में कोल्ड रूम भी तैयार किए गए हैं।

गर्मी में सिर्फ पानी नहीं, ओआरएस पीएं

फिजीशियन डॉ. विनीत तोमर का कहना है कि जो लोग धूप में फील्ड में काम करते हैं। खासकर डिलीवरी बॉय, मजदूर, रिक्शा चालक व अन्य, उन्हें अपने साथ पानी की बोतल रखनी चाहिए। पानी में इलेक्टरॉल या ओआरएस मिलाकर पीएं। इससे शरीर में डिहाइड्रेशन नहीं होगा। हर दिन नारियल पानी पीने से भी डायरिया से बचे रहेंगे। दही, छाछ व सलाद का इस्तेमाल भोजन के साथ करें।

खुलासे के बेहद करीब पुलिस, दो से ज्यादा हो सकते हैं हत्यारे, अब सामने आई चौंकाने वाली बात

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के खरखौदा में झांकी के कलाकार मनोज और मोंटी की हत्या में कई सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। पुलिस की जांच पड़ताल में सामने आया है कि दोनों युवकों की हत्या बेल्ट से गला दबाकर की गई है। दोनों के गले पर निशान मिले हैं। मौके पर एक बेल्ट भी पड़ी मिली। पुलिस के अनुसार क्राइम सीन से लग रहा है कि हत्यारोपियों की संख्या दो से ज्यादा रही होगी। हत्यारोपी कैली गांव के आसपास के ही हो सकते हैं। पुलिस ने मोबाइल नंबरों के आधार पर कई लोगों को हिरासत में लिया है। इनसे पूछताछ की जा रही है। जल्द ही इस मामले में खुलासा हो सकता है। परिजनों के मुताबिक मोंटी नरहाड़ा गांव से दोपहर दो बजे निकला था। मनोज बिजौली गांव से शाम चार बजे निकला, जबकि पौने छह बजे ग्रामीणों ने शव देखे हैं। बिजौली से कैली अंडरपास तक जाने में भी आधा घंटा लग ही जाता है। ऐसे में हत्याकांड को पांच बजे के करीब अंजाम दिया गया है। जहां वारदात हुई है कि वहां के बारे में जानकारी आसपास के व्यक्ति को ही हो सकती है, ऐसे में माना जा रहा है कि हत्याकांड को कैली गांव के आसपास के व्यक्ति ने अंजाम दिया है। पहले माना जा रहा था कि दोनों की हत्या कहीं दूसरी जगह करके यहां शव फेंके गए हैं। लेकिन जिस तरह से दोनों के पैर में चप्पलें मिली हैं, उससे लग रहा है कि वहीं पर हत्या की गई है।

कहीं दूसरी जगह हत्या होती तो चप्पल पैर से निकल सकती थी। हो सकता है कि हत्यारोपियों ने मोंटी को वहां पहले बुलाया हो, इसके बाद मोंटी से फोन कराकर मनोज को बुलाया गया हो। पुलिस की पांच टीमें इन सारे बिंदुओं पर जांच कर रही है। मोंटी और मनोज के पास से पहचान का कोई दस्तावेज नहीं मिला था। दोनों के बाल लंबे थे। एक का हेयरबैंड पास में पड़ा हुआ था। एक युवक के हाथ पर मेहंदी रची हुई थी, पैर में काले धागे बंधे हुए थे। पुलिस को मौके से एक मोबाइल बरामद हुआ। मोबाइल में लॉक लगा हुआ था। पुलिस ने सिम निकालकर दूसरे मोबाइल में डालकर देखा तो तीन नंबर उसमें सेव मिले। एक नंबर बिजौली गांव का था। उस नंबर पर कॉल करने पर पता चला कि ये नंबर मनोज का है। इसके बाद दोनों के परिजनों को सूचना दी गई। मनोज और मोंटी झांकी और जागरण में नाचने-गाने का काम करते थे। मनोज पार्वती और मोंटी शिव का किरदार निभाता था। दोनों पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी थी। मनोज के पिता नरेश मजदूरी करते हैं। मनोज का बड़ा भाई सनी है। माता निर्मला हैं। बहन बेबी की शादी हो चुकी है।

नूरपुर कांड: तीनों की मौत सिर में चोट से हुई, कभी इलाके का चर्चित कबड्डी खिलाड़ी था आरोपी अफजाल

अलीगढ़ , एजेंसी। टप्पल क्षेत्र के संवेदनशील गांवों की सूची में शामिल नूरपुर में 8 मई सुबह दिन निकलते ही तीन लोगों की हत्या से पुलिस महकमे में हलचल मच गई। मरने वालों में आरोपी और एक अन्य ग्रामीण के एक ही समुदाय के होने से पुलिस ने थोड़ी राहत महसूस की। कुछ समय पहले तक आरोपी की पहचान कबड्डी के अच्छे खिलाड़ी के रूप में थी।

फिलहाल गांव में एहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। जिस अफजाल पर दो लोगों की हत्या करने का आरोप लगा, उसके विषय में उजागर हुआ कि वह मानसिक रोगी था। परिवार उसे 8 मई सुबह ही इलाज के लिए दिल्ली ले जाने की तैयारी में था। मगर वह 7 मई रात एक बजे के बाद से अपने घर से लापता हो गया था। फिलहाल पोस्टमार्टम के बाद अफजाल के शव को परिजन साथ जेवर ले गए हैं। अब वे अंतिम संस्कार के बाद अपनी ओर से तहरीर दी जानी है या नहीं, इस पर निर्णय लेंगे।

अफजाल का गांव अलियाबाद मेहंदीपुर थाना जेवर गौतमबुद्धनगर क्षेत्र में आता है और वह अलीगढ़ जिले की सीमा से सटा हुआ है। अफजाल के चार बच्चे हैं, जिनमें बेटी शिमरन (8), जोया (5), नाजिया (2) और बेटा फैजान (4) है। छह भाई और दो बहनों में वह खुद दूसरे नंबर का था। मजदूर पेशा परिवार का अफजाल खुद भी मजदूरी करता था। कुछ समय से वह मानसिक रूप से बीमार हुआ। जिसका दिल्ली में उपचार भी चल रहा था। उसकी हरकतों के चलते परिवार ने उसको अलग कर दिया था। वह बच्चों के साथ अलग रह रहा था।

8 मई को उसे दिल्ली ले जाने की तैयारी थी। इसी बीच रात में एक बजे वह गायब हो गया। सुबह उसके माता पिता ने प्रधान से कहकर गांव की मस्जिदों से संदेश भी प्रसारित कराया। मगर उसकी कोई सूचना नहीं मिली। दो घंटे बाद उसके नूरपुर में मारे जाने की खबर मिली। मुस्लिम आबादी वाले गांव नूरपुर में अफजाल के गांव की कई रिश्तेदारियां हैं। पूर्व में भी वह कबड्डी खेलने नूरपुर आ चुका था।

अवैध कैंटीन संचालक व वेंडर पर दिखी सख्ती

उन्नाव। रेलवे स्टेशन की कैंटीन में अनियमितता पर कैंटीन सील और वाणिज्य निरीक्षक पर निलंबन कार्रवाई के बाद अवैध कैंटीन संचालकों और अवैध वेंडर नदारत रहे। आरपीएफ ने ट्रेनों में भी सख्ती दिखाई।

मालूम हो कि वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रेखा शर्मा ने सोमवार रात 12:54 बजे उन्नाव जंक्शन पर छापमारा। इस दौरान प्लेटफार्म नंबर पांच के पीछे संचालित कैंटीन में गंदगी और अवैध खाना-पान सामग्री मिली थी। इसपर उन्होंने कैंटीन सील कराई थी और कैंटीन संचालक को मनमानी की खुली छूट देने वाले वाणिज्य निरीक्षक तरुण कुमार शर्मा को निलंबित कर दिया था। इसके साथ ही टिकट निरीक्षक और स्वास्थ्य निरीक्षक से स्पष्टीकरण तलब किया था।

रेलवे स्टेशन के दोनों तरफ रेलवे पुल के नीचे स्थित अवैध कैंटीन और अवैध वेंडरों के माध्यम से ट्रेनों और प्लेटफार्मों पर समोसा, बोतल बंद पानी, चाय, ककडी, खीरा, लईया, चना, मूंगफली, पान मसाला व अन्य खानपान सामग्री की बिक्री कराने वाले अड्डे बंद रहे।

सीएम योगी बोले, भारत की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले, भ्रष्टाचार फैलाने वाले, सब रामद्रोही हैं

लखीमपुर खीरी , एजेंसी। लखीमपुर खीरी जनपद के गोला में शुक्रवार दोपहर करीब सवा बजे आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और सपा पर जमकर हमला बोला। योगी ने कहा कि सपा सरकार में हर दूसरे दिन दंगा होता था। पूरे देश के अंदर एक स्वर गूंज रहा है कि वह है, फिर एक बार मोदी सरकार का।

मतदाताओं का अभिवादन करते हुए योगी ने कहा कि आज महाराणा प्रताप की जयंती है। राष्ट्र नायक महाराणा प्रताप को नमन करते हुए कहा कि बाबा गोला गोकर्णनाथ की पावन धरती से कह रहा हूं कि तीन चरण पूरे हो चुके हैं। आधा चुनाव संपन्न हो चुका है। चौथे चरण में भी आपको मतदान में भाग लेना है। पूरे देश के अंदर एक स्वर गूंज रहा है और वो है, फिर

एक बार मोदी सरकार का। उत्साह और उमंग का कारण क्या है, जनता जनार्दन कहती है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे।

सीएम ने आगे कहा कि इतनी बढ़ी संख्या में आप लोग आएं हैं, अब सब मुझे बताओ, अयोध्या में राम मंदिर बनाकर अच्छा हुआ है लेकिन कांग्रेस और सपा वाले गलत बयानबाजी कर रहे हैं। राहुल गांधी के सलाहकार और सपा के राष्ट्रीय महासचिव ने राममंदिर पर गलत बयानबाजी की है, एक तरफ जो भारत के सम्मान के लिए खड़े हैं। दूसरी तरफ भारत की सुरक्षा में सेंध लगने वाले, भ्रष्टाचार फैलाने वाले हैं, वे सब रामद्रोही हैं।

संपादकीय

वैक्सीन की चिंता

जब कोरोना वैक्सीन को लेकर शिकायतों और चर्चा का माहौल गरम है, तब पूरी सतर्कता के साथ विचार करने की जरूरत है। एस्ट्राजेनेका कंपनी ने जब से यह माना है कि उसके द्वारा निर्मित वैक्सीन कोविशील्ड की वजह से विरल मामलों में कुछ लोगों को नुकसान की आशंका है, तब से पूरा टीकाकरण अभियान ही सवालों के घेरे में है। लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं और अपने-अपने नुकसान का आकलन भी कर रहे हैं। ब्रिटेन में एस्ट्राजेनेका को अनेक मुकदमों का सामना करना पड़ रहा है और सजा के तौर पर उसे बड़े पैमाने पर मुआवजा चुकाने की भी जरूरत पड़ सकती है। खैर, मुकदमे और मुआवजे अपनी जगह हैं, पर लोगों में मन में जो शंकाएं घर कर गई हैं, उन पर सावधानी से सोचने की जरूरत है। लगभग सभी चिकित्सकों का यही मानना है कि टीका लेने के बाद चालीस दिन में साइड इफेक्ट सामने आ जाते हैं, पर जब टीका लगे दो साल से ज्यादा समय बीत चुका है, तब साइड इफेक्ट की चर्चा का बहुत महत्व नहीं है। वैसे, साइड इफेक्ट को साबित करने का काम आसान नहीं है। हमने यह देखा है कि महामारी ने उन लोगों को ज्यादा परेशान किया था, जिन्हें पहले से कोई बीमारी थी। ऐसे लोगों को टीका लेते समय भी सावधान रहने के लिए कहा गया था, उम्र या वर्ग के हिसाब से धीरे-धीरे लोगों को टीके दिए गए थे। टीका देते समय और उसके ठीक बाद तात्कालिक रूप से लोगों की निगरानी भी की गई थी। अत- भारत में साइड इफेक्ट की शिकायत अगर सामने आई है, तो उसका पूरी तरह से वैज्ञानिक अध्ययन होना चाहिए। फिलहाल यह मुद्दा चुनाव में भी गरम है, पर यह आगामी केंद्र सरकार के लिए एक गंभीर विषय होना चाहिए। चिकित्सकों की संस्था को गोपनीयता बरतते हुए वैक्सीन के दुष्प्रभावों का अध्ययन करना चाहिए। भारत में किसी बड़ी दवा कंपनी के खिलाफ खुले रूप में जांच करना असहज स्थिति पैदा कर सकता है। दरअसल, यह शिकायत आम लोगों का विषय नहीं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों का विषय है। आम लोगों की शंकाओं को भी तभी दूर किया जा सकता है, जब शिकायतों का विशेषज्ञता के साथ अध्ययन किया जाए। यह अच्छी बात है कि एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड कोविड-19 वैक्सीन के संभावित दुर्लभ दुष्प्रभावों की रिपोर्ट के बीच 'कोवैक्सिन' विकसित करने वाले संस्थान भारत बायोटेक ने बयान में कहा है कि कोवैक्सीन का पूरी तरह से परीक्षण किया गया था। कोविशील्ड और कोवैक्सीन का ही भारत में सर्वाधिक उपयोग हुआ था।

अंतरिक्ष में मुकाबला

दुनिया में लगभग पांच दशक बाद फिर वैज्ञानिक प्रतिद्वंद्विता साफ दिखने लगी है और दुनिया के ज्यादातर देशों ने समझ लिया है कि वास्तविक तरक्की के लिए वैज्ञानिक कुशलता बहुत जरूरी है। फिलहाल दुनिया में चीन वैज्ञानिक रूप से सबसे तेज तरक्की करता दिख रहा है। चीन ने शुक्रवार को अपनी तरह का पहला मिशन चांग-ई-6 अंतरिक्ष यान लॉन्च कर दिया। यह यान चंद्रमा पर दूसरी तरफ से मिट्टी या नमूने लेकर धरती पर लौटेगा। चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) के लिए यह स्वर्णिम काल है, नाना प्रकार के प्रयोग हो रहे हैं और संयोग भी घटित हो रहे हैं। कुल मिलाकर, चीन अपनी पूरी चेष्टा में दुनिया को यह दिखा पा रहा है कि वह वैज्ञानिक रूप से भी अब दुनिया का अग्रणी देश बनने जा रहा है। चीन अच्छी तरह जानता है कि दुनिया में लंबे समय तक अमेरिकी बादशाहत विज्ञान की बदौलत ही चली है। नया चीनी यान चांद के उस दुर्लभ हिस्से से नमूने लाएगा, जहां से अमेरिका और रूस भी कुछ लाने में कामयाब नहीं हुए हैं। चांद के सामने वाले हिस्से से नमूने लाने का काम अमेरिका, रूस और चीन पहले कर चुके हैं। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर एक आधार बनाने की ओर बढ़ता चीन प्रशंसा का हकदार है। यही नहीं, बीते सप्ताह ही चीन ने तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के लिए अपने अंतरिक्ष यात्रियों को रवाना किया है। चीनी अंतरिक्ष स्टेशन भी अपने आप में एक बड़ी कामयाबी है। वैज्ञानिकों के बीच अक्सर चर्चा होती है, जब अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से चीन को लाभ मिलना कम हुआ, तब चीन ने अपना अंतरिक्ष स्टेशन बना लिया। बीजिंग के नवीनतम मानव अंतरिक्ष यान मिशन शेनझोउ-18 के माध्यम से तीन अंतरिक्ष यात्री चीनी अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंच गए हैं और वहां पहले से मौजूद अंतरिक्ष यात्री वहां से लौटने वाले हैं। यह रोचक तथ्य है कि अंतरिक्ष स्टेशन पर एक जीवित मछली भी गई है, जिसे चौथा चालक दल सदस्य कहा जा रहा है। इस जेब्राफिश और शैवाल के जरिये परीक्षण किया जा रहा है।

राहुल, रणछोड़ या रणनीतिज्ञ

यहां एक चेतावनी। राजनीति में मतदाता का निर्णय ही सर्वोपरि होता है। यदि कांग्रेस अपने गठबंधन के माध्यम से किसी तरह सत्ता हासिल करने में कामयाब हो जाती है, तो ये सारे कयास हवा हो जाएंगे। इतिहास विजेताओं पर लगे दाग-धब्बों की अनदेखी करने का अभ्यस्त जो है। क्या आपको लगता है कि ऐसा होने जा रहा है

(शशि शेखर)

'मैंने पहले ही यह भी बता दिया था कि शहजादे वायनाड में हार के डर से अपने लिए दूसरी सीट खोज रहे हैं। अब इन्हें अमेठी से भागकर रायबरेली सीट चुननी पड़ी है। ये लोग घूम-घूमकर सबको कहते हैं- डरो मत! मैं भी इन्हें यही कहूंगा- डरो मत! भागो मत!'- अपनी चुटीली शैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगे जोड़ते हैं- 'मैं पहले भी आपसे कहता था कि इनकी सर्वोच्च नेता भाग जाएंगी, वह भाग गईं। उन्होंने उत्तर प्रदेश छोड़कर राजस्थान से चुनाव लड़ा।' प्रधानमंत्री को सोनिया और राहुल गांधी पर तंज कसने का यह मौका खुद कांग्रेस पार्टी ने दिया है। गए गुरुवार की शाम से ही संकेत मिलने लगे थे कि राहुल गांधी रायबरेली से और किशोरी लाल शर्मा उर्फ केएल शर्मा अमेठी से ताल ठोकेंगे। शर्मा जी अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सचिव हैं और पिछले तीन दशकों से 'परिवार' की ओर से रायबरेली व अमेठी निर्वाचन क्षेत्रों में 'कामकाज' संभाल रहे हैं। जो उनके इतिहास और भूगोल से वाकिफ नहीं हैं, उन्हें बता दें कि वह मूलत- पंजाब के रहने वाले हैं, पर परिवार का स्थायी प्रतिनिधि होने के नाते उनके दोनों संसदीय सीटों के कार्यकर्ताओं से बेहतरीन संबंध हैं। कांग्रेस का कहना है कि इस नाते केएल शर्मा अमेठी से चुनाव लड़ने के हकदार हैं, और वह स्मृति ईरानी को हरा देंगे। क्या ऐसा संभव है लोकतंत्र में असंभव तो कुछ भी नहीं। जब 1977 में राज नारायण इंदिरा गांधी को हरा सकते हैं और 2019 में स्मृति ईरानी राहुल गांधी को क्लीन बोल्ड कर सकती हैं, तो नतीजे घोषित होने तक इस सिलसिले में कुछ न बोलना ही बेहतर रहेगा। हालांकि, स्मृति ईरानी और केएल शर्मा की 'फेस वैल्यू' में जमीन-आसमान का अंतर है। शर्मा अब तक नेपथ्य से कामकाज सम्हालते थे, जबकि स्मृति बेहद आक्रामक हैं। यह लड़ाई फिलहाल बराबर की प्रतीत नहीं होती है। नेहरू-गांधी परिवार का अमेठी से पुराना नाता रहा है। 1977 में संजय गांधी यहां से चुनाव लड़े, पर हार गए थे। संजय अकेले नहीं थे, उनकी मां इंदिरा गांधी भी पड़ोस की रायबरेली से रपट गई थीं। अगला चुनाव मध्यावधि था और 1980 के मतदान ने संजय और इंदिरा, दोनों के पक्ष में मुनादी की थी। तब से 2019 तक नेहरू-गांधी परिवार और अमेठी दूध-शक्कर माने जाते थे। अब, राहुल की रुखसती से बीच चुनाव में यह संदेश जरूर जाएगा कि कांग्रेस कहीं-न-कहीं हिचक रही थी। भाजपा ने बिना समय गंवाए हमला बोल दिया है। प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृह मंत्री सहित सभी के शब्दबाण चुनावी फिजां को गरमा रहे हैं। नेहरू-गांधी परिवार ने अमेठी का परित्याग क्यों किया कांग्रेस के कर्णधारों ने संभवत- सोचा होगा कि अगर प्रियंका और राहुल पड़ोसी सीटों से चुनाव लड़ते हैं, तो उन पर परिवारवाद का आरोप सघन हो जाएगा। जीत जाने की स्थिति में भाई-बहन सदन में खुद भले ही सहज रहते, पर विपक्ष और नुक्ताचीनी के अभ्यस्त आलोचक, दोनों को मौका मिल जाता, वे तुलना शुरू कर देते। किसने क्या, कितना और क्यों बोला, सत्र-दर-सत्र यह बहस चलती, इससे गलत संदेश जा सकता था। गांधी परिवार इस मामले में बेहद सजग रहता है। वहां जिम्मेदारियां साफ तौर पर विभाजित की जाती रही हैं। यही वजह है कि किसी पारिवारिक कलह के संकेत एक बार के अलावा कभी बाहर नहीं आए। वह मौका था, संजय गांधी के दुखद अवसान के बाद मेनका गांधी की '1 सफदरजंग रोड' से रवानगी। तब से अब तक मेनका और वरुण गांधी के राजनीतिक रास्ते राहुल गांधी और उनके परिवार से अलग हैं। कांग्रेस के नेता इस तथ्य से वाकिफ हैं कि अमेठी को छोड़ना गलत संदेश दे सकता है, इसीलिए वे तर्क दे रहे हैं कि रायबरेली से नेहरू-गांधी परिवार का नाता अमेठी के मुकाबले दशकों पुराना है। वर्ष 1952 में फिरोज गांधी यहां से जीते थे। उनके बाद इंदिरा गांधी, इंदिरा के पश्चात सोनिया और सोनिया के चुनावी राजनीति से संन्यास लेते ही राहुल इस विरासत को संभालने के लिए आगे आए हैं। उनके नामांकन में समूचे परिवार के साथ कांग्रेस के आला पदाधिकारी जुटे। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एकजुटता दिखाते हुए उनके साथ थे। मतलब साफ है, गठबंधन अमेठी परित्याग को तार्किक जामा पहनाना चाहता है। इस विमर्श में एक और अहम सवाल उठता है कि अगर राहुल गांधी जीत भी जाते हैं, तो इससे कांग्रेस को कितना लाभ होगा पार्टी प्रदेश की 17 सीटों पर यह चुनाव लड़ रही है, लेकिन क्या आपको उसके पांच प्रत्याशियों के भी नाम ध्यान आते हैं कांग्रेस प्रदेश में पहले से दयनीय स्थिति में है। पिछले विधानसभा चुनाव में प्रियंका गांधी पार्टी की प्रभारी महासचिव थीं। कांग्रेस ने कुलजमा 398 सीटों पर ताल ठोकी थी, मगर जीती कितनी सिर्फ दो! इनमें से एक आराधना मिश्र हैं। रामपुर खास की जिस सीट पर वह पिछले लगभग दस साल से जीत रही हैं, उसे उनके पिता प्रमोद तिवारी ने बड़े जतन से गढ़ा है। प्रमोद तिवारी के ही संबंधों, संपर्कों का असर था कि समाजवादी पार्टी ने यहां से उम्मीदवार न उतारकर उनकी राह आसान की। दूसरे हैं, महाराजगंज जनपद के फरेंदा से वीरेंद्र चौधरी। चौधरी साहब अब कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। क्षेत्र में उनका जो भी प्रभाव हो, पर समूचे प्रदेश में उन्हें जानने वालों की संख्या कुछ खास नहीं है। ऐसे में, राहुल अगर जीत भी जाएं, तो उससे कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में कोई खास फायदा होता नहीं दिख रहा है। इसके लिए उन्हें उत्तर प्रदेश में अधिक समय लगाने के साथ लोगों को समझाने के लिए पर्याप्त नैतिक आधार भी जुटाना होगा। सोशल मीडिया के इस दौर में सभी जानते हैं कि वह कुछ दिनों पहले वायनाड में वायदा कर रहे थे कि यही मेरा परिवार है और मैं इसे छोड़कर नहीं जाऊंगा। आज रायबरेली में वह विरासत के नाम पर ताल ठोक रहे हैं। अगर वह दोनों सीट जीत जाते हैं, तो किसका परित्याग करेंगे केरल छोड़ेंगे, तो यह उन लोगों की अवहेलना होगी, जिन्होंने संकट के समय में उन्हें जिताया। यदि रायबरेली छोड़ेंगे, तब भी इसी तरह की बातें उठेंगी। यहां एक और तथ्य गौरतलब है। कन्नौज में अखिलेश यादव ने अपने भतीजे तेजप्रताप यादव को चुनावी मैदान में उतारा था। पता नहीं क्यों, दो दिन के भीतर उनका इरादा बदल गया और वह खुद चुनावी मैदान में ताल ठोकने उतर आए। क्या उन्हें आभास हो गया था कि गांधी परिवार इस बार अमेठी को अलविदा बोलने वाला है अब अगर राहुल और अखिलेश, दोनों विजयी घोषित होते हैं, तब भी अखिलेश यादव लोकसभा में उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा चेहरा होंगे। इससे उनकी राजनीतिक छवि मजबूत होगी। कभी मायावती ने भी लोकसभा की सदस्यता का बेहतरीन उपयोग किया था।

इस चुनाव नहीं गूंज रहे मतदाताओं को छूने वाले नारे

(विवेक शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार)

लोकसभा चुनाव के दो चरण संपन्न हो चुके हैं, पर अभी तक कोई खास नारा फिजां में नहीं गूज रहा। नारों के बिना चुनाव बिना छौंक की दाल जैसे लगते हैं, इसलिए नारे होंगे, तो चुनाव का लुत्फ भी बढ़ेगा। पहले इन नारों को पढ़ लीजिए- जात पर न पात पर, इंदिरा जी की बात पर, मोहर लगेगी हाथ पर; सबको देखा बारी-बारी, अबकी बारी अटल बिहारी; कांग्रेस लाओ, गरीबी हटाओ; इंडिया शाइनिंग; अबकी बार, मोदी सरकार। एक दौर में ये सभी नारे देश के स्तर पर पसंद किए गए थे। कुछ नारे चुनावों के समय नहीं उछाले गए, पर उनका राष्ट्रीय महत्व रहा। जैसे, आराम हराम है; जय जवान, जय किसान; जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान; मेक इन इंडिया; सबका साथ, सबका विकास। जम्हूरियत की जान होते हैं नारे। ये माहौल बनाते हैं। इनसे मतदाता खास दल के साथ जुड़ते हैं। कभी-कभी ये बहुत तीखे होने लगते हैं। इससे चुनावी माहौल स्वस्थ नहीं रह पाता। ऐसा ही एक नारा था- तिलक, तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चार। इससे माहौल काफी विषाक्त हुआ था। अलबत्ता, बहुजन समाज पार्टी के दो नारे एक वक्त खासे लोकप्रिय हुए थे- हाथी नहीं गणेश हैं, ब्रह्मा, विष्णु, महेश हैं और दोनों बड़े राष्ट्रीय दलों के लिए एक नागनाथ, दूसरा सांपनाथ । अगर 1960 के दशक के पन्ने पलटें, तो गोरक्षा आंदोलन को तेज करते हुए जनसंघ ने नारा दिया था, गौ हमारी माता है, देश-धरम का नाता है। जनसंघ के नेतागण कांग्रेस सरकार बदलने के लिए अपने भाषणों में खूब तीखी शैली का प्रयोग करते थे। उनकी काट के लिए कांग्रेसियों ने नारा दिया था, दीपक बुझ गया तेल नहीं, सरकार बदलना खेल नहीं। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अवतार जनसंघ ने एक बार नारा दिया था, हर हाथ को काम, हर खेत को पानी, हर घर में दीपक, जनसंघ की निशानी। सन् 1971 के चुनाव में इंदिरा गांधी ने कांग्रेस लाओ, गरीबी हटाओ का नारा दिया था। यह नारा जब आया, तब देश समाजवादी मूल्यों को लेकर समर्पित था। इस नारे ने कांग्रेस को फायदा दिलाया, पर अगले लोकसभा चुनाव में जयप्रकाश नारायण ने इसकी हवा निकालते हुए नारा दिया, इंदिरा हटाओ, देश बचाओ। 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद जब तक सूरज-चांद रहेगा, इंदिरा जी तेरा नाम रहेगा जैसे नारे ने पूरे देश में सहानुभूति लहर पैदा कर दी थी और कांग्रेस को विराट जीत हासिल हुई। इसी तरह, 1991 के चुनाव में राजीव गांधी की हत्या के बाद राजीव तेरा ये बलिदान, याद करेगा हिन्दुस्तान खूब गूंजा और इसका साफ असर वोटिंग पर देखा गया। आपातकाल के बाद आम चुनावों में नारों का खासा जोर रहा। इस दौरान सन सतहत्तर की ललकार, दिल्ली में जनता सरकार; संपूर्ण क्रांति का नारा है, भावी इतिहास हमारा है; फांसी का फंदा टूटेगा, जॉर्ज हमारा छूटेगा जैसे नारे खूब चले। तब राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की ये कालजयी पंक्तियां जयप्रकाश नारायण की क्रांति का नारा बनी थीं- संपूर्ण क्रांति अब नारा है, भावी इतिहास तुम्हारा है। अरविंद केजरीवाल की पार्टी बेशक आम आदमी पर अपना कॉपीराइट समझती है, मगर इस पार्टी के पैदा होने से पहले ही कांग्रेस ने यह नारा दिया था- कांग्रेस का हाथ, आम आदमी के साथ; आम आदमी के बढ़ते कदम, हर कदम पर भारत बुलंद। भाजपा का एक नारा मजबूत नेता, निर्णायक सरकार भी सिर चढ़कर बोल चुका है। कुछ नारे दलों की सरहद को लांघ जाते हैं। तमाम विश्वविद्यालयों के छात्र साथियो साथ दो नारा खूब लगाते रहे हैं। जो हमसे टकराएगा, चूर-चूर हो जाएगा तो सर्वप्रिय नारा है। नारे सिर्फ भारत में नहीं उछलते। अमेरिका में भी इनका समृद्ध इतिहास रहा है। डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार हैरी ट्रूमैन जब 1948 में राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ रहे थे, तब उनका नारा था- द बक स्टॉप्स हेयर (जिम्मेदारी यहीं खत्म होती है)। रिचर्ड निक्सन (रिपब्लिकन पार्टी) के 1972 के चुनावी नारे नाउ, मोर दैन एवर (अब पहले से कहीं ज्यादा) ने भी खासी धूम मचाई थी।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5366

	6				9		8	5
9	4				6			2
	8	1			4			3
6						1		8
				3				
2		8						9
3			1			8	4	
8			6				5	7
4	7		2				3	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5365

5	7	1	6	9	3	2	4	8
9	3	6	2	8	4	1	7	5
8	4	2	5	1	7	6	3	9
7	8	9	3	2	5	4	6	1
2	6	5	1	4	9	7	8	3
3	1	4	7	6	8	5	9	2
1	5	3	9	7	6	8	2	4
4	9	7	8	5	2	3	1	6
6	2	8	4	3	1	9	5	7

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन सफलता से भरा होगा और आज आपको लाभ होगा। आज का दिन कोई विशेष व्यवस्था करने में बीतेगा। आपको भौतिक और सांसारिक सुख की प्राप्ति होगी। आपके लिए आज का दिन उत्साह से भरा होगा। आज के दिन काफी बदलाव आप ला सकते हैं और आपके लिए धन में वृद्धि के योग हैं।

वृष

आज आर्थिक मामलों में सफलता का दिन है। आपके लिए आज का दिन सम्मान से भरा होगा और योजनाएं सफल होंगी। आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और किस्मत का साथ मिलेगा। आपको मान प्रतिष्ठा और उत्तम प्रकार की धन संपत्ति प्राप्त होगी। व्यवसाय के क्षेत्र में नए सहयोगी मिलेंगे और आपकी मदद करेंगे।

मिथुन

आज का दिन आर्थिक मामलों में सफलता से भरा होगा। आज आपके भाग्य में वृद्धि के योग हैं। व्यावसायिक मामलों में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। व्यापार में निकटवर्ती सहयोगी के प्रति सच्ची निष्ठा और सुमधुर वाणी रखने से आप लोगों का दिल जीत सकते हैं।

कर्क

आज काफी बिजी रहेंगे और आज का दिन विशेष भागदौड़ करने में बीतेगा और आपको दूसरों के लिए कोई व्यवस्था करनी पड़ सकती है। अपनी सेहत को लेकर सावधान रहें। आपके घर में शाम के वक्त मेहमान भी कुछ लंबा पड़ाव डालने के बारे में सोच सकते हैं। आपका खर्च और काम दोनों बढ़ सकता है।

सिंह

आज आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपके लिए उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के योग बन रहे हैं। इसमें कुछ खर्च भी हो सकता है। संतान पक्ष से हर्षवर्धक समाचार व परिवार में आमोद -प्रमोद का वातावरण रहेगा। बहुत समय से रुके हुए किसी कार्य को बनाने की चेष्टा करें। आपके धन में वृद्धि के योग हैं।

कन्या

आज दिन सफलता से भरा होगा और आज भाग्य आपक साथ दे रहा है। आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। घरेलू स्तर पर भी मांगलिक कार्यों का आयोजन हो सकता है। धार्मिक कार्य में आपकी रुचि बढ़ेगी और धन में वृद्धि होगी। रात्रि का कुछ समय परिवार के साथ बिताएं।

तुला

आज किस्मत का साथ मिल रहा है और आज आपके धन सम्मान में वृद्धि के योग बन रहे हैं। नौकरी या कारोबार में आपको अपने काम पर फोकस करने की जरूरत है। बहस और टकराव से बचें। आज किसी मामले में पैसों का निवेश करने से बचें तो आपको लाभ होगा।

वृश्चिक

आज आर्थिक लाभ होगा और आज आपके मन में संतोष और शांति रहेगी। आज शुभ व्यय होने से मन में संतोष होगा। आज का दिन आनन्द में बीतेगा। आज आपके सौंदर्य में वृद्धि के योग बन रहे हैं। किसी निकट मित्र की सलाह और सहयोग से आप अपने बिगड़े काम ठीक कर सकते हैं, समय का लाभ उठाएं तो सब कुछ अच्छा होगा।

मकर

आज लाभ का दिन है और आज कई योजनाओं में आपका मन लगेगा। आपको सफलता प्राप्त होगी। अकस्मात् बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति कराकर कोष में वृद्धि हो सकती है। आप अपने बलबूते पर ही अपनी समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास करें। इससे कोई स्थाई सफलता मिल जाएगी।

कुंभ

आज आर्थिक लाभ होगा। आपके लिए दिन अधिक व्यस्तता का संकेत दे रहे हैं। व्यापार व्यवसाय की तरफ ध्यान देना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज दोपहर तक आप अपना बिखरा हुआ कारोबार सही तरीके से समेट लें, हो सकता है आगे समय न मिलें। आपके भाग्य में वृद्धि के योग हैं।

धनु

आज दिन सफलता से भरा होगा। आज का दिन कामकाज को सुधारने में विशेष योगदान दे रहा है। किसी विशेषज्ञ की सलाह आपके लिए आगे चलकर उपयोगी सिद्ध होगी। आज आपके मौज मस्ती के दिन आने वाले हैं। आपके धन में वृद्धि के योग हैं। भाग्य साथ देगा।

मीन

आज दिन सफलता से भरा होगा। आपके भाग्य में वृद्धि होगी। धन और कीर्ति में वृद्धि होगी। शत्रु चिंता का दमन होगा। प्रबल से प्रबल विरोधियों के होने पर भी सफलता की प्राप्ति से हर्ष होगा और आपके धन में वृद्धि के योग बन रहे हैं। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और आपका भाग्य साथ देगा।

वर्ग पहेली 5366

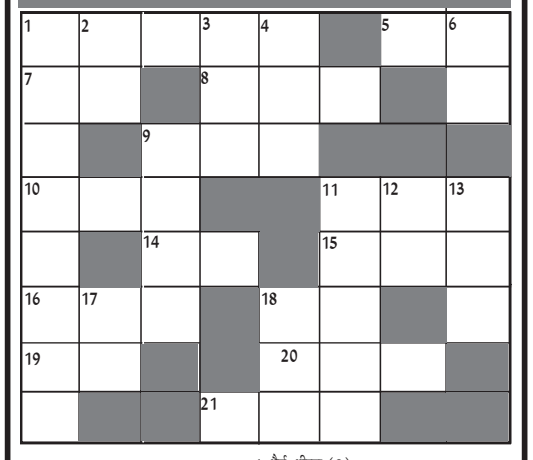

संकेतः बाएं से दाएं

1. 19 जून को कांग्रेस के वर्तमान राजनीतिज्ञ का जन्मदिवस है (5)
5. संबंध से, हेतु, वास्ते (2)
7. दार्शनिक प्रणाली, राय, वोट (2)
8. धारण करने वाला, वेशधारी (3)
9. रोगी, जिसे कोई मर्ज हो (3)
10. रस्म, प्रथा, रीति (3)
11. झुकाना, लचकाना, अवनमित करवाना (3)
14. पौधा, कढ़ा-बुना हुआ (2)
15. चिरमिरहट, झुलस (3)
16. कुशल, तत्वज्ञ, निपुण (3)
18. महसूस, टैक्स, हस्त, हाथ (2)
19. प्रणाम करता हुआ, अवनमित, झुका हुआ (2)
20. नियम पालन, निष्ठा निर्वाह (3)
21. फलदायक, फल देनेवाला, फलद, सुफल (3)

ऊपर से नीचे

1. संत तुलसीदास की प्रसिद्ध पौराणिक कृति (8)
2. आहुति के रूप में दिया हुआ (2)
3. यह गांधार देशाधिपति सुबल की पुत्री थी शकुनि इनके भाई थे (3)
4. धैर्य, धीरता (3)
6. तीक्ष्ण, कर्तनक्षम, गहन प्रभावी (2)
9. विवश, लाचार, इस नाम की दो फिल्मों के नायक क्रमशः विश्वजीत (1965) व अमिताभ बच्चन (1974) थे (4)
11. जो नजरों से ओझल कर कैद किया गया हो, नजर कैदी (5)
12. क्रय-विक्रय की वस्तु, सुस्वादु भोजन, असबाब, स्वादिष्ट आहार (2)
13. ये सिख संप्रदाय के आदि गुरू थे (3)
17. भलाई, उपकार, कल्याण, अंतर्ग्रहीत (2)
18. कपालास्थि कटोरा, कर्पट, खपरा, संपूर्ण खोपड़ी (3)

वर्ग पहेली 5365 का हल

चि	ली		भ	र	त	पु	र
त	ना		ला	म		का	ज
	चं	दा		ना	दि	र	
अ	दा	व	त		ल		डं
	व	त	न		ज	मै	का
कौ	र		ब	द	ला	ना	
म	क	स	द				रो
	र	वा	न	गी		सो	म

यह है आत्मविश्वास बढ़ाने की कुंजी

(रवीन्द्र गुप्ता)

हर इंसान अपने लक्ष्य की प्राप्ति में प्रयासरत रहता है। उसके लिए जरूरी होता है 'आत्मविश्वास'। 'आत्मविश्वास' यानी अपनी आत्मा पर विश्वास या अपने आप पर विश्वास।

जीवन में हर काम अपने आत्मविश्वास के बलबूते पर ही होते हैं। आत्मविश्वास के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण का होना जरूरी होता है। बिना आत्मविश्वास के कोई भी काम सफल नहीं हो सकता है।

अगर होता भी है तो निम्नस्तर का या आधा-अधूरा व खराब। आइए, हम जानते हैं आत्मविश्वास के बारे में-

क्या है आत्मविश्वास?

आत्मविश्वास वस्तुतः एक मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्ति है। इससे महान कार्यों के संपादन में सहजता और सफलता हमें प्राप्त होती है। बगैर आत्मविश्वास के इन कार्यों की सफलता संदिग्ध ही बनी रहती है।

एकाग्रचित बनें

जिस भी व्यक्ति का मन शंका, चिंता और भय से भरा हो वह बड़े कार्य तो क्या, साधारण से साधारण कार्य भी नहीं कर सकता है। चिंता व शंका आपके मन को कभी भी एकाग्र न होने देंगे अतः आत्मविश्वास बढ़ाने हेतु अपने मन से सभी प्रकार के संदेह निकालें तथा एकाग्रता को बढ़ाएं।

आत्मविश्वास अद्भुत शक्ति

आत्मविश्वास एक अद्भुत शक्ति होती है। इसके बल से व्यक्ति तमाम विपत्तियों तथा शत्रुओं का सामना कर लेता है। संसार के अभी तक के बड़े से बड़े कार्य आत्मविश्वास के बलबूते ही हुए हैं और हो रहे हैं तथा होते रहेंगे।

बच्चों में आत्मविश्वास भरें

माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों में आत्मविश्वास भरें। उनका आत्मविश्वास कभी कम नहीं करना चाहिए। उन्हें कभी भी इस प्रकार के नकारात्मक शब्द कि 'तुम कुछ नहीं जानते' या 'तुम में इस बात की कमी है' कभी नहीं कहने चाहिए।

इससे बच्चों का आत्मविश्वास कम होता है तथा इससे उनमें हीनभावना जागृत होती है तथा वे कुंठित हो जाते हैं। आज जग में जो निराशा की भावना तथा गरीबी दिखाई दे रही है उसके पीछे प्रमुख कारण यही हीनभावना है।

ऐसे बढ़ाएं आत्मविश्वास -

सकारात्मक चिंतन हो : सबसे पहले व्यक्ति को चाहिए कि वह हमेशा सकारात्मक चिंतन करे। सकारात्मक विचारधारा के लोगों के साथ ही रहें। कहा भी जाता है कि 'जैसी संगति, वैसी उन्नति'। जैसी आपकी विचारधारा होगी, दिमाग भी वही सोचने लगता है अतः सकारात्मक ही सोचें तथा साथ ही अपनी खामियों को भी स्वीकार करें।

आत्मविश्वास से भरपूर होने का अभ्यास करें -

आप अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह प्रयास करें कि मैं सक्षम हूं। मैं यह कार्य कर सकता हूं। मुझे इसमें कोई दिक्कत नहीं आएगी।

महानायक अमिताभ बच्चन को भी पहली बार अभिनय करते वक्त काफी डर लगता था। जब अधिक डर लगता था तो वे स्वयं से कहते थे कि 'मैं जिसका रोल कर रहा हूं वह व्यक्ति मैं ही हूं' ऐसा सोचते व करते उनका आत्मविश्वास बढ़ गया व आज वे 'बिग बी' कहलाते हैं।

बीती ताहि बिसारि दे : अपने द्वारा भूतकाल में की गईं गलतियों, असफलताओं को आप भुलाकर नई शुरुआत करें। भविष्य की योजना बनाएं तथा लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति में जुट जाएं।

उपलब्धियां याद रखें : आत्मविश्वास की कुंजी है असफलता को स्वीकारना। श्रेष्ठ काम के लिए स्वयं को सराहें। आपके द्वारा सफलतापूर्वक किया गया काम आप फिर दोहरा सकते हैं इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

नया सीखते रहें : यदि आपको वर्तमान परिस्थिति जटिल लगे तो उसे नए तरीके से सीखने का प्रयास करना चाहिए। कुछ नया सीखने से आपका आत्मविश्वास तथा उत्साह बढ़ेगा तथा आपको इस बात का एहसास होता रहेगा कि 'मैं कुछ अलग व नया जानता हूं।' इससे आपका काम कम समय में बेहतर तरीके से होगा।

व्यक्तित्व को निखारिए : अपने व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देते रहें तथा हमेशा अपना व्यक्तित्व आकर्षक बनाए रखिए। बॉडी लैंग्वेज और कम्युनिकेशन स्किल को सुधारें। संकीर्ण मनोवृत्ति का न बनें। स्वयं को नई सूचनाओं से अपडेट रखें तथा आसपास के परिवेश से भी तालमेल बैठाए रखें।

इस प्रकार की चंद बातों को आजमाकर आप अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं तथा जीवन में नित नई उन्नति कर सकते हैं। तो आप भी आज से जुट जाइए अपना आत्मविश्वास बढ़ाने व तरक्की करने में।

टॉपर्स बनने के टिप्स

सफलता को पाने के लिए कड़ी मेहनत तो करनी ही पड़ती है। हम किसी कक्षा की एग्जाम या प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हों, इसके लिए सिर्फ एक ही लक्ष्य रखना पड़ता है वह है पढ़ाई।

किसी परीक्षा में टॉप करने वाले स्टूडेंट्स को देखकर मन में यही विचार आता है कि टॉपर्स किस तरह से परीक्षा की तैयारी करते हैं।

कुछ टिप्स जो टॉपर्स अपनाते हैं-

- शुरुआत में ही यह सोच लें कि आपको किस क्षेत्र में करियर बनाना है, उस क्षेत्र में सफलता के लिए जुट जाएं।
- पूर्ण समर्पण के साथ पढ़ाई करें। अगर कोचिंग के अलावा घर पर भी पढ़ाई करें।
- स्वयं का आत्मविश्वास बनाएं रखें। स्वयं पर किसी प्रकार का दबाव न आने दें।
- अपनी कमजोरियों को खोजें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें।
- टॉपिक्स को रटने की बजाय समझकर पढ़ने की कोशिश करें।
- पढ़ाई में निरंतरता रखें। रेग्यूलर पढ़ाई करने से वह बोझ महसूस नहीं होती।
- किसी प्रतियोगी एग्जाम की तैयारी प्लानिंग से करें ताकि रिविजन में परेशानी न आए।
- अपने ऊपर किसी प्रकार का दबाव न आने दें।
- पढ़ाई के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी आने पर उसका टीचर्स से या दोस्तों के साथ मिलकर हल निकालने का प्रयास करें।
- जिस क्षेत्र में आप तैयारी कर रहे हैं, उस क्षेत्र के एक्सपर्ट?स का मार्गदर्शन समय-समय पर लेते रहें।

ऐसे करें टाइम मैनेजमेंट

समय का पहिया निरंतर घूमता रहता है। किसी के लिए रुकता नहीं है। जिस तरह मुट्ठी में बंधी हुई रेत को फिसलने से हाथ में ?नहीं रोका जा सकता है, उसी तरह समय के ?पहिए को भी नहीं रोका जा सकता है।

कॉम्पीटिशन के इस दौर में समय के साथ चलना जरूरी है। अक्सर लोग समय का रोना रोते रहते हैं। खासकर युवा व्यर्थ कामों में अपना समय लगाकर अपने महत्वपूर्ण काम की अनदेखी करते हैं। फिर उनकी शिकायत रहती है हमें समय ही नहीं मिलता। ऐसे में आवश्यकता होती है टाइम मैनेजमेंट की। आप अपना कार्य जितने व्यवस्थित तरीके से करेंगे, काम उतना बेहतर और जल्दी होगा।

जानिए टाइम मैनेजमेंट के कुछ टिप्स-

- सबसे पहले यह देखें कि आप कहां टाइम वेस्ट कर रहे हैं। जैसे चेटिंग, फेसबुक, ई-मेल या टीवी वगैरह। इन कामों का समय निर्धारित कर आप काफी टाइम बचा सकते हैं।
- प्राथमिकताएं तय कीजिए। जो काम जरूरी है उसे अभी ?कीजिए और जो बाद में किया जा सकता है, उसके लिए समय तय कीजिए। गैर जरूरी काम छोड़कर भी आप वर्कलोड कम कर सकते हैं।
- टाइम मैनेजमेंट टूल्स का उपयोग कीजिए। मोबाइल, कैलेंडर या चार्ट वगैरह की मदद से काम समय पर निपटाए जा सकते हैं। बस रिमांडर को अवॉइड करने की आदत छोड़नी होगी।
- काम आउटसोर्स कीजिए। आप चाहें स्टूडेंट हों, प्रोफेशनल हों या गृहिणी, ऐसे कई काम हैं जो दूसरों से करवाए जा सकते हैं। इससे आपका वर्कलोड कम होगा और आप बेहतर काम कर पाएंगे।
- इंतजार में वक्त बर्बाद न करें। कई मौकों पर हमें इंतजार करते हुए लंबा समय गुजारना पड़ता है। कुछ छोटे-मोटे काम इस समय निपटाए जा सकते हैं। जैसे मेल्स चेक करना, नोट?स बनाना या जरूरी फोन लगाना।

इन आसान टिप्स को अपनाकर आप समय के सदउपयोग के साथ उसके साथ आगे बढ़ सकेंगे।

संकल्पों के साथ कैरियर की शुरुआत

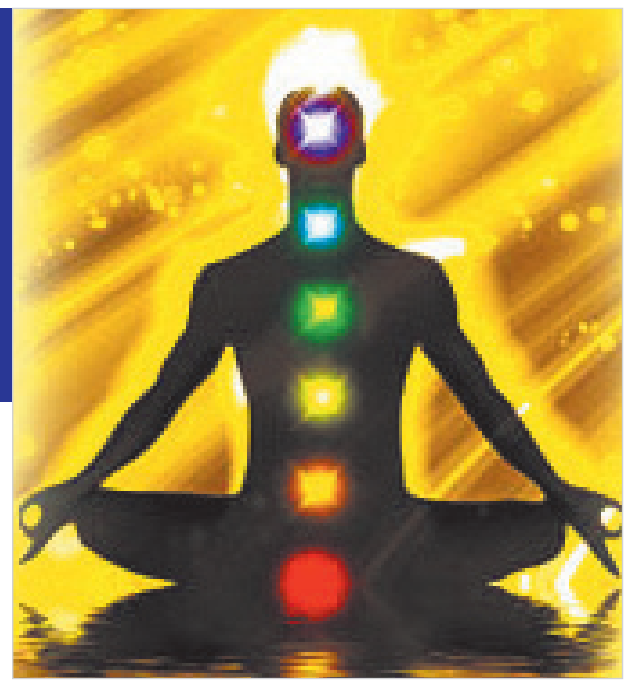

जो संकल्प लिया गया हो, उसके बारे में अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों को भी बताना जरूरी है। इससे फायदा यह होगा कि आप संकल्प पूर्ण करने में जरा भी कमजोर या निष्क्रिय दिखाई दिए तो आपके दोस्त व रिश्तेदार आपको आपके संकल्प की याद दिला देंगे।

कई लोगों को लगता है कि जिंदगी बहुत छोटी है, इसमें कई बड़े काम करने हैं। यह सही है कि जीवन बहुत छोटा है, लेकिन यह सोच कतई उचित नहीं है कि आप एकसाथ कई संकल्प कर लें या कामों की लाइन लगा दें। मतलब यही कि आप कई संकल्प एकसाथ न लें। ऐसा करना अपनी क्षमताओं को बहुत ज्यादा आंकने से भी हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि ठोक-बजाकर वही संकल्प लें, जिसे पूरा करना संभव हो।

अक्सर देखा जाता है कि देखा-देखी या किसी के कहने में आकर भी संकल्प ले लिए जाते हैं। ऐसे संकल्पों की कोई ठोस जमीन नहीं होती। नतीजतन संकल्प का कोई मतलब नहीं रह जाता। इससे बेहतर है कि अपनी रुचि, इच्छा तथा तैयारी हो तभी संकल्प लें। हरेक व्यक्ति की क्षमता, सोच, उत्साह, जोश, प्रवृत्ति, प्रकृति आदि अलग-अलग होते हैं। इसलिए अपने व्यक्तित्व को जाँचकर संकल्प लें।

जो संकल्प लिया गया हो उसके बारे में अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों को भी बताना जरूरी है। इससे फायदा यह होगा कि आप संकल्प पूर्ण करने में जरा भी कमजोर या निष्क्रिय दिखाई दिए तो आपके दोस्त व रिश्तेदार आपको आपके संकल्प की याद दिला देंगे।

बड़े काम तभी संभव हो पाते हैं, जब उन्हें पूरा करने में हम पूरी दृढ़ता के साथ पूरी शक्ति, उमंग, जोश तथा ऊर्जा के साथ लग जाते हैं। यदि हमारी मनःस्थिति ढुलमुल रही या हम 'हां-ना' के जाल में फंसे रहे तो एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा सकते। काम छोटा हो या बड़ा, उसे पूरा करने के लिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

जीवन को अर्थवान बनाने के लिए कई लोग तरह-तरह के संकल्प लेते हैं। इससे उनके जीवन का लक्ष्य तय होता है। प्रसिद्ध विचारक स्वेट मॉर्डेन ने अपनी पुस्तक में लिखा है, 'ऐसा व्यक्ति कठिनाई से मिलता है, जो विश्वासपूर्वक यह कह सके कि मैं करूंगा। जो कार्य मुझे करना चाहिए मैं उसे करता हूं, जो कार्य मैं कर सकता हूं, वह मुझे करना चाहिए। भगवान की कृपा से मैं ऐसे कार्य अवश्य पूरे करूंगा। मैंने परम पिता परमेश्वर के सम्मुख प्रण लिया है कि मैं इसे अवश्य पूर्ण करूंगा।' व्यक्ति इस आधार पर अपना संकल्प तय कर ले तो उसमें जो आत्मविश्वास एवं दृढ़ता आएगी, उससे उसके संकल्प के पूरा होने में कोई संदेह नहीं रहेगा।

किसी भी संकल्प को लेने से पहले सबसे ज्यादा जरूरी है कि बिलकुल शांत तथा एकाग्र हो जाएं। फिर अपनी तमाम शक्तियों या क्षमताओं तथा कमजोरियों का पूरा आकलन करें। इसमें अपनी रुचि को सर्वोच्च स्थान दें।

ऐसा करने से आपको अपनी सीमाओं का पता चल जाएगा और आप अपनी हद में रहकर संकल्प ले सकेंगे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो संकल्प अति उत्साह या आवेग में लिया हुआ होगा, जिसका ज्वार बहुत जल्दी उतर जाता है। ऐसे में व्यक्ति का संकल्प भी धरा-का-धरा रह जाता है। इसका असर इतना विपरीत होता है कि व्यक्ति निराश एवं हताश हो जाता है, जिससे उसके दूसरे कार्य भी बिगड़ जाते हैं। उसका संपूर्ण व्यक्तित्व नकारात्मक दिशा में जा सकता है।

नहीं मिल रही है नौकरी, तो करें...

अगर सभी योग्यता और डिग्री होने के बाद भी आपको नौकरी नहीं मिल रही है। भरपूर प्रयत्न करने के बाद भी आप जॉब मार्केट में कंपनियों का ध्यान आकर्षित नहीं कर पा रहे हैं। आप इंटरव्यू में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो आपको सेल्फ एनालिसिस करना होगा।

इससे आप अपनी खूबियों को पहचान सकेंगे और उन्हें जॉब्स ढूंढने में उपयोग कर सकते हैं। कुछ खास बातें जो आपको नौकरी दिलाने में मददगार हो सकती हैं-

कम्युनिकेशन बढ़ाएं- सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट?स पर सक्रिय रहें। लोगों से मिलें। हर जॉब पोर्टल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना चाहिए। नौकरी की अपनी जरूरतों को स्पष्ट रूप से बता देना चाहिए। ई-मेल या फोन करने की बजाय लोगों से सीधे मिलें। इससे आपका प्रभाव लोगो पर अच्छा पड़ेगा।

विकल्पों पर रखें नजर- आप जिस क्षेत्र में नौकरी करना चाहते हैं, उससे जुड़ी कंपनियों के वर्क कल्चर और हायरिंग प्रोसेस के बारे में जानकारी जुटाएं। कुछ ऐसी कंपनियों पर भी गौर कर सकते हैं, जो अलग-अलग तरह के काम करवाती हैं।

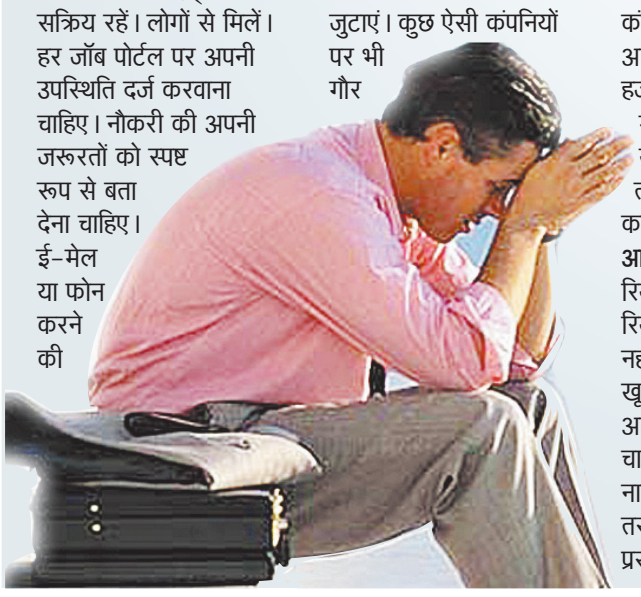

अपनी खूबियों को पहचानें- नौकरी ढूंढने से पहले आपको अपनी खूबियों की बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात की भी जानकारी रखें कि आज जॉब्स देने वाली कंपनियों की जरूरतें क्या हैं। आजकल एक नौकरी के लिए हजारों आवेदन आते हैं, ऐसे में आपमें कुछ खास योग्यताएं होनी चाहिए , ताकि आप वह जॉब हासिल कर सकें।

आकर्षक हो रिज्यूमे- आपका रिज्यूमे आकर्षक होना चाहिए। रिज्यूमे में ओवरलोड कंटेंट नहीं होगा चाहिए। अपनी खूबियां संक्षेप में होनी चाहिए। आपका प्रोफाइल खास होना चाहिए। अपनी पसंद और नापसंद और काम करने के तरीके के बारे खास तरीके से प्रस्तुति दें।

इंटरव्यू के लिए खास बातें

ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है।कई कंपनियों में तो कैंडिडेट?स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं।

बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर-उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है।

सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटिट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें।

अपने इम्प्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इम्प्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

कहते हैं फर्स्ट इंम्प्रेशन इज़ लास्ट इम्प्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं।

समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुचें और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका

28 साल से टीवी इंडस्ट्री में एक्टिव हैं मौली गांगुली

टेलीविजन एक्ट्रेस मौली गांगुली इन दिनों सीरियल जननी- AI की कहानी में नजर आ रही हैं। पिछले 28 साल में एक्ट्रेस कहीं किसी रोज, कुसुम, नच बलिए, सूर्यपुत्र कर्ण जैसे कई हिट शोज में काम कर चुकी हैं। हालांकि, उनकी मानें तो टेलीविजन का आज का दौर काफी चिंताजनक है। इंटरव्यू में मौली ने बताया कि कैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म की वजह से टीवी का चार्म धीरे-धीरे खत्म होते जा रहा है। कई मेकर्स को शो शुरू होने के कुछ ही महीने बाद उसे बंद करन पड़ रहा है। बातचीत के दौरान, उन्होंने अपने करियर में बॉलीवुड फिल्में ठुकराने के पीछे की वजह भी बताई।

कॉम्पिटिशन बहुत बढ़ गया है

ऑडियंस अब पूरी तरह से डिवाइड हो चुकी है। ओटीटी प्लेटफार्म पर भी कई अलग-अलग चैनल हैं। जो टेलीविजन के ऑडियंस थे, उसमें से ज्यादातर ने ओटीटी का रुख कर लिया है। कॉम्पिटिशन बहुत बढ़ गया है। एक वक्त था जब टेलीविजन का अपना चार्म था। घर-घर में टीवी शोज चला करते थे, लेकिन अब ये चार्म धीरे-धीरे खत्म हो रहा है जो कि चिंताजनक भी है।

मेकर्स कुछ बदलाव लाने का सोचें, इससे पहले ही शो बंद हो जाता है

आजकल लोगों में पेशेंस बहुत कम हो गया है। रील्स की दुनिया में लोग इंतजार करना ही नहीं चाहते। उनमें पेशेंस बिलकुल नहीं हैं। हमारे शो कहीं किसी रोज के शुरूआती 3 महीने तो, ऑडियंस ने शो के जॉनर को समझने में ही लगा दिए थे। इस दौरान, वे ये जानना चाहते थे कि हमारा शो थ्रिलर है या हॉरर। 3 महीने बाद, शो क्लिक हुआ। आज के दौर में, 3 की रेटिंग भी बड़ी मानी जाती है। दुर्भाग्यवश, अब दर्शक अपना वक्त नहीं देते। मेकर्स कुछ बदलाव लाने का सोचें इससे पहले ही शो बंद हो जाता है।

फिल्मों की दुनिया में बिल्कुल फिट नहीं बैठती

शुरुआत में मुझे फिल्मों के ऑफर्स आए थे, लेकिन बॉलीवुड एक अलग दुनिया है। साथ ही कपड़े, स्क्रिप्ट, शिफ्ट्स आदि को लेकर कई रिजर्वेशन भी थे। वहीं, टेलीविजन में मैं अपने हिसाब से काम चुन सकती हूं। कुल मिलाकर, मैं फिल्मों की दुनिया में बिलकुल फिट नहीं बैठती।

कहीं किसी रोज के सीक्वल के बारे में सुना, लेकिन...

हाल ही में मैंने सुना कि हमारे शो कहीं किसी रोज का सीक्वल आने वाला है। हालांकि, सच ये है कि इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं। यदि ऐसा होता है तो बहुत अच्छी खबर होगी। जाहिर है, लीड रोल हम तो बिल्कुल नहीं निभा पाएंगे। नई कास्ट के साथ ही ये शो बन पाएगा।

बैड न्यूज में शामिल हुई अनन्या पांडे, मेहमान भूमिका में आएंगी नजर

लम्बे समय से आदित्य राय कपूर के साथ अपने रिश्ते को लेकर चर्चाओं में रही अभिनेता चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे दर्शकों के सामने अपनी पिछली फिल्म खो गए हम कहाँ में नजर आई थीं। इस फिल्म को सीधे ओटीटी पर प्रदर्शित किया गया था। दर्शकों ने इस फिल्म को खास पसन्द किया था, विशेष रूप से युवाओं ने। अब अनन्या पांडे एक बार फिर से चर्चाओं में हैं। एक तो वह आदित्य के साथ अपने ब्रेकअप को लेकर चर्चा पा रही हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हें करण जौहर ने अपनी अगली फिल्म बैड न्यूज में मेहमान भूमिका निभाने के लिए साइन किया है। इस फिल्म में विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी के फैन उनकी फिल्म 'बैड न्यूज' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। विक्की की पिछली फिल्म 'सैम बहादुर' और तृप्ति की 'एनिमल' थी। खास बात ये है कि दोनों फिल्में पिछले साल 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। बहरहाल 'बैड न्यूज' को लेकर नई अपडेट ये है कि इस फिल्म से एक्ट्रेस अनन्या पांडे भी जुड़ गई हैं। इसके साथ ही अनन्या के किरदार से भी पर्दा उठ चुका है। ई-टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में अनन्या मेहमान भूमिका में नजर आएंगी। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग पहले ही पूरी कर ली है। अनन्या एक लोकप्रिय फिल्म स्टार की भूमिका निभाएंगी। उनका किरदार कहानी में ट्विस्ट लाएगा। पंजाबी गायक एमी विर्क भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। फिल्म 19 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म के निर्देशक आनंद तिवारी और प्रोड्यूसर करण जौहर हैं। अनन्या की बात करें तो उनकी पिछली फिल्म खो गए हम कहां थी। इन दिनों वह कंट्रोल की शूटिंग में बिजी हैं।

नोरा के नारीवाद को बकवास कहने वाले कमेंट पर भड़कीं ऋचा

ऋचा चड्ढा संजय लीला भंसाली की फिल्म हीरामंडी- द डायमंड बाजार में अपने अभिनय के लिए प्रशंसा बटोर रही हैं। अभिनेता ने नेटफ्लिक्स सीरीज में लज्जो का किरदार निभाया है। कम स्क्रीन टाइमिंग के बावजूद अभिनेत्री दर्शकों के बीच अपनी अमिट छाप छोड़ने में कामयाब रही हैं। अब हाल ही में ऋचा ने एक इंटरव्यू में नोरा के महिला सशक्तिकरण वाले बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है। एक नए साक्षात्कार में , जब ऋचा से नोरा फतेही की महिला सशक्तिकरण को लेकर हालिया टिप्पणी के बारे में पूछा गया, जहां उन्होंने कहा था कि महिलाएं पालन-पोषण करने वाली होनी चाहिए। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि वह इस बात से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। ऋचा का मानना है कि महिलाओं को यह बताने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है कि उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। ऋचा ने कहा, नारीवाद के बारे में अच्छी बात यह है कि यह उन लोगों को स्वीकार करता है ,जो नारीवाद के लाभ चाहते हैं, लेकिन नारीवादी होने से इनकार करते हैं। नारीवाद की वजह से ही कोई महिला अपना करियर बना पाती है, चुन पाती है, जो मन चाहे वह पहन पाती है, वह काम करती है, जहां वह स्वतंत्र होना चाहती है। इसलिए महिलाओं के यह बताना की उन्हें क्या करना चाहिए, यह काफी गलत है। ऋचा ने आगे कहा, सभी भूमिकाओं को लिंग भूमिकाओं के रूप में नहीं, बल्कि उन्हें एक इंसान के रूप में परिभाषित करना चाहिए। मैं इस बात से पूरी तरह सहमत नहीं हूं कि महिलाओं को ऐसा ही होना चाहिए और नारीवाद सच में बकवास है। मुझे यह सोचकर भी अजीब सा लग रहा है कि लोग ऐसे भी बयान देते हैं। यह सब तब शुरू हुआ जब नोरा फतेही ने एक शो में कहा था, नारीवाद। मैं इस बकवास पर विश्वास नहीं करती। असल में, मुझे लगता है, नारीवाद ने हमारे समाज को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है...नारीवाद युग ने अब बहुत से पुरुषों का भी ब्रेनवॉश कर दिया है।

संजय लीला भंसाली की सादगी पर फिदा हैं मनीषा

अभिनेत्री मनीषा कोइराला इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। वे संजय लीला भंसाली के भव्य शो हीरामंडी में मल्लिकाजान की भूमिका में नजर आ रही हैं। दर्शकों को इस शो में उनका किरदार काफी पसंद आ रहा है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान मनीषा अपनी फिल्म खामोशी- द म्यूजिकल के बारे में बातें करती नजर आईं। इस फिल्म का निर्देशन भी संजय लीला भंसाली ने ही किया था।

संजय हैं सादादिल इंसान

मनीषा कोइराला ने कई साल बाद एक बार फिर से संजय लीला भंसाली के साथ हीरामंडी में काम किया है। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें निर्देशक में कुछ बदलाव महसूस होता है क्या। इस सवाल के जवाब में वे कहती हैं, उनके आसपास और उनके लिए बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन वे अब भी वैसे ही हैं। संजय जरा भी नहीं बदले हैं। उनमें एक सादगी जो खामोशी के वक्त मैंने महसूस किया था वो आज भी है। जब मनीषा कोइराला से संजय लीला भंसाली के गुस्सैल स्वभाव के बारे में पूछा गया तब उन्होंने कहा, पहले ये बताइए गुस्सा किसे नहीं आता। मुझे आता है और मैं करती हूं। हम सब इंसान हैं। पता है दिक्कत क्या है हम मान लेते हैं कि जो मशहूर हैं वे गुस्सा नहीं कर सकते हैं। उन्हें परफेक्ट होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं होता है। गुस्सा, हंसना-रोना सब इंसान होने की निशानी है और संजय भी इंसान हैं।

जॉन-बिपाशा के साथ अपने रिश्तों पर बोले डीनो

अभिनेता डीनो मोरिया का जब भी जिक्र होता है उनके साथ जॉन अब्राहम और बिपाशा बसु का भी नाम आ ही जाता है। ऐसा माना जाता था कि जॉन और डीनो मोरिया के बीच में बिपासा को लेकर प्रतिद्वंद्विता थी, लेकिन पिछले दिनों डीनो इस विषय पर खुलकर बातें करते नजर आए। उन्होंने वर्षों पुरानी गलतफहमी को सबके सामने साफ कर दिया। आइए आपको बताते हैं डीनो मोरिया ने अपने और जॉन के रिश्ते को लेकर क्या कुछ कहा है। डीनो मोरिया और जॉन अब्राहम ने मॉडलिंग से फिल्मों की ओर एक साथ रुख किया था। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जब डीनो से उनके और जॉन के रिश्तों के बारे में सवाल किया गया तब वे बोले, सबसे पहले तो मैं एक चीज साफ कर देना चाहता हूं कि कभी भी जॉन को लेकर मेरे मन में प्रतिद्वंद्विता नहीं थी। हम तब भी दोस्त थे और आज भी हैं। पिछले दिनों मैंने उसे कॉल किया था कि साथ में ड्राइव पर चलते हैं। डीनो मोरिया आगे कहते हैं, लोगों को लगने लगा था कि उनकी वजह से बिपाशा से मेरा ब्रेकअप हो गया है, लेकिन यह सच नहीं था। जॉन के आने से काफी पहले हमारा रिश्ता खत्म हो चुका था।

अनन्या से ब्रेकअप के महीने भर बाद सारा अली खान से जुड़ा आदित्य रॉय कपूर का दिल?

बॉलीवुड के गपशप गलियारों में अटकलें चल रही हैं कि एक्टर आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान शहर के सबसे हॉट नए जोड़े हो सकते हैं। नए सिंगल हंक को उनके डायरेक्टर अनुराग बसु के बर्थडे पर सारा अली खान के साथ देखा गया था, जो फिल्म मेट्रो... इन दिनों में उनकी को-स्टार भी हैं। निर्देशक बुधवार को अपना बर्थडे मना रहे थे और उन्होंने अपना खास दिन अपने कुछ करीबी दोस्तों के साथ मनाया, जिनमें उनकी आगामी फिल्म के लीड एक्टर्स भी शामिल थे। पार्टी से एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें डायरेक्टर अपने मेहमानों को जन्मदिन का केक देने के लिए उनके पास पहुंचते दिख रहे हैं। दोनों के वहां एक साथ होने से उनके कथित अफेयर के बारे में अटकलें तेज हो रही हैं। जबकि कुछ का मानना है कि दोनों सिर्फ एक फिल्म के लिए साथ हो सकते हैं, दूसरों ने यह कहते हुए इसे खारिज कर दिया कि वे सिर्फ को-एक्टर्स हैं।

मेट्रो इन दिनों की कास्ट

एक फैन ने कहा, वे मेट्रो 2 को एक साथ फिल्मा रहे हैं। यह करण के शो में अनन्या वाले एपिसोड के साथ भी सामने आया था। स्ङ्खह्म्ङ्क सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर अनुराग बसु की आगामी फिल्म मेट्रो... इन दिनों में ऑन-स्क्रीन कपल का रोल करेंगे, जो अब 13 सितंबर, 2024 को रिलीज होगी। यह फिल्म अनुराग बसु की 2007 की फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो का सीक्वल है। मेट्रो इन दिनों में अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेनशर्मा, अली फज़ल और फातिमा सना शेख जैसे कलाकार शामिल होंगे।

अनन्या पांडे के साथ ब्रेकअप

मेट्रो... इन दिनों पहले दिसंबर 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसे 29 मार्च, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। बता दें कि जो क्लिप वायरल हुई है उसमें एक तरफ दो खड़े लोग आदित्य और सारा बताए जा रहे हैं। क्लिप में निर्देशक को आदि के मुंह में केक फेंकने का इशारा करते हुए भी देखा जा सकता है। दूसरी तरफ, आदित्य ने कथित तौर पर अनन्या पांडे के साथ अपना 2 साल का रिश्ता खत्म कर दिया है। दूसरी ओर, सारा अपने रोमांस के बारे में बढ़ती दिलचस्पी के बाद अपनी लव लाइफ को सीक्रेट रख रही हैं।

'आवेशम' के डॉन फहद फाजिल करेंगे हिंदी फिल्मों का रुख!

मलयामल फिल्म अभिनेता फहद फाजिल भारतीय सिनेमा के बहुमुखी अभिनेताओं में से एक हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'आवेशम' को काफी पसंद किया गया। इस फिल्म में उन्होंने एक गुंडे का किरदार निभाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'आवेशम' इस साल आठवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली दक्षिण भारतीय फिल्म है। अब एक साक्षात्कार में फहद ने हिंदी सिनेमा में काम करने की इच्छा जाहिर की है।

5 साल पहले मिला था हिंदी फिल्म का ऑफर

फहद फाजिल मलयालम के अलावा तमिल और तेलुगु सिनेमा में भी अपना हाथ आजमा चुके हैं। उन्होंने अभी तक एक भी हिंदी फिल्म नहीं की है। हाल ही में, दिए गए एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि लगभग पांच-छह साल पहले एक बार विशाल भारद्वाज ने उनसे बॉलीवुड फिल्म के लिए संपर्क किया था। हालांकि, कुछ कारणों की वजह से बात नहीं बन पाई। बातचीत के दौरान अभिनेता ने कहा, 'मेरे पास हिंदी फिल्म की जो पहली स्क्रिप्ट आई थी। मैंने उसके लिए हां कह दिया था। यह पांच-छह साल पहले की बात है। विशाल भारद्वाज उसे सही जगह नहीं रख सके। आखिरकार उन्हें वह फिल्म किसी और अभिनेता के साथ करनी पड़ी और तब तक मैं आगे बढ़ चुका था।'

हिंदी फिल्में करने की जताई इच्छा

साक्षात्कार के दौरान जब फहद फाजिल से पूछा गया कि क्या वह कभी हिंदी फिल्में करेंगे? इस पर अभिनेता ने कहा, 'मैं बहुत कम हिंदी समझता हूं। इसलिए मुझे फिल्म में किसी दक्षिण भारतीय की भूमिका निभानी होगी। मैं हिंदी फिल्में करने के लिए तैयार हूं। मैंने तेलुगु फिल्में की हैं, तमिल फिल्में की हैं। इसलिए मैं हिंदी फिल्में भी करना चाहता हूं, लेकिन मुझे नहीं पता मैं ये कब करूंगा।' अभिनेता ने बातचीत के दौरान साझा किया कि बॉलीवुड के निर्देशक और निर्माता करण जौहर सहित बॉलीवुड के कई अभिनेताओं के साथ उनके दोस्ताना रिश्ते हैं। उन्होंने कहा कि केजेओ अक्सर उनकी फिल्में देखने के बाद उन्हें फोन करते हैं।

भाभी जी की छोटे पर्दे पर होगी वापसी, इस शो में आएंगी नजर!

छोटे पर्दे की भाभी जी यानी शिल्पा शिंदे लंबे वक्त से पर्दे से दूरी बनाए हुए हैं। खबर आ रही है कि वह खतरों के खिलाड़ी 14 का हिस्सा हो सकती हैं। झलक दिखला जा 10 के दौरान चैनल के साथ उनका कुछ झगड़ा हो गया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर जज करण जौहर और नोरा फतेही की आलोचना की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करीब दो साल बाद शिल्पा का चैनल के साथ विवाद खत्म हो गया है। वहीं, खतरों के खिलाड़ी 14 इन दिनों खूब सुर्खियों में बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

सेहत से भरपूर बादाम का तोहफा देकर मनाइये मदर्स डे

मुंबई, एजेंसी। ऐसा कोई एक दिन नहीं हो सकता, जब हम अपने जीवन में अपनी माँ के अनमोल योगदान का आभार जताएं। हमारी देखभाल करने वाले के रूप में माँ हमारी सेहत को अपनी सेहत से ज्यादा महत्व देती है। इस मदर्स डे पर माँ की सेहत और तंदुरुस्ती का ध्यान रखकर उनके निस्वार्थ प्रयासों को सम्मान देना जरूरी है। अपनी माँ को बादाम का एक सुंदर-सा डिब्बा उपहार में दिया जा सकता है। माँ की अच्छी सेहत सुनिश्चित करने के लिये यह तरीका कारगर होगा। बादाम में कुछ मौलिक पोषक-तत्व होते हैं, जो पूरी तंदुरुस्ती को बढ़ाते हैं। ऐसे में बादाम मदर्स डे पर तोहफे में देने के लिये सबसे बढ़िया हैं। बादाम में प्रोटीन, ज़िंक, मैग्नीशियम, आयरन, कैल्शियम, फॉस्फोरस और विटामिन 'ई' आदि होते हैं। अच्छी तरह से संतुलित आहार के तहत रोजाना मुट्ठीभर बादाम खाने से सेहत को कई फायदे मिलते हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री एवं सेलीब्रिटी सोहा अली खान ने कहा, ''बादाम मेरे परिवार की पीढ़ियों से एक पसंदीदा परंपरा हैं और इसके लिये मेरी माँ की बुद्धिमत्ता को धन्यवाद। मैंने यह तय किया है कि बादाम लगातार मेरे परिवार की डाइट में भी बनी रहें। मुझे अपनी डाइट में बादाम को शामिल करने से त्वचा की सेहत को बेहतर बनाने में मदद मिली है। फिटनेस एण्ड सेलेब्रिटी इंस्ट्रक्टर यास्मिन कराचीवाला ने कहा, ''फिटनेस को पसंद करने के कारण मैं बादाम जैसी पौष्टिक चीजों से शरीर के पोषण का जितना महत्व बता सकूं, वह कम ही होगा।

पेटीएम के शेयर का यू-टर्न, खरीदने की लूट

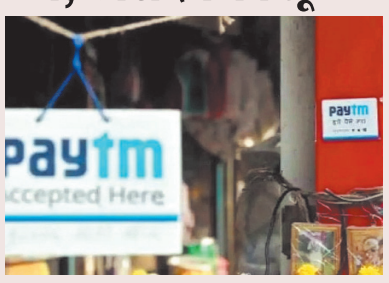

नईदिल्ली, एजेंसी। बाजार में मचे हाहाकार के बीच फिनटेक फर्म पेटीएम के शेयरों में गुरुवार को भारी उतार-चढ़ाव का माहौल रहा। शुरुआती कारोबार में पेटीएम के शेयर ने ऑल टाइम लो 310 रुपये को टच किया। इसके कुछ ही देर बाद शेयर की खरीदारी बढ़ गई और इसमें 5 फीसदी का अपर सर्किट लग गया। इस दौरान शेयर 333 के इंट्राडे उच्चतम स्तर को छू गया। बता दें कि पेटीएम कंपनी शेयर बाजार में वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के नाम से लिस्टेड है। शेयर बाजार विशेषज्ञों के अनुसार पेटीएम के शेयरों का 300 प्रति शेयर के स्तर पर एक मजबूत आधार है। यह शेयर 370 रुपये के निशान पर रखी गई तत्काल बाधा को पार करने के बाद यह 420 से 430 प्रति शेयर के स्तर को छू सकता है। ब्रोकरेज आनंद राठी के गणेश डोंगरे ने कहा कि पेटीएम शेयर की कीमत ने टेक्नीकल चार्ट पैटर्न पर 300 प्रति शेयर के स्तर पर एक महत्वपूर्ण आधार बनाया है। जिनके पोर्टफोलियो में पेटीएम शेयर हैं, वे 370 के तत्काल लक्ष्य के लिए 300 प्रति शेयर पर स्टॉप लॉस बनाए रखते हुए शेयर को होल्ड कर सकते हैं। मध्यम अवधि का नजरिया रखने वाले लोग इस शेयर को 2-3 महीने के लिए 430 प्रति शेयर के लक्ष्य के लिए अपने पास रख सकते हैं। आनंद राठी के गणेश डोंगरे ने सुझाव दिया कि नए निवेशक 370 प्रति शेयर के शॉर्ट टर्म टारगेट के लिए अभी शेयर खरीदने पर विचार कर सकते हैं। जब यह 370 की बाधा को पार कर जाता है। यह सफलता स्टॉक को 420 से 430 प्रति स्तर तक पहुंचने के लिए प्रेरित कर सकती है । 440 प्रति शेयर स्तर से आगे निकलने पर यह शेयर 740 से 750 प्रति शेयर स्तर तक पहुंच सकता है।

चुनौतियों के बाद भी 115 देशों को बढ़ा भारत से निर्यात; शीर्ष-10 देशों में 13 फीसदी ज्यादा वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद 2023-24 में कुल 238 देशों में से 115 में भारत से निर्यात बढ़ा है। अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, चीन, ब्रिटेन, सऊदी अरब, सिंगापुर, बांग्लादेश, जर्मनी और इटली समेत 115 देशों को कुल निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 46.5 फीसदी है। वाणिज्य मंत्रालय के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने 2023-24 में कुल 778.2 अरब डॉलर का निर्यात किया। यह आंकड़ा 2022-23 के 776.4 अरब डॉलर से 0.23 फीसदी ज्यादा है। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद 2022-23 में कुल निर्यात उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

17 उत्पादों में मजबूत वृद्धि

कमोडिटी के मोर्चे पर बीते वित्त वर्ष के दौरान 17 उत्पादों के निर्यात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। देश के कुल निर्यात में इनकी 48.4 फीसदी हिस्सेदारी है। जिन 17 उत्पादों का निर्यात बढ़ा है, उनमें इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, कॉटन और हैंडलूम शामिल हैं। इसके अलावा, रूस (35.41त्न), रोमानिया (138.84त्न) और अल्बानिया (234.97त्न) जैसे देशों को निर्यात में उच्च वृद्धि दर्ज की गई है।

वैश्विक वस्तु निर्यात में बढ़ी देश की हिस्सेदारी

2023-24 में देश से सेवा निर्यात 4.8 फीसदी बढ़कर 341.1 अरब डॉलर पहुंच गया। वैश्विक वस्तु निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 2014 के 1.70 फीसदी से बढ़कर 2023 में 1.82 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई। वैश्विक माल निर्यातकों में भारत 19वें से 17वें स्थान पर आ गया है।

एसआईपी के जरिए रिकॉर्ड 20,371 करोड़ का निवेश, इक्विटी म्यूचुअल फंड में 16 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये म्यूचुअल फंड में निवेश अप्रैल, 2024 में पहली बार 20,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। इस अवधि में एसआईपी निवेश मार्च, 2024 के 19,271 करोड़ से बढ़कर अब तक के उच्चतम स्तर 20,371 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हालांकि, इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश मार्च के 22,633 करोड़ से 16 फीसदी घटकर 18,917 करोड़ रुपये रहा। लार्जकैप फंड में निवेश प्रवाह कम होने से इक्विटी म्यूचुअल फंड में गिरावट आई है। यह लगातार 38वां महीना है जब इक्विटी फंड में शुद्ध प्रवाह हुआ है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के मुताबिक, पिछले महीने म्यूचुअल फंड उद्योग में 2.4 लाख करोड़ रुपये का प्रवाह हुआ है। मार्च में 1.6 लाख करोड़ की निकासी हुई थी।

उद्योग का एयूएम बढ़कर 57.26 लाख करोड़ रुपये

म्यूचुअल फंड उद्योग में प्रबंधन के अधीन शुद्ध परिसंपत्तियां (एयूएम) अप्रैल में बढ़कर 57.26 लाख करोड़ रुपये पहुंच गईं। मार्च अंत में यह 53.54 लाख करोड़ थीं। लार्जकैप फंड में निवेश तेजी से घटकर 357 करोड़ रह गया। मार्च में यह 2,128 करोड़ था। ईएलएसएस में 144 करोड़ रुपये की निकासी हुई।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने सामाजिक क्षेत्र के स्टार्ट-अप को 19.6 करोड़ रुपये के अनुदान से सपोर्ट की

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने आज वित्त वर्ष 2024 के लिए अपने परिवर्तन स्टार्ट-अप अनुदान कार्यक्रम के विजेताओं की घोषणा की है। इस वर्ष सामाजिक प्रभाव उद्यमिता के क्षेत्र में 41 इनक्यूबेटर और एक्सेलेरेटर को विशिष्ट फोकस क्षेत्रों में काम करने वाले 170 स्टार्ट-अप का समर्थन करने के लिए कुल 19.6 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त होगा। इस वर्ष का कार्यक्रम नीति आयोग के तहत भारत सरकार की पहल अटल इनोवेशन मिशन के साथ साझेदारी में शुरू किया गया है। 2024 अनुदान के मुख्य फोकस क्षेत्रों में जलवायु नवाचार, वित्तीय समावेशन, कृषि और सतत ग्रामीण अर्थव्यवस्था, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और आजीविका संवर्धन, लिंग विविधता और समावेशन शामिल हैं।

जिन स्टार्ट-अप्स को अनुदान मिला है, वे उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों से आए हैं, जिनमें से सबसे बड़ी संख्या महाराष्ट्र से है। एचडीएफसी बैंक की प्रमुख सीएसआर सुश्री नुसरत पठान ने कहा, हमारा परिवर्तन स्टार्ट-अप अनुदान कार्यक्रम सामाजिक नवाचार को बढ़ावा देने और हमारे समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इनोवेशन समाज की विकास आवश्यकताओं को पूरा करने की कुंजी है। रणनीतिक सहयोग और लक्षित निवेश के माध्यम से, हमारा लक्ष्य प्रमुख क्षेत्रों में नवोन्मेषी सामाजिक स्टार्ट-अप के प्रभाव को पोषित करना और बढ़ाना है, जो अंततः सभी के लिए अधिक टिकाऊ और समावेशी भविष्य में योगदान देगा।

यह अनुदान उभरते इनक्यूबेटरों आईआईटी मद्रास में एचटीआईसी, आईआईटी रोपड़ में अवध, टी-हब (हैदराबाद), एफआईटीटी - आईआईटी दिल्ली, आईआईएसईआर (कोलकाता) में राइज फाउंडेशन, वीजेटीआई (मुंबई), फोर्ज फॉरवर्ड (कोयंबटूर) जैसे अग्रणी और एनआईएफटीईएम (किंडली) में एनटीआईबीआईएफ को अनुदान प्रदान किया गया। इस वर्ष के कुछ उच्च प्रभाव वाले ट्रैक नोडल एजेंसियों - आरबीआई-एच, एमओएफपीआई, एनएसडीसी और गोवा स्टार्ट-अप मिशन के सहयोग से विकसित किए गए थे। इन इनक्यूबेटरों के माध्यम से अनुदान प्राप्तकर्ताओं में अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण आर्थिक मूल्य जोड़ते हुए सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव का प्रदर्शन करने वाले नवोन्वेषी स्टार्ट-अप शामिल हैं। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड, ट्रेजरी, अरूप रक्षित ने कहा, हमें उन सामाजिक स्टार्ट-अप का समर्थन करने पर गर्व है जो हमारे समुदायों में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं।

11 प्रतिशत बढ़ा टाटा पावर का प्रॉफिट, बनाया तगड़ा प्लान, 490 तक जाएगा भाव!

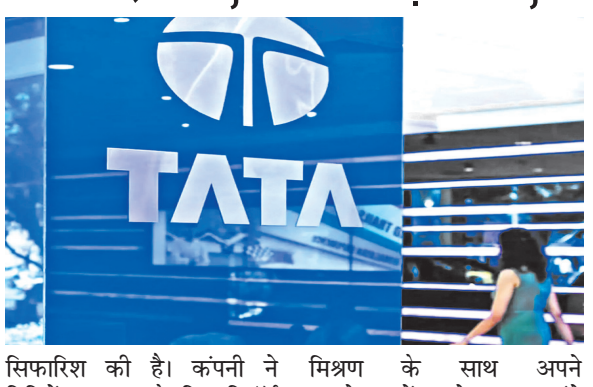

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा पावर ने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर प्रॉफिट 11 प्रतिशत बढ़कर 1,046 करोड़ रुपये रहा है। मुख्य रूप से आय बढ़ने से कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2022-23 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसे 939 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। टाटा पावर की कुल आय 2023-24 की चौथी तिमाही में बढ़कर 16,463.94 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 13,325.30 करोड़ रुपये थी।

टाटा पावर के निदेशक मंडल ने एक रुपये फेस वैल्यू के शेयर पर 2 रुपये प्रति इक्विटी (200 प्रतिशत) के फाइनल डिविडेंड की सिफारिश की है। कंपनी ने डिविडेंड भुगतान के लिए रिकॉर्ड तारीख चार जुलाई, 2024 तय की है।

टाटा पावर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक प्रवीर सिन्हा ने कहा-हमारी क्लीन एनर्जी उत्पादन क्षमता वित्त वर्ष 2026-27 तक 15 गीगावाट तक पहुंच जाएगी। हम सोलर, विंड और पंप हाइड्रो के मिश्रण के साथ अपने उपभोक्ताओं को 24 घंटे रिन्यूएबल एनर्जी की आपूर्ति करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि बिजली वितरण क्षेत्र निजीकरण के लिए खुलता है तो कंपनी क्षेत्र में नये अवसरों का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसके साथ ही टाटा पावर ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) में 20,000 करोड़ रुपये के कैपिटल एक्सपेंस की योजना बनायी है। यह बीते वित्त वर्ष की तुलना में 66 प्रतिशत अधिक है। कंपनी इस पूंजीगत व्यय के साथ ऊर्जा बदलाव से जुड़ी परियोजनाओं पर ध्यान देगी।

टाटा पावर शेयरों पर आनंद राठी के गणेश डोंगरे ने कहा कि कंपनी के शेयरों का 420 प्रति शेयर पर मजबूत आधार है। पोर्टफोलियो में इस एनर्जी स्टॉक वाले लोगों को 420 पर स्टॉप लॉस बनाए रखते हुए शेयर को होल्ड करने की सलाह दी जाती है। स्टॉक को 465 पर ब्रेकआउट का सामना करना पड़ रहा है। एक बार जब यह इस बाधा को पार कर जाता है तो यह 485 से 490 प्रति स्तर तक जा सकता है। बता दें कि टाटा पावर का यह शेयर 435 रुपये के स्तर पर बंद हुआ।

कुमार मंगलम बिड़ला के हिन्डाल्को का तगड़ा प्लान, नोवेलिस का आईपीओ रचेगा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। अरबपति कुमार मंगलम बिड़ला की हिंडाल्को इंडस्ट्रीज एक तगड़ा प्लान कर रही है। एल्युमीनियम प्रोडक्ट्स बनाने वाली नोवेलिस यूएस मार्केट में लिस्ट होने की योजना बना रही है।हिंडाल्को ने 2007 में अरबों डॉलर के सौदे में नोवेलिस को खरीदा था। हिन्डाल्कों की अमेरिकी यूनिट नोवेलिस की योजना लगभग 1.2 अरब डॉलर का आईपीओ लाने की है। अगर ऐसा हुआ तो यह इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है। सूत्रों ने कहा कि हिंडाल्को अटलांटा स्थित नोवेलिस के लिए लगभग 18 अरब डॉलर के मूल्यांकन का लक्ष्य रख सकता है। सूत्रों के मुताबिक सितंबर तक नोवेलिस को न्यूयॉर्क में लिस्ट हो सकता है। अभी यह अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग से मंजूरी का मिलने का इंतजार कर रहा है। नोवेलिस फ्लैट-रोल्ड एल्यूमीनियम प्रोडक्ट्स की दुनिया की सबसे बड़ी निर्माता कंपनी है, जिसका उपयोग कारों से लेकर सोडा कैन तक कई प्रकार के सामानों में किया जाता है। नोवेलिस ने फरवरी में कहा था कि उसने एसईसी के पास लिस्टिंग के लिए गोपनीय रूप से आवेदन किया था।

बैंक कर्मचारियों को सुप्रीम कोर्ट का झटका, जीरो या लो इंटरेस्ट लोन पर देना होगा टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी बैंक कर्मचारियों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। एक ऐतिहासिक फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि बैंक कर्मचारियों को दिए गए ब्याज मुक्त या रियायती दर पर लोन का लाभ एक 'अनुलाभ' है और इसलिए यह आयकर अधिनियम के तहत टैक्सेबल है। यह फैसला न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने सुनाया। फैसले ने विशेष रूप से आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(2) और आयकर नियम, 1962 के नियम 3(7) की वैधता को बरकरार रखा। इसमें कहा गया है कि प्रावधान न तो अन्यायपूर्ण है, न ही क्रूर है और न ही करदाताओं पर कठोर।

नियम के अनुसार, जब कोई बैंक कर्मचारी जीरो इंटरेस्ट या रियायती कर्ज लेता है तो वह सालाना जितनी राशि बचाता है, उसकी तुलना एक सामान्य व्यक्ति द्वारा भारतीय स्टेट बैंक से उतनी ही राशि का लोन लेकर भुगतान की जाने वाली राशि से की जाती है, जिस पर बाजार लगता है और यह कर योग्य होगा।

न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि ब्याज मुक्त या रियायती कर्ज के मूल्य को अनुलाभ के रूप में टैक्स लगाने के लिए अन्य लाभ या सुविधा के रूप में माना जाना चाहिए। नियोक्ता द्वारा ब्याज मुक्त या रियायती दर पर कर्ज देना निश्चित रूप से फ्रिंज बेनिफिट और अनुलाभ के रूप में योग्य होगा, जैसा कि आम बोलचाल में इसके नेचुरल यूजेज से समझा जाता है। न्यायमूर्ति खन्ना और न्यायमूर्ति दत्ता ने 'अनुलाभ' की प्रकृति के बारे में स्पष्ट करते हुए बताया कि यह रोजगार की स्थिति से जुड़ा एक लाभ है, जो 'वेतन के बदले लाभ' से अलग है। यह सेवाओं के लिए मुआवजा है। अनुलाभ रोजगार के लिए आकस्मिक हैं और रोजगार की स्थिति के कारण लाभ प्रदान करते हैं, जो सामान्य परिस्थितियों में उपलब्ध नहीं होते हैं। कोर्ट ने ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स फेडरेशन और अन्य संस्थाओं द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया। इसमें तर्क दिया गया था कि इस वर्गीकरण में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड को आवश्यक विधायी कार्यों का अत्यधिक और अनिर्देशित प्रतिनिधिमंडल शामिल है।

मध्य प्रदेश में अपस्टॉक्स के 80 प्रतिशत उपयोगकर्ता मिलेनियल, समझदारी से निवेश करने की दिशा में सहायक साबित हो रहा है अपस्टॉक्स

भोपाल। देश के प्रमुख वेल्थ मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म में से एक अपस्टॉक्स ने खुदरा निवेशकों को सही दिशा में निवेश करने के लिए सशक्त बनाने के उद्देश्य से अनेक नए कदम उठाए हैं। अपस्टॉक्स का प्रयास है कि अपने उपयोगकर्ताओं को वित्तीय बाजार की जटिलताओं को समझाते हुए पूरे आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ नेविगेट करने में मदद की जाए। अपने शोध के माध्यम से, अपस्टॉक्स ने माना है कि निवेश में कामयाबी हासिल करने से पहले कीयात्रा अक्सर चुनौतियों से भरी होती है - वित्तीय उत्पादों की गलत बिक्री, भ्रामक सलाह, सूचनाओं का ओवरडोज और जटिल शब्दजाल। इससे अक्सर ऐसे निर्णय हो सकते हैं जो किसी व्यक्ति के वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप नहीं हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, उपयोगकर्ता अक्सर म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय आवश्यक जोखिम और एक्सपेन्स मीट्रिक पर रिटर्न को प्राथमिकता देते हैं। इस तरह की प्रथाओं के परिणामस्वरूप गलत जानकारी वाले निर्णय होते हैं, जिससे निवेशकों को नुकसान भी होता है और उनके मन में अविश्वास घर करने लगता है। इन चुनौतियों को पहचानते हुए, अपस्टॉक्स ने अपने उपयोगकर्ताओं के लिए जटिलताओं को संभालने की पहल की है। कंपनी बाजार की खिच-खिच (शोर) को कम करना चाहती है और उपयोगकर्ताओं को उनके लिए उपयुक्त उपकरणों में निवेश करके धन बनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहती है। वर्तमान में, अपस्टॉक्स देश भर के टियर 2 और टियर 3 शहरों के अधिकांश ग्राहकों के साथ 1.3 करोड़ से अधिक के कस्टमर बेस को अपनी सेवाएं प्रदान करता है। विशेष रूप से, मध्य प्रदेश अपस्टॉक्स के ग्राहक आधार में योगदान देने वाली एक प्रेरक शक्ति के रूप में खड़ा है। राज्य के कुल अपस्टॉक्स उपयोगकर्ताओं में से 80 प्रतिशत से अधिक मिलेनियल्स हैं; भोपाल से सबसे अधिक भागीदारी है। अपस्टॉक्स उपयोगकर्ताओं के बीच इम्टी भागीदारी के मामले में अन्य शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शहरों की बात की जाए, तो इनमें इंदौर, ग्वालियर, छिंदवाड़ा और जबलपुर के नाम सामने आते हैं। दिलचस्प बात यह है कि अपस्टॉक्स ने देखा है कि राज्य के अधिकांश उपयोगकर्ता एफएंडओ और इंट्राडे ट्रेडिंग की तुलना में इम्टी डिलीवरी पसंद करते हैं। प्रदेश में अपस्टॉक्स के यूजर बेस का एक बड़ा हिस्सा निजी क्षेत्र के कर्मचारियों और व्यवसाय मालिकों का है। अपस्टॉक्स के डायरेक्टर अमित लालन ने कहा, ''हमारा लक्ष्य अपस्टॉक्स पर ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करने के लिए अपनी सेवाओं को अपग्रेड करना और उन्हें विविधतापूर्ण बनाना है। हम हर भारतीय को सभी प्रकार के एसेट क्लास में समझदारी से निवेश करने के लिए सही समझ और उपकरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य सभी निवेशकों और व्यापारियों की ज़रूरतों के लिए वन स्टॉप शॉप बनना है। अपस्टॉक्स का विज़न हर भारतीय को सही समझ, निवेश विकल्प और वेल्थ क्रिएशन संबंधी उनके सभी प्रश्नों के उत्तर देकर उन्हें सही निवेश करने में मदद करना है। उनका नवीनतम अभियान, 'किट किट को दूर करें, बाजार में उतरें' इसी विज़न को हमारे सामने पेश करता है। इसका उद्देश्य इस बारे में जागरूकता पैदा करना है कि अपस्टॉक्स के उत्पाद किसी को सही निवेश करने में कैसे मदद करते हैं। अभियान हर उस भारतीय को लक्षित करता है जो गुमराह होने या सूचनाओं की बौछार के बारे में चिंता किए बिना धन बनाने के लिए एक दीर्घकालिक सफल निवेश यात्रा शुरू करना चाहता है।

संकट के बीच बायजू ने बदली स्ट्रैटजी, कोर्सेज की कीमतों में कटौती, सेल्स कर्मचारियों को भी राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। आर्थिक संकट से जूझ रही एडुटेक फर्म बायजू ने अपने रणनीति में बदलाव किया है। लिक्विडिटी की कमी और कानूनी चुनौतियों के बीच बायजू ने अपने प्रोडक्ट्स यानी कोर्सेज की कीमतों में भारी कटौती की है। बायजू ने अपने कोर्सेज की कीमतों में 30-40 प्रतिशत तक की कमी की है। इसके साथ ही अपने सेल्स स्टाफ के लिए सैलरी स्ट्रक्चर में भी बदलाव की घोषणा की है।

बायजू लर्निंग ऐप की एनुअल सब्सक्रिप्शन अब 12000 (टैक्स सहित) पर उपलब्ध है। नई कीमत पर बायजू क्लासेज और बायजू ट्यूशन सेंटर (बीटीसी) की पूरे साल की क्लास के लिए कीमत क्रमश- 24000 और 36000 है। बायजू ने अपने सेल्स अधिकारियों के सैलरी स्ट्रक्चर में भी बदलाव का प्रस्ताव दिया है। इस महीने की शुरुआत में बायजू ने सेल्स

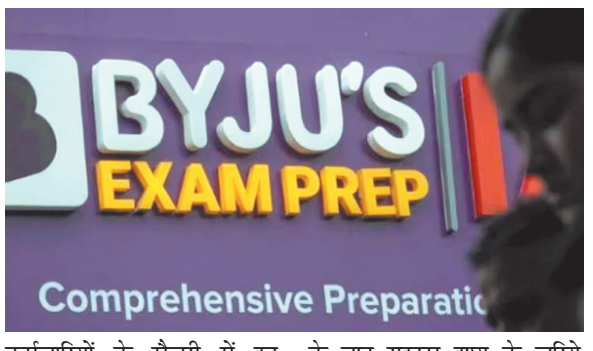

कर्मचारियों के सैलरी में इन बदलावों की घोषणा की। बता दें कि पिछले महीने बायजू के भारत के सीईओ अर्जुन मोहन ने एक बड़े पुनर्गठन के बीच इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद संस्थापक और समूह सीईओ बायजू रवीन्द्रन ने कार्यभार संभाला और रेग्युलर वर्क को देख रहे हैं। रवींद्रन ने तब कहा था कि यह पुनर्गठन बायजू 3.0 की शुरुआत का प्रतीक है।

बीते दिनों राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने बायजू के निवेशकों का पक्ष सुनने के बाद राइट्स इश्यू के जरिये जुटाई राशि के इस्तेमाल पर रोक को अगली सुनवाई तक बरकरार रखा। एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ ने निवेशकों के साथ कंपनी प्रबंधन का भी पक्ष सुना और इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 6 जून की तारीख तय की। इस पीठ ने साल की शुरुआत में अपने आदेश में कहा था कि राइट्स इश्यू के जरिये जुटाई गई राशि एक अलग एस्क्रो खाते में रखी जाए और मामले का निपटारा न होने तक इसकी निकासी न की जाए।

ग्रे मार्केट में गदर मचा रहा टीबीओ टेक का आईपीओ

नईदिल्ली, एजेंसी। टीबीओ टेक के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के पहले दिन 1.15 गुना सब्क्रिप्शन मिला। एनएसई के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 1,551 करोड़ रुपये के आईपीओ को 92,85,816 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 1,06,50,112 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) की श्रेणी को 3.13 गुना सब्क्रिप्शन मिला। वहीं, गैर-संस्थागत निवेशकों के हिस्से को 2.08 गुना सब्क्रिप्शन मिला। पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के कोटे को एक प्रतिशत सब्क्रिप्शन मिला। आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) में 400 करोड़ रुपये तक का नया इश्यू और 1,25,08,797 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। बता दें कि टीबीओ टेक ने मंगलवार को एंकर निवेशकों से 696 करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक जुटाए हैं।

लखनऊ सुपरजायंट्स ही नहीं, आईपीएल 2024 के बाद इन 4 टीमों के कप्तानों की भी छिन सकती है कप्तानी

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स से केएल राहुल की विदाई तय दिख रही है। टीम के मालिक संजीव गोयनका ने कप्तान को हैदराबाद के खिलाफ शर्मनाक हार के बाद मैदान पर सरेआम झाड़ लगाई। इसके बाद से खबरें हैं कि टीम अपने कप्तान को अगले मैच से पहले ही हटा सकती है। हालांकि, वह इकलौती ऐसी टीम नहीं है, जो ऐसा करेगी। देखा जाए तो इस सीजन के बाद कई ऐसी टीमें हैं जो अपने कप्तान को अलविदा कह सकती हैं... आईपीएल 2024 एक अलग लेवल पर खेला जा रहा है। जहां पहली बार भारतीय क्रिकेट इतिहास के तीन बड़े खिलाड़ी एमएस धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा कप्तानी से बाहर हुए तो दूसरी ओर आईपीएल 2025 से पहले मेगा ऑक्शन होगा। अगले 10 साल के लिए टीमें अपने-अपने प्लान पर काम करना शुरू कर चुकी होंगी। एक ओर जहां पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं तो कुछ टीमें ऐसी हैं, जो बॉर्डर पर खड़ी हैं। इस बीच सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शर्मनाक 10 विकेट की हार के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल को मालिक संजीव गोयनका के गुस्से का शिकार होना पड़ा। मैदान पर सरेआम केएल राहुल को डांट खाते देख जहां क्रिकेट बिरादरी और फैंस नाराज हो गए हैं तो दूसरी ओर खबरों की मानें तो कप्तानी से विकेटकीपर बल्लेबाज की विदाई तय है। संभव है कि अगले मैच से पहले ही इस पर फैसला हो जाए। मीडिया ने जब सभी टीमों पर नजर डालता है तो पाता है कि

लखनऊ सुपरजायंट्स पर अगर खबरें सही हैं तो संभव है कि इस सीजन के दौरान या खत्म होते ही केएल राहुल का पत्ता कट जाएगा। उनके अलावा भी कई टीमें हैं, जो समय का इंतजार कर रही हैं। जैसे ही सीजन खत्म होगा वह भी अपने अगले प्लान पर काम करना शुरू कर देंगी।

लखनऊ सुपरजायंट्स- केएल राहुल - टीम के मालिक संजीव गोयनका का कप्तान केएल राहुल को गुस्से में डांटने का वीडियो जब से वायरल हुआ है उसके बाद से सोशल मीडिया पर कड़ी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। फैंस की मांग है कि केएल राहुल को टीम और कप्तानी दोनों छोड़ देना चाहिए। इस बीच मीडिया में यह भी दावा किया गया कि इसी सीजन अगले मैच से पहले लखनऊ सुपरजायंट्स की कप्तानी में बदलाव संभव है। फिलहाल जो माहौल है उसे देखते ही इसी पूरी संभावना भी है कि केएल राहुल को टीम आईपीएल 2025 के लिए होने वाले मेगा ऑक्शन से पहले रिलीज कर दे।

मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या - मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 से पहले तक एक ऐसी टीम मानी जाती थी, जो प्लेयर में विश्वास रखती थी। हालांकि, रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाने के बाद हार्दिक पंड्या को लीडर की कुर्सी पर बिठाया, लेकिन इस पूरे मामले से न केवल मुंबई इंडियंस से फैंस नाराज हुए, बल्कि प्लेयर्स के बीच भी तालमेल नहीं दिखा। मीडिया में इस तरह की खबरें भी आईं कि हार्दिक की कप्तानी से टीम के लोग खुश नहीं हैं। अब टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है तो संभव है कि मुंबई के मालिक हार्दिक पंड्या पर पुनर्विचार कर रहे हों। यह देखना दिलचस्प होगा कि फ्रेंचाइजी का अगला मूव क्या होगा।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- फाफ डु प्लेसिस - फाफ डु प्लेसिस चेन्नई सुपर किंग्स से जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पहुंचे तो उन्हें विराट कोहली की जगह कप्तान बनाया गया, लेकिन अभी तक टीम के प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ा है। टीम आज भी पहले आईपीएल खिताब के लिए जूझ रही है, जबकि फाफ डु प्लेसिस के बराबर उम्र के एबी डिविलियर्स रिटायर हो चुके हैं। अब जबकि टीम को अगले 10 साल के लिए एक मजबूत टीम तैयार करना है तो संभव है कि अगले कप्तान के रूप में फ्रेंचाइजी किसी और को आजमाए। आईपीएल के मेगा ऑक्शन से पहले ही इस पर फैसला आने की उम्मीद है।

पंजाब किंग्स- शिखर धवन - शिखर धवन जब आईपीएल 2024 में आए तो उनकी फॉर्म में कोई समस्या नहीं थी। उन्होंने दिल्ली के खिलाफ 22, बेंगलुरु के खिलाफ 45 और लखनऊ के खिलाफ 70 के बाद गुजरात और हैदराबाद के खिलाफ क्रमशः 1 और 14 रन की पारी खेली। यहां शिखर धवन चोटिल हो गए और उसके बाद से टीम के साथ नहीं खेल पाए। इस बीच पंजाब किंग्स रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ शर्मनाक हार के बाद प्रीति जिंटा की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है। इस दौरान सैम करन कप्तानी कर रहे थे। फ्रेंचाइजी इस विदाई के बाद अब 39 साल के शिखर धवन से आगे देख रही होगी।

कॉलिन मनरो ने लिया संन्यास, टी20 विश्वकप टीम में जगह ना मिलने के बाद उठाया कदम

वेलिंग्टन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज कॉलिन मनरो ने टी20 विश्वकप में जगह नहीं मिल पाने के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। मनरो पिछले चार साल से सिर्फ फ्रैंचाइज क्रिकेट खेल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह आगे भी फ्रैंचाइज क्रिकेट खेलते रहेंगे। मनरो ने स्वयं को विश्वकप के लिए उपलब्ध बताया था। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने पिछले दिनों टीम की घोषणा करते हुए कहा था कि मनरो के नाम की चर्चा तो हुई थी, लेकिन उनके लिए जगह नहीं बन पाई। उन्होंने 2020 के बाद कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। मनरो ने कहा, 'न्यूजीलैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना मेरे करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि रही है और मुझे हमेशा इस पर गर्व रहेगा। मुझे उम्मीद थी कि फ्रैंचाइज क्रिकेट के फॉर्म से मैं टीम में वापस लौटूंगा, लेकिन चूंकि अब ऐसा नहीं होने वाला इसलिए मैं आधिकारिक रूप से संन्यास की घोषणा करता हूं। उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए एक टेस्ट, 57 एकदिवसीय और 65 टी-20 खेले हैं और उनके नाम वेस्टइंडीज के खिलाफ एक टी-20 मैच में शतक भी दर्ज है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 14 गेंदों में अर्धशतक लगाया था, जो कि राष्ट्रीय रिकॉर्ड है।

मुंबई के कोच बने रहेंगे ओंकार साल्वी, संजय पाटिल मुख्य चयनकर्ता

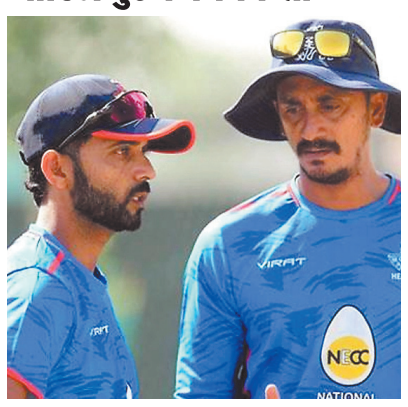

मुंबई (एजेंसी)। ओंकार साल्वी रणजी ट्रॉफी विजेता मुंबई टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे जबकि संजय पाटिल को राजू कुलकर्णी की जगह चयन समिति का नया प्रमुख चुना गया है। कुलकर्णी अब मुंबई क्रिकेट संघ की क्रिकेट सुधार समिति के प्रमुख होंगे। एमसीए ने 2024-25 के लिए एक घोषणा में कहा कि पाटिल सीनियर पुरूष अंडर 23 चयन समिति के प्रमुख होंगे जिसमें रवि ठाकेर, जीतेंद्र ठाकरे, किरण पवार और विक्रांत येलिगाति भी शामिल होंगे। मुंबई और बड़ौदा के पूर्व क्रिकेटर राजेश पवार अंडर 23 पुरूष टीम के मुख्य कोच होंगे। दिनेश लाड पुरूषों की अंडर 19 टीम के मुख्य कोच होंगे जबकि दीपक जाधव अंडर 19 चयन समिति के प्रमुख होंगे। मुंबई की सीनियर महिला टीम की मुख्य कोच सुनेत्रा परांजपे होंगी जबकि अजय कदम अंडर 23 टीम के कोच होंगे। लाया फ्रांसिस महिलाओं की सीनियर और अंडर 23 चयन समिति की प्रमुख होंगे। इसके सदस्यों में सीमा पुजारी, श्रृद्धा चव्हाण, शीतल साकरू और कल्पना कार्डोसो शामिल है। सर्वेश दामले महिला अंडर 19 टीम की मुख्य कोच और सुनीता सिंह मुख्य चयनकर्ता होंगी।

प्रीति जिंटा का दिल टूट गया, 0 पर आउट हुए लियाम लिविंगस्टोन तो उतर गया था चेहरा

धर्मशाला (एजेंसी)। पंजाब किंग्स आईपीएल 2024 के प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई। आरसीबी ने उसे हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। इस जीत की बदौलत टीम 12 मैच में 10 अंक लेकर सातवें स्थान पर पहुंच गई। वहीं पंजाब किंग्स (08) का प्लेऑफ में पहुंचने का सपना, सपना ही रह गया क्योंकि टीम बचे हुए दो मैच जीतने के बावजूद 12 अंक तक ही पहुंच पाएगी। मैच में अपनी टीम को सपोर्ट करने पंजाब किंग्स की सह-मालकिन और बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा भी स्टेडिम में मौजूद रहीं। जब भी कैमरा उन पर फोकस होता वह एनिमेटेड नजर आती। कभी विराट कोहली के आउट होने पर खुश होती दिखी तो कभी अपनी टीम के विस्फोटक बल्लेबाज लियाम लिविंस्टोन के बिना खाता खोले आउट होने पर उनका चेहरा उतर गया।

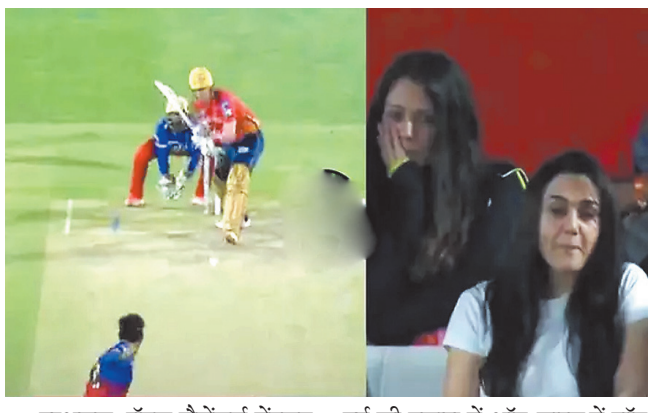

दरअसल, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए स्वप्निल सिंह गोल्डन आर्म साबित हो रहे हैं। धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ बाएं हाथ के स्पिनर स्वप्निल ने पहले प्रभसिमरन सिंह और फिर लियाम लिविंगस्टोन को निपटा दिया। 12वें ओवर में स्वप्निल सिंह ने एक फ्लाइटेड ऑफ ब्रेक बॉल पर इंग्लिश बल्लेबाज को फंसाया। वह टर्न की तलाश में ऑन-साइड में शॉट खेलना चाहते थे, लेकिन कवर्स की दिशा में कैच दे बैठे। अपनी दूसरी गेंद पर लिविंग्स्टोन बिना खाता खोले चलते बने। यह 126 रन पर लगा पंजाब को पांचवां झटका था।

लियाम लिविंगस्टोन के विकेट ने बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की गति को तोड़ दिया। इस विकेट के बाद प्रीति जिंटा की निराशा साफ देखी जा सकती थी। मैच की बात करें तो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने विराट कोहली और रजत पाटीदार के अर्धशतकों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पंजाब किंग्स को 60 रन से हराकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीद बनाए रखी।

विराट कोहली की 47 गेंद में 92 रन की शानदार पारी आरसीबी को सात विकेट पर 241 रन के स्कोर तक पहुंचाने में अहम रही, जिन्होंने रजत पाटीदार (23 गेंद में 55 रन) के साथ 32 गेंद में 72 रन और कैमरन ग्रीन (27 गेंद में 46 रन) के साथ 46 गेंद में 92 रन की साझेदारी निभाई। पंजाब किंग्स के लिए राइली रूसो ने 27 गेंद में 61 रन की पारी खेली, लेकिन कर्ण शर्मा के दो झटकों से उनके विकेट पतन का सिलसिला शुरू हुआ और टीम 17 ओवर में 181 रन पर सिमट गई।

क्या टीम इंडिया को मिलने वाला है विदेशी कोच, अलग-अलग फॉर्मेट के लिए क्या है बीसीसीआई का प्लान?

मुंबई (एजेंसी)। वर्ल्ड कप के बाद भारतीय टीम को नया हेड कोच मिल सकता है। राहुल द्रविड़ साल 2021 में पहली बार टीम इंडिया के कोच बने थे, उन्होंने रवि शास्त्री की जगह ली थी। द्रविड़ का कार्यकाल दो साल का था, इसके बाद इसे बढ़ाकर टी 20 वर्ल्ड कप 2024 तक के लिए किया गया। अब जून में उनका कार्यकाल खत्म होने वाला है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा है कि राहुल द्रविड़ को अगर टी-20 विश्व कप के बाद भी पद पर बने रहना है तो उन्हें फिर से आवेदन करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि नए कोच की नियुक्ति तीन साल के लिए होगी। शाह ने यहां बीसीसीआई कार्यालय में चुनिंदा मीडिया से कहा, 'हम अगले कुछ दिन में आवेदन मंगवाएंगे। भारतीय क्रिकेट में अलग-अलग फॉर्मेट के लिए अलग कोच रखने का चलन नहीं रहा है। इसके अलावा हमारे पास कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो सभी प्रारूपों में खेलते हैं जैसे ऋषभ पंत, विराट कोहली और रोहित शर्मा। यह फैसला क्रिकेट सलाहकार समिति को लेना है। जो फैसला वह लेंगे, मैं उस पर अमल करूंगा। अगर वे कहेंगे कि विदेशी कोच चाहिए तो मैं दखल नहीं दूंगा। समिति में जतिन परांजपे, अशोक मल्होत्रा और सुलक्षणा नाईक हैं।

जय शाह ने कहा, राहुल द्रविड़ का कार्यकाल खत्म होने वाला है। उन्हें पद पर बने रहना है तो फिर से आवेदन करना होगा। हमें दीर्घकालिन कोच चाहिए, तीन साल के लिए। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समिति के अध्यक्ष के रूप में ग्रेग बार्कले का कार्यकाल इस साल खत्म हो रहा है, लेकिन शाह ने यह नहीं बताया कि वह इस पद की दौड़ में हैं या नहीं। उन्होंने कहा, 'मुझे यहां बीसीसीआई में रहने दीजिए। अटकलें लगने दीजिए, लेकिन मुझे यहां रहने दीजिए। क्या मैं अच्छा काम नहीं कर रहा हूं।

यह साबित करना होगा कि हम वास्तव में एक अच्छी टीम हैं : फाफ डु प्लेसिस

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्लेऑफ की रेस में आरसीबी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अहम मुकाबले को जीतकर खुद को बरकरार रखा है। मैच में आरसीबी ने पहले खेलते हुए विराट कोहली के 92 रन की बदौलत 241 रन बनाए थे। जवाब में पंजाब की टीम 181 रन पर ही ऑल आऊट हो गई। पंजाब प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। वहीं, बेंगलुरु के पास प्लेऑफ के चांस होने पर टीम कप्तान डु प्लेसिस ने मैच के बाद कहा कि यह एक अच्छा खेल था। हमने पिछले 5-6 मैचों में 200 से अधिक का स्कोर बनाया है। हमारी बातचीत अच्छी रही, हम बार-बार वही गलतियां कर रहे थे। आज बल्ले से आक्रामकता की जरूरत थी। गेंदबाजी करते हुए हमने सिर्फ विकेट लेने के बारे में बात की।

डुप्लेसिस ने कहा कि गेंदबाजी विभाग में हमारे पास 6-7 विकल्प हैं। हमें थोड़े से भाग्य का साथ भी जरूरी है। टूर्नामेंट की शुरुआत में हमारे पास कुछ लोग थे जो विकेट और रन की तलाश में थे। लड़कों ने इसे बदलने का चरित्र दिखाया है। हर कोई रन बना रहा है और गेंदबाज विकेट ले रहे हैं। हमारे लिए खुद पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण है। हम जिस शैली में खेलना चाहते हैं, उसी पर कायम रहना चाहते हैं, अगर हम ऐसा करते हैं तो यह साबित होगा कि हम वास्तव में एक अच्छी टीम हैं।

मैं अपनी टीम के लिए स्ट्राइक रेट बनाए रखने की कोशिश कर रहा हूं : विराट कोहली

धर्मशाला (एजेंसी)। धर्मशाला के मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पंजाब किंग्स पर जीत में सबसे बड़ा योगदान विराट कोहली का रहा। कोहली ने 92 रन बनाए जिससे आरसीबी ने पहले खेलते हुए 241 रन बना दिए। पंजाब के लिए यह लक्ष्य बड़ा साबित हुआ और टीम 181 रन पर ही ऑल आऊट हो गई। कोहली प्लेयर आफ द मैच चुने गए। उन्होंने मैच के बाद कहा कि मेरे लिए यह अभी भी मात्रा से अधिक गुणवत्ता है। मेरे लिए यह वास्तव में अच्छा काम करता है। बस जो मैंने अतीत में किया है उसे दोहराने का प्रयास कर रहा हूं। अभी भी खेल के उन पहलुओं को बेहतर बनाने का लक्ष्य है जिनमें आप बल्लेबाज को लाना चाहते हैं। आज मैंने स्पिनरों के खिलाफ स्लॉगस्वीप निकाला। मैंने इसका अभ्यास नहीं किया था। मुझे पता है कि मैंने

इसे अतीत में मारा है। मैं हमेशा स्पिन के खिलाफ ऐसा करने की कोशिश करता हूं। कोहली ने कहा कि मैं जानता हूं कि मुझे जोखिम लेने की जरूरत है, इसके लिए थोड़े दृढ़ विश्वास की जरूरत है। मैं अपने और टीम के लिए स्ट्राइक रेट बनाए रखने की कोशिश कर रहा हूं। किसी टूर्नामेंट में आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका खुद के प्रति ईमानदार होना है। हमें अपने मोजे ऊपर खींचने की जरूरत थी। केकेआर के खिलाफ वह मैच बेहद खराब रहा। हम अपने आत्मसम्मान के लिए खेलना चाहते थे। हम वहां जाकर इस तरह से नहीं खेल सकते और अपने प्रशंसकों को निराश नहीं कर सकते। आत्मविश्वास वापस आ गया है और हम प्रगति पर हैं। हमें कई अन्य कारकों पर निर्भर रहना होगा। वीरवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में विराट ने 92 रन बनाकर अपनी टीम को 241 रन तक पहुंचा दिया। विराट 11 साल बाद नर्वस नाइंटीज का शिकार हुए हैं। इससे पहले साल 2013 में दिल्ली के खिलाफ मुकाबले में विराट कोहली 99 रन पर आऊट हो गए थे।

बहुत निराश हूं, प्रशंसकों से माफी मांगता हूं, हम लड़ते रहेंगे : सैम कुरेन

धर्मशाला (एजेंसी)। धर्मशाला के मैदान पर पंजाब किंग्स का खराब रिकॉर्ड आखिरी मुकाबले में भी जारी रहा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैदान पर पंजाब ने अपना आखिरी मुकाबला 60 रन से गंवा लिया। इसी के साथ वह इस सीजन में प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर हो गई है। पंजाब ने 12 में से 8 मैच गंवाए हैं। वहीं, आरसीबी के पास अभी भी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद है। बहरहाल, पंजाब किंग्स के खराब प्रदर्शन के बावजूद कप्तान सैम कुरेन पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन के दौरान काफी पॉजीटिव दिखे। उन्होंने कहा कि पूरे सीजन में हमने बहुत सारे सकारात्मक संकेत देखे लेकिन दुर्भाग्य से लाइन पर पहुंचने के लिए यह पर्याप्त नहीं हैं।

सैम ने कहा कि हम जानते थे कि बाकी टूर्नामेंट के लिए हमारी टीम सर्वश्रेष्ठ है और हम टीम के लिए निराश महसूस कर रहे हैं। हमें अपना सिर ऊंचा रखना होगा, सीखते रहना होगा और बेहतर बनते रहना होगा। वास्तव में लोगों के एक बड़े समूह का नेतृत्व करने में आनंद आया, कुछ और जीतें पसंद आतीं। हमने कुछ ऊंचाइयां हासिल कीं और कुछ रिकॉर्ड रन-चेज भी किए। बहुत निराशा है और प्रशंसकों से माफी मांगता हूं, हम लड़ते रहेंगे।

इंपैक्ट प्लेयर नियम पर बोले बीसीसीआई सचिव जय शाह

यह अभी स्थाई नहीं है...

मुंबई (एजेंसी)। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा है कि आईपीएल में इंपैक्ट खिलाड़ी का नियम प्रयोग के तौर पर लागू किया गया था और सभी हितधारक चाहेंगे तो इस पर पुनर्विचार किया जा सकता है। इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम के कारण इस बार आईपीएल में आठ बार 250 से अधिक का स्कोर बना। खिलाड़ियों, कोचों और विशेषज्ञों ने भी बारंबार कहा है कि गेंदबाजों पर इस नियम का विपरीत असर हो रहा है क्योंकि इससे टीमों को अतिरिक्त बल्लेबाज मिल रहा है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि हरफनमौलाओं को इस नियम की वजह से गेंदबाजी के मौके नहीं मिल रहे।

शाह ने यहां बीसीसीआई कार्यालय में मीडिया से बातचीत में कहा, 'इंपैक्ट खिलाड़ी का नियम प्रयोग के तौर पर लागू किया गया था। वैसे इससे दो भारतीय खिलाड़ियों को खेलने का अतिरिक्त मौका मिल रहा है। क्या यह महत्वपूर्ण नहीं है। खेल भी और प्रतिस्पर्धी हो रहा है। शाह ने कहा कि टी20 विश्व कप के बाद सभी पक्ष मिलकर इस पर बात करेंगे। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों को लगता है कि यह सही नहीं है तो हम इस पर बात करेंगे। अभी तक किसी ने ऐसा कुछ कहा नहीं है। आईपीएल और विश्व कप के बाद बैठक में तय किया जाएगा।

उन्होंने कहा, 'विश्व कप के बाद हम खिलाड़ियों, टीमों और प्रसारकों से मिलकर भविष्य के बारे में फैसला लेंगे। यह स्थायी नियम नहीं है और मैं यह भी नहीं कह रहा कि हम इसे खत्म कर देंगे। शाह ने यह भी कहा कि टी20 विश्व कप खेलने जा रहे भारतीय आईपीएल खिलाड़ियों को आराम की जरूरत नहीं है क्योंकि प्रतिस्पर्धा ही सर्वश्रेष्ठ तैयारी होती है।

उन्होंने कहा, 'आराम की क्या जरूरत है। यह अभ्यास सत्र की तरह ही है। इससे बेहतर तैयारी क्या हो सकती है। आपके सामने बेहतरीन टीम है जिसमें एक गेंदबाज न्यूजीलैंड का, एक ऑस्ट्रेलिया का, एक श्रीलंका का है। अगर हम एक गेंदबाज को आराम देते हैं तो उसे ट्रेविस हेड को गेंदबाजी का मौका नहीं मिलेगा। जब जसप्रीत बुमराह उसे गेंदबाजी करेगा तो ही समझ में आयेगा कि उसे कैसे गेंद डालनी है।

शाह ने यह भी कहा कि बोर्ड का फोकस महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए मैचों की संख्या बढ़ाने पर भी है। उन्होंने कहा, 'महिला क्रिकेट का ख्याल भी पुरूष क्रिकेट की तरह रखा जा रहा है। बांग्लादेश में विश्व कप होना है और हम द्विपक्षीय श्रृंखलाएं भी खेल रहे हैं।

जय शाह ने कहा, द्रविड़ को मुख्य कोच पद पर बने रहना है तो फिर से आवेदन करना होगा

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा है कि भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को अगर टी20 विश्व कप के बाद भी पद पर बने रहना है तो उन्हें फिर से आवेदन करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि नए कोच की नियुक्ति तीन साल के लिए होगी। द्रविड़ का करार शुरू में दो साल का था लेकिन उन्हें और सहयोगी स्टाफ को नवंबर में 50 ओवरों के विश्व कप के बाद कार्यकाल में विस्तार दिया गया। शाह ने यहां बीसीसीआई कार्यालय में कहा, 'हम अगले कुछ दिन में आवेदन मंगवाएंगे। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल खत्म होने वाला है। उन्हें पद पर बने रहना है तो फिर से आवेदन करना होगा। हमें दीर्घकालिन कोच चाहिए, तीन साल के लिए। उन्होंने यह भी कहा कि अलग-अलग प्रारूपों के लिए अलग कोच रखने का चलन नहीं रहा है लेकिन अंत में फैसला क्रिकेट सलाहकार समिति को लेना है। समिति में जतिन परांजपे, अशोक मल्होत्रा और सुलक्षणा नाईक हैं। शाह ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट में अलग अलग प्रारूपों के लिए अलग कोच रखने का चलन नहीं रहा है। इसके अलावा हमारे पास कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो सभी प्रारूपों में खेलते हैं जैसे ऋषभ पंत, विराट कोहली और रोहित शर्मा। उन्होंने कहा, 'यह फैसला क्रिकेट सलाहकार समिति को लेना है। जो फैसला वह लेंगे, मैं उस पर अमल करूंगा। अगर वे कहेंगे कि विदेशी कोच चाहिए तो मैं दखल नहीं दूंगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समिति के अध्यक्ष के रूप में ग्रेग बार्कले का कार्यकाल इस साल खत्म हो रहा है लेकिन शाह ने यह नहीं बताया कि वह इस पद की दौड़ में हैं या नहीं। उन्होंने कहा, 'मुझे यहां बीसीसीआई में रहने दीजिए। अटकलें लगने दीजिए लेकिन मुझे यहां रहने दीजिए। क्या मैं अच्छा काम नहीं कर रहा हूं।

संक्षिप्त समाचार

गाजा संघर्ष विराम वार्ता विफल होने के चलते रफा ऑपरेशन जारी रखेगा इजरायल

यरुशलम, एजेंसी। मिस्र के काहिरा में इजरायल-हमास संघर्ष विराम वार्ता विफल होने के बाद इजरायली सेना दक्षिणी गाजा पट्टी के शहर रफा में अपना अभियान जारी रखेगी। एक इजरायली अधिकारी ने मीडिया को ये जानकारी दी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि रफा के साथ सीमा पर बड़े पैमाने पर इजरायली सैनिकों की तैनाती की गई है। एक इजरायली अधिकारी ने गुरुवार को पुष्टि की कि काहिरा में वार्ता विफल होने के बाद इजरायली प्रतिनिधिमंडल काहिरा छोड़ चुका है।अधिकारी ने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया कि क्या इजरायल गाजा के दक्षिणी छोर पर रफा में और अधिक क्षेत्रों में आक्रमण का विस्तार करेगा, जहां लगभग 1.2 मिलियन आंतरिक रूप से विस्थापित फिलिस्तीनी शरण लिए हुए हैं।इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी की खबर के अनुसार, रफा पर इजराइल के जारी जमीनी हमले के कारण वार्ता रोक दी गई है।रफा शहर पर हमले गहराने पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि इजरायल को हथियारों की सप्लाई रोक दी जाएगी। इस पर टिप्पणी करते हुए इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि उसके पास गाजा में अभियान जारी रखने के लिए पर्याप्त हथियार हैं।आईडीएफ के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने एक बयान में कहा, आईडीएफ के पास उन ऑपरेशनों के लिए हथियार हैं जिनकी वह योजना बना रहा है, रफा में ऑपरेशन के लिए भी।उन्होंने जोर देकर कहा, हमें जो चाहिए वो हमारे पास है।

अफगान सीमा पर लड़कियों के स्कूल पर बमबारी के बाद पाकिस्तान में डर व गुस्सा

इस्लामाबाद, एजेंसी। संदिग्ध उग्रवादियों ने उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में लड़कियों के एक स्कूल को विस्फोट से उड़ा दिया। इससे लड़कियों की सुरक्षा को लेकर आशंकाएं पैदा हो गई हैं। लोगों में डर व आक्रोश भी व्याप्त है। स्थानीय पुलिस अधिकारी अमजद सुहैल ने बताया कि अफगान सीमा के पास उत्तरी वजीरिस्तान शहर में बुधवार रात बम विस्फोट होने से एक निजी स्कूल आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई। उत्तरी वजीरिस्तान का पहाड़ी शहर लंबे समय से अल-कायदा और उससे संबद्ध अफगान तालिबान के हक्कानी नेटवर्क से जुड़े इस्लामी आतंकवादियों के मुख्यालय के रूप में काम करता रहा है। पाकिस्तानी तालिबान ने पहले भी लड़कियों के स्कूलों पर बमबारी की है। 2007 और 2009 के बीच नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई के गृहनगर वजीरिस्तान और स्वात में सैकड़ों स्कूलों पर बमबारी की गई। लड़कियों की शिक्षा पर तालिबान के प्रतिबंधों का खुलेआम विरोध करने पर 2012 में एक तालिबान आतंकवादी ने यूसुफजई के सिर में गोली मार दी थी। उस समय वह 15 साल की थीं। संसद के पूर्व सदस्य अली वज़ीर ने कहा, उत्तरी वजीरिस्तान की ताज़ा घटना से डर बढ़ गया है।

श्रीलंका में 17 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच होंगे राष्ट्रपति चुनाव

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के चुनाव आयोग ने गुरुवार को घोषणा की कि वह 17 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच राष्ट्रपति चुनाव कराएगा। में डेली मिरर की रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयोग के चेयरमैन आर.एम.ए.एल. रत्नायके ने कहा कि वह संविधान के प्रावधानों के अनुसार निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर राष्ट्रपति चुनाव कराएंगे।इस संबंध में जारी नोटिस में कहा गया है कि चुनाव आयोग 17 सितंबर से 6 अक्टूबर के बीच राष्ट्रपति चुनाव कराएगा। श्रीलंका में आखिरी बार राष्ट्रपति चुनाव नवंबर 2019 में हुआ था।समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कई दलों ने चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है।

बांग्लादेश वायुसेना का ट्रेनिंग प्लेन क्रैश, एक पायलट की मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के चटगांव में बृहस्पतिवार को वायुसेना का एक लड़ाकू ट्रेनिंग प्लेन नदी के ऊपर क्रैश गया । पैराशूट के सहारे बाहर निकले दो पायलटों को बचा लिया गया लेकिन इन में से एक की मौत हो गई। सरकारी मीडिया के अनुसार 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस(आईएसपीआर) के बयान में कहा गया है, ''चटगांव के पतेंगा में बांग्लादेश वायुसेना का एक याक 130 प्रशिक्षु लड़ाकू विमान तकनीकी विफलता के चलते दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में चटगांव मेट्रोपोलिटन पुलिस की बंदरगाह क्षेत्र उपायुक्त शकीला सुलताना ने बताया कि विमान स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 11 बजे कर्णफूली नदी के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और पतेंगा के बोटक्लब के पास जा गिरा। सरकारी समाचार संगठन बीएसएस न्यूज के अनुसार सुलताना ने कहा कि पैराशूट की मदद से बाहर निकले दो घायल पायलटों को कम्बाइंड मिलिट्री अस्पताल ले जाया गया।

सभी ग्लेशियर खोने वाला पहला देश बन सकता है वेनेजुएला, रिपोर्ट में हुए चौंकाने वाले खुलासे

काराकास, एजेंसी। आधुनिक इतिहास में वेनेजुएला ऐसा पहला देश हो सकता है जिसने अपने सभी ग्लेशियर खो दिए हैं, क्योंकि जलवायु वैज्ञानिकों ने इसके अंतिम ग्लेशियर को बर्फ के मैदान में बदल दिया है। इंटरनेशनल क्रायोस्फीयर क्लाइमेट इनिशिएटिव (आईसीसीआई), एक वैज्ञानिक वकालत संगठन ने एक्स पर कहा कि दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र का एकमात्र शेष ग्लेशियर - हम्बोल्ट, या ला कोरोना, एंडीज में - ग्लेशियर के रूप में वर्गीकृत होने के लिए बहुत छोटा हो गया था। पिछली शताब्दी में वेनेजुएला ने कम से कम छह अन्य ग्लेशियर खो दिए हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक औसत तापमान बढ़ने के साथ लगातार ग्लेशियर पिघल रहे हैं। जिससे दुनिया भर में समुद्र का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। डरहम विश्वविद्यालय के ग्लेशियोलॉजिस्ट डॉ. कैरोलिन क्लासन ने बताया, 2000 के दशक के बाद से आखिरी वेनेजुएला ग्लेशियर पर ज्यादा बर्फ नहीं जमी है। अब इसे जोड़ा नहीं जा रहा है, इसलिए इसे बर्फ क्षेत्र के रूप में पुनः वर्गीकृत किया गया है। मार्च में कोलंबिया में लॉस एंडीज़ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एएफपी को बताया कि ग्लेशियर 450 हेक्टेयर से घटकर केवल दो हेक्टेयर रह गया है। विश्वविद्यालय के पारिस्थितिकीविज्ञानी लुइस डैनियल लाम्बी ने गार्जियन को बताया कि अब यह उससे भी कम हो गया है। हालांकि ग्लेशियर के रूप में योग्य होने के लिए बर्फ के एक टुकड़े के न्यूनतम आकार के लिए कोई वैश्विक मानक नहीं है, अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का कहना है कि आम तौर पर स्वीकृत दिशानिर्देश लगभग 10 हेक्टेयर है।

2020 में प्रकाशित एक अध्ययन में सुझाव दिया गया कि 2015 और 2016 के बीच कभी-कभी ग्लेशियर इससे भी कम सिकुड़ गया। 2018 में नासा द्वारा इसे अभी भी वेनेजुएला का आखिरी ग्लेशियर माना गया था। आईसीसीआई और इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के ग्लेशियोलॉजिस्ट डॉ. जेम्स किर्कम और डॉ. मिरियम जैक्सन ने बताया कि ग्लेशियोलॉजिस्ट ग्लेशियर को एक बर्फ के द्रव्यमान के रूप में पहचानते हैं जो अपने वजन के तहत विकृत हो जाता है। उन्होंने बताया, ग्लेशियोलॉजिस्ट अक्सर सामान्य परिभाषा के रूप में 0.1 वर्ग किमी [10 हेक्टेयर] के मानदंड का उपयोग करते हैं, लेकिन उस आकार से ऊपर के किसी भी बर्फ द्रव्यमान को अभी भी अपने वजन के तहत विकृत होना पड़ता है। उन्होंने सुझाव दिया कि हाल के वर्षों में हम्बोल्ट ग्लेशियर तक पहुँचने में समस्याएँ हो सकती हैं, जिससे माप के प्रकाशन में देरी हो सकती है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में पृथ्वी प्रणाली विज्ञान के प्रोफेसर मार्क मसलिन ने कहा कि हम्बोल्ट जैसा बर्फ का मैदान लगभग दो फुटबॉल पिचों के क्षेत्रफल के बराबर ग्लेशियर नहीं है। उन्होंने बताया, ग्लेशियर बर्फ हैं जो घाटियों को भर देती हैं और इसलिए मैं कहूंगा कि वेनेजुएला में कोई ग्लेशियर नहीं है। दिसंबर में वेनेजुएला सरकार ने बची हुई बर्फ को थर्मल कंबल से ढकने की एक परियोजना की घोषणा की, उसे उम्मीद थी कि पिघलने की प्रक्रिया रुक जाएगी या उलट जाएगी। लेकिन इस कदम की स्थानीय जलवायु वैज्ञानिकों ने आलोचना की, जिन्होंने चेतावनी दी कि स्पेनिश अखबार एल पेस के अनुसार, ढंकने से प्लास्टिक के कणों से आसपास का निवास स्थान दूषित हो सकता है। प्रोफेसर मास्लिन ने कहा कि पहाड़ी ग्लेशियरों का नुकसान सीधे तौर पर प्रतिवर्ती नहीं था क्योंकि गर्मी के महीनों में जीवित रहने के लिए उन्हें सूरज की रोशनी को प्रतिबिंबित करने और अपने आसपास की हवा को ठंडा रखने के लिए पर्याप्त बर्फ की आवश्यकता होती थी। उन्होंने कहा, एक बार जब ग्लेशियर खत्म हो जाता है, तो सूरज की रोशनी जमीन को गर्म कर देती है, इसे बहुत अधिक गर्म कर देती है और गर्मियों में वास्तव में बर्फ बनने की संभावना बहुत कम हो जाती है। मौसम शोधकर्ता मैक्सिमिलियानो हेरेरा ने एक्स/ट्विटर पर लिखा कि अगले देश जिनके ग्लेशियर मुक्त होने की संभावना है वे इंडोनेशिया, मैक्सिको और स्लोवेनिया हैं। प्रोफ़ेसर मास्लिन ने कहा कि ये सुझाव राष्ट्रों के भूमध्य रेखा और अपेक्षाकृत निचले पहाड़ों से निकटता के कारण तार्किक अर्थ रखते हैं, जिससे उनकी बर्फ की चोटियाँ ग्लोबल वार्मिंग के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाती हैं। उन्होंने कहा, जलवायु परिवर्तन के साथ गर्म क्षेत्र ऊपर और बाहर की ओर बढ़ रहे हैं।

भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत, ईरान ने जब्त इस्राइली जहाज से रिहा किए पांच भारतीय नाविक

तेहरान, एजेंसी। भारत को एक बड़ी कूटनीतिक कामयाबी मिली है। दरअसल ईरान ने बीते दिनों इस्राइल से संबंधित जो जहाज जब्त किया था, उसके क्रू के सदस्यों में शामिल पांच भारतीय नाविकों को रिहा कर दिया है। पांचों भारतीय नाविक ईरान से आज शाम को रवाना भी हो जाएंगे। भारतीय विदेश मंत्रालय ने रिहा किए गए भारतीय नाविकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी और साथ ही ईरान की सरकार को नाविकों की रिहाई के लिए धन्यवाद भी दिया।

ईरान ने 13 अप्रैल को जब्त किया था इस्राइली जहाज : ईरान ने बीती 13 अप्रैल को इस्राइल से संबंधित एक कार्गो जहाज को जब्त किया था। उस जहाज के क्रू में 17 भारतीय नागरिक शामिल थे। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के नजदीक इस्राइल से संबंधित जहाज एमएसएसी एरीज को जब्त किया। यह जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से दुबई की तरफ जा रहा था। ईरान का आरोप था कि जहाज उनके इलाके से बिना इजाजत गुजर रहा था। जहाज पर सवार भारतीय दल में केरल की एक महिला नाविक एन टेसा जोसेफ भी थी, जिसे ईरान की सरकार ने पहले ही रिहा कर दिया था और वह 18 अप्रैल को भारत पहुंच गई थी। ईरान ने जब जहाज को जब्त किया, तब उस पर क्रू के 25 सदस्य सवार थे, जिनमें 17 भारतीय और दो पाकिस्तानी भी शामिल थे। यह जहाज इस्राइली कारोबारी का है, लेकिन पुर्तगाल द्वारा इसका संचालन किया जा रहा था। अभी भी 11 भारतीय नाविक ईरान में ही हैं। यही वजह है कि लाल सागर में ईरान के समर्थन से हूती विद्रोही अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट पर लगातार हमले कर रहे हैं।

रूस-यूक्रेन की लड़ाई में आठ श्रीलंकाई लड़ाकों की मौत, रक्षा मंत्रालय बोला- रोजगार के नाम पर हुई ठगी

कोलंबो, एजेंसी। रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में श्रीलंका के आठ लड़ाके मारे गए हैं। श्रीलंकाई पुलिस ने इस बात की जानकारी दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ये लड़ाके रूस और यूक्रेन की सेनाओं में शामिल हुए थे। कुछ विदेशी एजेंसियों द्वारा श्रीलंका के कई पूर्व सैन्य कर्मियों को विदेश में रोजगार के नाम पर भ्रमित किया गया है। श्रीलंका पुलिस की सीआईडी विंग का कहना है कि आठ में से छह लड़ाके रूस में मारे गए, जबकि दो यूक्रेन में मारे गए। कुछ विदेशी एजेंसियों द्वारा इन पूर्व सैन्य कर्मियों को लड़ाकों के रूप में काम करने के लिए रूस और यूक्रेन भेजा गया। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि इस समय लगभग 60 पूर्व सैन्य कर्मी रूस के लिए काम कर रहे हैं जबकि 23 यूक्रेन में है। सीआईडी के अनुसार कुछ एजेसियों ने श्रीलंका से कई पूर्व सैन्य कर्मियों को विदेश में रोजगार के नाम पर भ्रमित कर यूक्रेन और रूस भेजने का काम किया है। श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय के अधिकारी कमल गुणरत्ने ने कहा कि विदेशी एजेंसियों और उनके रैकेट के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर गिरफ्तार किया जाएगा। इस मामले में कुरुनेगला के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र से एक सेवानिवृत्त मेजर जनरल और एक सार्जेंट को गिरफ्तार किया गया है। गुणरत्ने ने कहा कि ऐसी खबरें भी सामने आई हैं कि मोर्चे पर जाने वाले लड़ाकों को वेतन के रूप में 10-15 लाख रुपये की पेशकश की जा रही है।

रूस के बयान के बाद बैकफुट पर अमेरिका, राजदूत गार्सेटी बोले- पन्नू मामले में भारत की जवाबदेही से संतुष्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के भारत में राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा है कि बाइडन प्रशासन, गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के मामले में भारत की जवाबदेही से संतुष्ट है। एरिक गार्सेटी का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब हाल ही में रूस के विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाए कि अमेरिका बिना किसी विश्वसनीय सबूत के भारत पर आरोप लगा रहे हैं। रूस ने ये भी कहा कि अमेरिका एक राज्य के रूप में भारत का अनादर कर रहा है। रूस के बयान के बाद ही अमेरिका के राजदूत का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने भारत की जांच से संतुष्ट होने की बात कही।

क्या बोले अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी : अमेरिका में थिंक टैंक काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए एरिक गार्सेटी ने कहा कि जब मैं रिश्तों में उतार-चढ़ाव की बात करता हूं तो ये हमारे रिश्तों की पहली बड़ी लड़ाई है। मुझे कहना पड़ेगा कि अभी तक हमने जो मांग की थी, उसमें भारत की जवाबदेही से बाइडन सरकार संतुष्ट है। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिकी धरती पर किसी अमेरिकी नागरिक को मारने की कोशिश यूएस के लिए रेड लाइन है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने टिप्पणी से किया इनकार : अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर से जब प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गुरपतवंत सिंह पन्नू मामले की जांच के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने भी इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि अभी जांच चल रही है और जब तक आरोप साबित नहीं हो जाते, वे इस पर कुछ नहीं बोलेंगे। मिलर ने कहा कि मामले में जो आरोप और तथ्य हैं, वह सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं, जब तक वे ज्यूरी के सामने सिद्ध नहीं हो जाते, हम इस पर बात नहीं करेंगे।

यह मामला अभी अदालत में है। गौरतलब है कि हाल ही में अमेरिका ने कहा था कि हम भारत की जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन जैसे ही रूस के विदेश विभाग ने पन्नू मामले में अमेरिका पर आरोप लगाए तो ऐसा लग रहा है कि अमेरिका दबाव में आया है और अब वह संभलकर पन्नू मामले में बयानबाजी कर रहा है। उल्लेखनीय है कि खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। वह अक्सर भारत के खिलाफ आग उगलता रहता है। बीते दिनों अमेरिका ने दावा किया कि पन्नू को अमेरिका में मारने की साजिश रची जा रही थी, जिसका भंडाफोड़ हो गया है। इस मामले में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया। अमेरिका ने दावा किया कि निखिल गुप्ता को भारत सरकार के एक अधिकारी ने पन्नू को मारने की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसके लिए निखिल गुप्ता अमेरिका में किराए के हत्यारों से पन्नू को मारने की साजिश रच रहा था। हालांकि अमेरिका के दस्तावेजों में भारत सरकार के अधिकारी के नाम का खुलासा नहीं किया गया। वहीं वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि वह भारतीय अधिकारी भारत की खुफिया एजेंसी रॉ का एक अधिकारी है। हालांकि भारत के विदेश मंत्रालय ने इन मीडिया रिपोर्ट्स को आधारहीन बताकर खारिज कर दिया था।

तीस्ता जल परियोजना, बांग्लादेश की मदद करेगा भारत, विदेश सचिव क्वात्रा ने पीएम हसीना के सामने रखा प्रस्ताव

ढाका, एजेंसी। भारत ने बांग्लादेश को इसकी महत्वाकांक्षी तीस्ता जल परियोजना में मदद का प्रस्ताव दिया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि भारत के विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री शेख हसीना और से मुलाकात के दौरान यह प्रस्ताव रखा। बांग्लादेश तीस्ता नदी पर एक जलाशय का निर्माण कर रहा है। तीस्ता जल का बंटवारा भारत और बांग्लादेश के बीच एक विवादास्पद मुद्दा है। इसी वजह से बांग्लादेश ने जलाशय के निर्माण की पहल की और चीन इस परियोजना का समर्थन कर रहा है।

हसीना के बाद क्वात्रा ने महमूद से भी मुलाकात की। इसकी जानकारी देते हुए महमूद ने बताया कि क्वात्रा ने तीस्ता से जुड़ी परियोजना के लिए भारत की तरफ से वित्त-पोषण का प्रस्ताव रखा है। परियोजना बांग्लादेश की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई जाएगी। हालांकि, भारत की तरफ से इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, क्वात्रा ने शेख हसीना को दिल्ली आने के लिए आमंत्रित किया है। हसीना हाल ही में चौथी बार बांग्लादेश की सत्ता में आई हैं। नए कार्यकाल में वे अभी तक किसी विदेश दौरे पर नहीं गई हैं। माना जा रहा है कि जल्द ही वे पहले विदेश दौरे पर भारत आएंगी।

सुरक्षा, व्यापार समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा : इस दौरे के संबंध में विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि बांग्लादेश हमारा एक अग्रणी विकास भागीदार है। इसके अलावा क्षेत्र में इसका सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है। विदेश सचिव की यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों के और मजबूत होने तथा विविध क्षेत्रों में सहयोग को गति मिलने की उम्मीद है। विदेश सचिव ने राजनीतिक और सुरक्षा, जल, व्यापार और निवेश, बिजली और ऊर्जा, रक्षा, कनेक्टिविटी और उप-क्षेत्रीय सहयोग सहित व्यापक द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की है।

भारत के चुनावों में वॉशिंगटन का दखल नहीं, अमेरिका ने रूस के आरोपों को किया खारिज : वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने गुरुवार का भारत के चुनावों में वॉशिंगटन के दखल के रूस के आरोपों को खारिज किया और कहा कि वह दुनिया में कहीं भी चुनाव में शामिल नहीं होता है। विदेश विभाग ने कहा कि चुनाव भारत के लोगों को करने हैं। विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्य मिलर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, हम भारत के चुनावों में खुद को शामिल नहीं करते हैं, क्योंकि हम दुनिया में कहीं भी चुनावों में खुद को शामिल नहीं करते हैं। ये फैसले भारत के लोगों को करने हैं। दरअसल, रूस ने लोकसभा चुनावों के बीच बड़ा दावा करते हुए कहा था कि अमेरिका भारत के चुनावों में दखल देने की कोशिश कर रहा है और उसका मकसद आम चुनाव के दौरान देश को अस्थिर करना है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा था कि अमेरिका भारत के रानजीतिक परिदृश्य को बाधित करने का प्रयास कर रहा है। वह भारत की राजनीतिक समझ और इतिहास को नहीं समझता।

हिंसक विरोध प्रदर्शनों से हिले पाकिस्तान में एक साल बाद भी सेना और इमरान की पीटीआई के बीच विवाद जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। गुरुवार को उस दिन का एक साल पूरा हो गया, जब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों ने देश के शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया था। हिंसा, दंगे, सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले और प्रतिरोध का आह्वान - एक ऐसी कहानी है, जिसे खान ने अप्रैल 2022 में सत्ता से बाहर होने के बाद से अपने समर्थकों में सफलतापूर्वक इंजेक्ट किया। पीटीआई और सैन्य प्रतिष्ठान दोनों एक-दूसरे को पीड़ित और हमलावर बताकर 9 मई को काला दिन के रूप में मनाते हैं। सत्तारूढ़ संघीय सरकार - अपने गठबंधन के राजनीतिक सहयोगियों के साथ, जो सिंध, बलूचिस्तान और पंजाब में प्रांतीय व्यवस्था को नियंत्रित करते हैं - देश भर में पिछले साल संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों पर हिंसक हमलों को अंजाम देने वाले समर्थकों का ब्रेनवॉश करने के लिए पीटीआई और इमरान खान की निंदा करते हैं। सैन्य प्रतिष्ठान भी इस मुद्दे पर मुखर है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, पाकिस्तान के सशस्त्र बल, चेयरमैन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी (सीजेसीएससी) और सेवा प्रमुखों के साथ 9 मई, 2023 को किए गए आपराधिक कृत्यों की कड़ी निंदा करते हैं। यह हमारे राष्ट्रीय इतिहास के सबसे काले दिनों में से एक है। उपद्रवियों ने विद्रोह की कार्रवाई में जानबूझकर राज्य संस्थानों के खिलाफ हिंसा का सहारा लिया और राज्य के पवित्र प्रतीकों और राष्ट्रीय विरासत से संबंधित स्थलों को नुकसान पहुंचाया। सैन्य प्रतिष्ठान का कहना है कि उसने सुनियोजित हिंसा के दौरान अत्यधिक संयम दिखाया, जिससे यह उजागर हुआ कि प्रदर्शनकारियों और सशस्त्र बलों के बीच टकराव पैदा करने के दुर्भावनापूर्ण प्रयास को विफल कर दिया गया। आईएसपीआर ने साफ कर दिया है कि दंगों और हमलों के पीछे के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। आईएसपीआर के एक बयान में कहा गया है, यही कारण है कि 9 मई की त्रासदी के योजनाकारों, सूत्रधारों और निष्पादकों के साथ न तो कोई समझौता किया जा सकता है।

रूस ने अमेरिका पर भारत के आंतरिक मामलों में दखलअंदाजी का आरोप लगाया

मास्को, एजेंसी। अमेरिका पर भारत के आंतरिक मामलों में दखलअंदाजी का आरोप लगाते हुए रूस ने कहा है कि वाशिंगटन देश में धार्मिक स्वतंत्रता को खतरे के बारे में नियमित रूप से निराधार आरोप लगाकर लोकसभा चुनावों को उलझाने की कोशिश कर रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग की हाल में जारी रिपोर्ट पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि वाशिंगटन न सिर्फ भारत, बल्कि कई दूसरे देशों पर भी निराधार आरोप लगाता है। जखारोवा ने बुधवार को मास्को में मीडियाकर्मियों को बताया, अमेरिका द्वारा नई दिल्ली के खिलाफ नियमित रूप से धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन के आधारहीन आरोप यह दिखाते हैं कि अमेरिका भारत की राष्ट्रीय मानसिकता तथा भारतीय विकास के ऐतिहासिक संदर्भ को नहीं समझता है और एक राष्ट्र के रूप में भारत का अपमान करता है। हम देख रहे हैं कि वे न सिर्फ भारत पर, बल्कि कई अन्य देशों पर भी निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि यह नवउपनिवेशवाद की मानसिकता है, औपनिवेशिक युग की, गुलामों के व्यापार के समय की और साम्राज्यवादी युग की मानसिकता है...। यह सिर्फ भारत पर लागू नहीं होता है। इसके पीछे भारत की आंतरिक राजनीतिक स्थिति

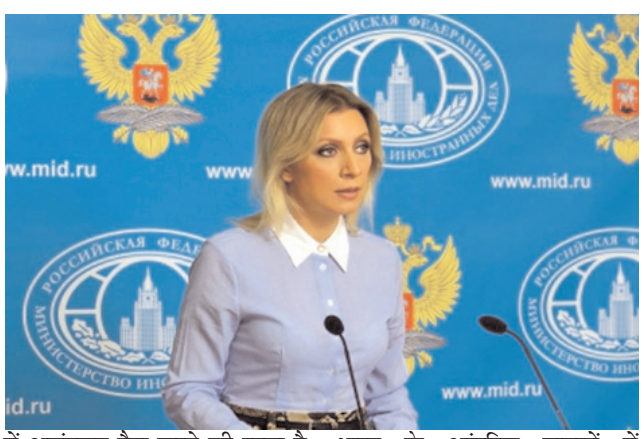

में असंतुलन पैदा करने की इच्छा है ताकि देश में हो रहे लोकसभा चुनावों को उलझाया जा सके। निस्संदेह यह भारत के आंतरिक मामलों में दखलअंदाजी है।

मीडिया ब्रीफिंग के दौरान जखारोवा से एक अमेरिकी समाचार पत्र में प्रकाशित एक रिपोर्ट के बारे में भी पूछा गया जिसमें एक भारतीय अधिकारी पर विदेशी जमीन पर एक हत्या के प्रयास में शामिल होने का आरोप लगाया गया है।

जखारोवा ने कहा, हमारे पास जो जानकारी है उसके अनुसार, वाशिंगटन ने जी.एस. पन्नून की हत्या साजिश में भारतीय नागरिकों के शामिल होने का कोई ठोस सबूत नहीं दिया है। सबूतों के अभाव में इस मामले में अटकलबाजी स्वीकार्य नहीं है। भारत ने पिछले सप्ताह यूएससीआईआरएफ की आलोचना करते हुए कहा था कि भारत के आम चुनावों में दखलअंदाजी करने की एजेंसी की कोशिश कभी कामयाब नहीं होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने नई दिल्ली में संवाददाताओं से कहा, वे पहले भी अपनी रिपोर्ट रिलीज करते थे। यूएससीआईआरएफ की छवि एक पक्षपाती संगठन की है जिसका राजनीतिक एजेंडा है। वे भारत के बारे में अपना प्रॉपेगेंडा वार्षिक रिपोर्ट के हिस्से के रूप में प्रकाशित करते रहते हैं। हमें यूएससीआईआरएफ से भारत की विविधता, बहुलता और लोकतांत्रिक लोकाचार को समझने की उम्मीद नहीं है। दुनिया की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया में दखलअंदाजी का उनका प्रयास कभी कामयाब नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

राम मंदिर आखिरी नहीं, हर मंदिर को मुक्त कराना है : हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गुरुवार को एक जनसभा के दौरान कहा कि कांग्रेस अयोध्या में राम मंदिर की जगह एक बार फिर बाबरी मस्जिद बनवा सकती है। ओडिशा के मलकानगिरि में चुनाव प्रचार करने पहुंचे सरमा ने कहा कि अगर मस्जिद को दोबारा बनने से रोकना है तो भाजपा को 400 सीटों से जीत दिलानी होगी। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक सरमा ने कहा, लोग हमसे पूछते हैं कि आखिर हमें 400 सीटें क्यों चाहिए। हमें 400 सीटों की जरूरत है क्योंकि कांग्रेस राम मंदिर की जगह पर बाबरी मस्जिद बनाना चाहती है। हमें पक्का करना है कि इस देश में दोबारा बाबरी मस्जिद ना बने। इसलिए नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए हमें वोट देना है।

उन्होंने कहा, पहले कांग्रेस राम मंदिर बनाने की तारीख पूछा करती थी। अब उन्होंने ये पूछना बंद कर दिया है। कांग्रेस को पता है कि हम केवल राम मंदिर पर नहीं रुकने वाले हैं। हमें अपने देश के हर मंदिर को मुक्त कराना है। हमारा अजेंडा बहुत बड़ा है। बता दें कि साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या के राम मंदिर विवाद को लेकर फैसला सुनाया था। इसके बाद राम मंदिर का निर्माण शुरू हुआ और 22 जनवरी को पीएम मोदी ने रामलला की प्राणप्रतिष्ठा कर दी। सरमा ने कहा, मोदी को 400 सीटें चाहिए ताकि कांग्रेस कभी 370 को वापस ना ला सके। मोदी को 400 सीटें चाहिए जिससे कि राम मंदिर पर बाबरी ताला ना लग से। गुरुवार को प्रियंका गांधी ने कहा था प्रधानमंत्री झूठ बोल रही है। कांग्रेस हमेशा सुप्रीम कोर्ट के आदेश का सम्मान करेगी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी एकदम झूठ बोल रहे हैं। हमने पहले भी कोर्ट का सम्मान किया है और आगे भी करते रहेंगे।

ट्रक ने कार में मारी टक्कर, 3 दोस्तों की मौत

भागलपुर , एजेंसी। बिहार में भागलपुर जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक ट्रक और कार की टक्कर में कार में सवार तीन दोस्तों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, राष्ट्रीय राजमार्ग 31 पर मकनपुर चौक का पास ट्रक और कार की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। बताया जाता है कि तीन दोस्त एक कार पर सवार होकर पूर्णिया से आ रहे थे, तभी मकनपुर चौक का पास सामने से आ रहे एक ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। वाहनों की रफ्तार इतनी अधिक थी कि टकराने के बाद कार की छत उड़ गई। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शवों को बाहर निकाला। मृतकों की पहचान भवानीपुर निवासी मनोज यादव (30), कैपिस्टर यादव (32) और खगड़िया निवासी प्रभाकर यादव (28) के रूप में की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अक्षय तृतीया पर सीएम योगी ने किया रुद्राभिषेक, प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की

गोरखपुर , एजेंसी। अक्षय तृतीया पर शुक्रवार सुबह सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। उन्होंने सभी नागरिकों को अक्षय तृतीया की हार्दिक बधाई भी दी। गोरखनाथ मंदिर स्थित पीठाधीश्वर आवास के प्रथम तल पर शक्तिपीठ में सीएम योगी ने देवाधिदेव महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प, दूर्वा, अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने कर बाद दूध एवं फलों के रस से रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन व आरती की। विधि विधान से पूर्ण हुए अनुष्ठान के उपरांत उन्होंने प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अक्षय तृतीया पर्व की सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, सौभाग्य व समृद्धि के पावन पर्व अक्षय तृतीया की प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! त्रिभुवन स्वामी भगवान श्री विष्णु जी एवं मां लक्ष्मी जी से प्रार्थना है कि सभी का जीवन सुख-शांति, संपन्नता व उत्तम स्वास्थ्य से परिपूर्ण हो। अक्षय तृतीया के पावन तिथि को ही भगवान परशुराम का अवतरण भी हुआ था। यह तिथि परशुराम जयंती के रूप में भी मनाई जाती है।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर दर्दनाक हादसा, 3 की मौत

रायगढ़, एजेंसी। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर एक सड़क हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई और आठ घायल हो गए। घायलों में चार लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा रायगढ़ जिले के खोपोली बोरघाट के पास मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे हुआ। तेज रफ्तार ट्रक ने टेंपो को टक्कर मार दी, वहीं टेंपो वैन से जा टकराया। इस वजह से यह भीषण हादसा हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रक के ब्रेक फेल हो गए थे, जिससे वह अनियंत्रित होकर टेम्पो से टकरा गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और हाईवे सेफ्टी पेट्रोलिंग पुलिस को हादसे की जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी 11 घायल यात्रियों को इलाज के लिए नवी मुंबई स्थित एक अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने एक महिला समेत तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया।

विक्रमादित्य के नामांकन के बाद शक्ति प्रदर्शन, सुक्खू बोले- कंगना मंडी के अंगना फ्लॉप होगी

मंडी, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की हॉट लोकसभा सीट मंडी से कांग्रेस के युवा नेता व कैबिनेट मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने नामांकन भर दिया है। उन्होंने गुरूवार को मंडी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह व प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला समेत पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। मंडी में भाजपा ने बॉलीबुड अभिनेत्री कंगना रनौत को अपना उम्मीदवार बनाया है। इस सीट पर रोचक मुकाबला होने के आसार हैं।

नामांकन के बहाने प्रदर्शन : नामांकन के बाद ऐतिहासिक सेरी मंच पर रैली का आयोजन हुआ। इस रैली में भारी तादाद में लोगों को जुटाकर कांग्रेस ने अपनी सियासी ताकत दिखाई। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भाजपा नेताओं जयराम ठाकुर और कंगना रनौत पर बड़ा सियासी हमला बोला। मुख्यमंत्री भाजपा के साथ कांग्रेस के बागियों पर भी जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विक्रमादित्य सिंह राजनीति के युवा हीरो हैं और आज वह राजनीति में नहीं होते, तो बॉलीवुड के टॉप के हीरो होते।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले वर्ष आई आपदा में विक्रमादित्य सिंह ने लोक निर्माण मंत्री के रूप में बेहतर काम किया और प्रभावितों के दुख दर्द में साथ रहे। उन्होंने कहा कि कंगना रनौत ने फिल्म इंडस्ट्री में बहुत नाम कमाया है, लेकिन जयराम ठाकुर उन्हें जबरदस्ती राजनीति में ले आए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज्य प्रभारी राजीव शुक्ला की रणनीति के घबराकर जयराम ठाकुर ने चुनाव से किनारा कर लिया और अपनी जगह कंगना को मैदान में उतार दिया।

कंगना मंडी के अंगना फ्लॉप होगी- सुक्खू : मुख्यमंत्री ने कहा कि जयराम ठाकुर ने कंगना से सिर्फ एक महीने के लिए शूटिंग की डेट मांगी है। फिल्म का नाम है कंगना मंडी के अंगना लेकिन अगर डायरेक्टर फ्लॉप हो तो फिल्म का फ्लॉप होना तय है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी 2022 में जयराम ठाकुर ने फिल्म बनाई, जिसका नाम रखा रिवाज बदलेंगे लेकिन जनता ने उन्हें ही बदल दिया। फिर 27 फरवरी 2024 को ऑपरेशन लोट्स फिल्म बनाई, लेकिन वह फिल्म भी पिट गई। इसलिए इस बार भी फ्लॉप डायरेक्टर की फिल्म फ्लॉप होना तय है।

सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि विधानसभा में जयराम ठाकुर ने कहा कि इस सरकार को भगवान भी नहीं बचा सकता है। लेकिन भगवान ने इस सरकार को बचाया है और बिके हुए छह विधायकों को अब दोबारा चुनाव लड़ना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव बेईमानी और ईमानदारी के बीच है तथा कांग्रेस पार्टी ने सभी साफ छवि वाले उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। कांग्रेस पार्टी ने एक भी दागी को टिकट नहीं दिया है।

मंडी संसदीय सीट पर वीरभद्र परिवार का रहा दबदबा : मंडी संसदीय क्षेत्र में वीरभद्र परिवार का दबदबा रहा है। वीरभद्र सिंह परिवार का यह दसवां चुनाव होगा। वीरभद्र सिंह ने चार और प्रतिभा सिंह ने यहां पांच बार चुनाव लड़ा था। दोनों छह बार विजयी हुए थे। विक्रमादित्य सिंह का यह तीसरा और लोकसभा का पहला चुनाव है। इससे पहले वह शिमला ग्रामीण से विधानसभा के दो चुनाव लड़ चुके हैं। दोनों में विजयी हुए थे। वर्तमान में वह शिमला ग्रामीण से विधायक हैं और सुक्खू सरकार में लोकनिर्माण व शहरी विकास जैसे अहम विभागों के मंत्री हैं।

यूपी पुलिस का एनकाउंटर ऐक्शन, टाटा स्टील के अफसर के हत्यारे को किया ढेर

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद पुलिस ने टाटा स्टील के नेशनल बिजनेस हेड विनय त्यागी की हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। गुरुवार देर रात अर्थला क्षेत्र में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में एक आरोपी ढेर हो गया, जबकि दूसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी से विनय का मोबाइल और घटना में प्रयुक्त पिस्टल बरामद कर ली है। विनय त्यागी की 3 मई की लूटपाट के बाद हत्या कर दी गई थी।

डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील ने बताया कि गुरुवार देर रात सूचना के आधार पर अर्थला में पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक पर आए दो युवकों को रुकने का इशारा किया तो वे भागने लगे। साथ ही पुलिस पर फायरिंग भी कर दी। बदमाशों की गोली लगने से एक दारोगा घायल हो गए। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में बाइक सवार दो बदमाशों में से एक को पुलिस की गोली लग गई, जबकि दूसरा फरार हो गया।

डीसीपी का कहना है कि बदमाश और दारोगा को जिला एमएमजी? अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बदमाश की मौत हो गई। उसकी पहचान सीलमपुर में रहने वाले अक्की उर्फ दक्ष के रूप में हुई है, अक्की के पास से विनय का लूट गया वनप्लस मोबाइल फोन और पिस्टल बराबर हुई है। इसी पिस्टल को दिखाकर विनय से लूटपाट की गई थी। लूट के बाद भी अक्की? व उसके साथियों ने विनय पर चाकू से वार कर दिया था, जिसमें उनकी मौत हो गई थी।

बता दें कि, खेतान पब्लिक स्कूल के पास नाले में विनय त्यागी लहूलुहान हालत में 4 मई को तड़के तीन बजे मिले थे। अस्पताल में उनकी मौत हो गई थी। 3 मई को विनय दिल्ली स्थित कार्यालय से लौट रहे थे। रात 8:27 बजे राजबाग मेट्रो स्टेशन के बाहर निकले थे। रात 10:30 बजे पत्नी रुचि त्यागी के फोन करने पर उन्होंने मेट्रो स्टेशन से ले जाने के लिए कहा था, लेकिन तुरंत ही फोन कर आने से मना कर दिया था। काफी देर तक घर नहीं पहुंचने पर 11:21 बजे पत्नी ने दोबारा फोन किया तो लोनी रोड की लोकेशन भेज कर डिलीट कर दी गई थी।

तेजस्वी का चिराग पर निशाना, कहा- उन्हें थोड़ा आरक्षण के बारे में पढ़ना चाहिए

पटना , एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान को आरक्षण पर दिए बयान को लेकर आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा, चिराग को आरक्षण के बारे में जानकारी नहीं है, उन्हें थोड़ा आरक्षण के बारे में पढ़ लेना चाहिए। उन्होंने खुद ही कहा था कि जो दलित अब संपन्न हो चुके हैं, उन्हें आरक्षण लौटा देना चाहिए। चिराग पासवान ने कहा था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरक्षण को मजबूत किया है। उन्होंने आरक्षण को विस्तार दिया है। चिराग के इसी बयान पर अब तेजस्वी ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने आगे कहा, चिराग पासवान स्वाभीमानी नहीं हैं। अगर होते, तो वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कभी नहीं जाते। प्रधानमंत्री ने उनके साथ कैसा सलूक किया, यह किसी से छुपा नहीं है। पीएम मोदी ने उनकी पार्टी को विभाजित किया। इसके अलावा, उनकी पार्टी का सिंबल छीन लिया, लेकिन पता नहीं क्यों, चिराग आज भी पीएम मोदी के हनुमान बनकर क्या साबित करना चाह रहे हैं। तेजस्वी ने आगे कहा, चिराग पासवान को थोड़ा अपने पिता व स्वर्गीय रामविलास पासवान के पुराने भाषणों को सुन लेना चाहिए कि किस तरह उन्होंने बीजेपी की मुखालफत की थी।

मुर्गे का बच्चा हूं क्या? नवनीत राणा की 15 सेकेंड वाली चुनौती पर भड़के ओवैसी

हैदराबाद, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सिंबल पर लोकसभा का चुनाव लड़ रहीं सांसद नवनीत राणा के 15 सेकेंड वाले बयान पर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने खूब सुनाया है। उन्होंने अकबरुद्दीन ओवैसी का जिक्र करते हुए कहा कि किसी के बाप से नहीं डरने वाला है छोटे। इसके साथ ही उन्होंने अपने छोटे भाई को तोप करार दिया है।

ओवैसी ने कहा, महाराष्ट्र से आकर सांसद छोटे-छोटे बोलती हैं। अरे मैं छोटे को रोक कर रखा हूं। तुमको मालूम क्या छोटा है? तोप है वो, सालार का बेटा है, बहुत मुश्किल से समझा के बैठना पड़ता उनको। उसको समझाने वाले का नाम असदुद्दीन ओवैसी है। किसी के बाप का भी सुनने वाला नहीं है छोटा।

ओवैसी ने आगे कहा, मुर्गी का बच्चा हूं कि 15 सेकेंड चाहिए। अपने दिल्ली वाले पापा से पूछ के बताए। तुम्हारे घर आऊं, तुम्हारे ऑफिस आऊं? जिस दिन मैंने छोटे को बोल दिया कि मियां मैं आराम करता हूं तुम संभालो। उस दिन तुम संभालो उसको।

ओवैसी और उनके भाई अकबरुद्दीन पर तीखा हमला करते हुए भाजपा की नेता नवनीत राणा ने कहा था कि अगर ''15 सेकंड के लिए पुलिस को ड्यूटी से हटा दें तो दोनों भाइयों को पता नहीं चलेगा कि वे कहां से आए और कहां गए।'' उनकी टिप्पणियों की तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कड़ी आलोचना की। रेवंत रेड्डी ने राणा का नाम लिए बिना उनकी टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कहा कि निर्वाचन अधिकारियों को एक आपराधिक मामला दर्ज करना चाहिए और 'भड़काऊ टिप्पणी करने वाली संसद सदस्य' को गिरफ्तार करना चाहिए।

राणा का बयान एआईएमआईएम विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी के 2013 में दिए गए उस विवादित भाषण के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर पुलिस को हटा दिया जाए तो देश में ''हिन्दू-मुस्लिम अनुपात'' को बराबर लाने में उन्हें केवल ''15 मिनट'' लगेंगे।

महाराष्ट्र की अमरावती लोकसभा सीट से भाजपा की उम्मीदवार राणा ने कहा, ''छोटा (अकबरुद्दीन) बोलता है कि पुलिस को 15 मिनट के लिए हटाओ तो दिखाएंगे कि हम क्या कर सकते हैं। मेरा कहना है तुम 15 मिनट लगाओगे पर हमको 15 सेकंड लगेंगे। अगर 15 सेकंड पुलिस को हटाया तो छोटे और बड़े को यह पता नहीं लगेगा- कहां से आए और कहां गए।

छात्रों ने नीट परीक्षा में लगाया गड़बड़ी का आरोप, दोबारा परीक्षा कराने को लेकर कांग्रेस ने सौंपा राज्यपाल को ज्ञापन

रायपुर, एजेंसी। नीट परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र के साथ हुई गड़बड़ी के कारण छात्र छात्राओं के साथ हुए अन्याय की शिकायत और जांच की मांग को लेकर कांग्रेस महामंत्री मलकीत सिंह गेंदू, बालोद कांग्रेस विधायक संगीता सिन्हा, शैलेश नितिन त्रिवेदी, वरिष्ठ प्रवक्ता विकास तिवारी राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा है।

नीट परीक्षा दोबारा हो या बच्चों को मिले बोनस अंक : संगीता सिन्हा ने मीडिया को बताया कि बालोद जिले में विद्यार्थी नीट का एग्जाम दे रहे थे। 45-50 मिनट के बाद उनका पेपर बदल दिया गया और सिर्फ 5 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया। उन्होंने कहा अगर अभियार्थियों को पर्याप्त समय दिया जाता तो कोई परेशानी नहीं थी। इस मामले में उन्होंने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है और यह निवेदन किया है कि नीट की परीक्षा दोबारा कराई जाए या अभियार्थिओं को बोनस अंक दिया जाए।

छात्रों के साथ न्याय होगा- कांग्रेस : संगीता सिन्हा ने कहा बच्चे कई सालों से परीक्षा की तैयारी करते है और अधिकारियों की लापरवाही की वजह से उन्हें गलत पेपर हल करने के लिए दिया गया। उन्होंने कहा एग्जाम समाप्त होने के बाद बच्चे रो रहे थे, अधिकारियों की लापरवाही के कारण बच्चों के साथ अन्याय हुआ है। अगर किसी कारण बच्चों को इनसे न्याय नहीं मिलता है और बच्चे आत्महत्या कर लेते है तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा। उन्होंने कहा इस मामले में हम अभी राज्यपाल के पास आए है, एनटीए को भी पत्र लिखा है और हम राष्ट्रपति को भी पत्र दे रहे है। उन्होंने कहा हम आशा ही नहीं बल्कि पूरा विश्वास है कि बच्चों के साथ न्याय होगा। शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा कि बालोद की जागरूक विधायक संगीता सिन्हा ने नीट परीक्षा में बालोद के बच्चों के साथ जो अन्याय हुआ है उस मुद्दे को आज उठाया है। उन्होंने कहा जहां परीक्षा में एक-एक नंबर से फर्क पड़ता है। वही पर बच्चों को 50 मिनट तक गलत प्रश्नपत्र सॉल्व करने को दिया गया जब अधिकारियों को अपनी गलती का एहसास हुआ उसके बाद उन्हें दूसरा प्रश्नपत्र दिया गया। उन्होंने कहा कई अन्य परीक्षा केंद्रों में भी ऐसी शिकायत मिली है ऐसे समय में बालोद विधायक संगीता सिन्हा ने सरहनीय पहल की है। उन्होंने राज्यपाल को जिस तरह से समझाया है, राज्यपाल जी ने इस विषय को ऊपर उठाने और संज्ञान में लेने का हम आश्वासन दिया है।

तेंदूपत्ता तोड़ने गए ग्रामीण को हाथियों ने कुचला, इलाके में फैली दहशत

धरमजयगढ़ , एजेंसी। छत्तीसगढ़ में मानव हाथी द्वंद का एक और मामला सामने आया है। जहां जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने गए ग्रामीण को हाथियों ने कुचल कर उसे मौत के घाट उतार दिया है। यह हादसा प्रदेश रायगढ़ जिले अंतर्गत धरमजयगढ़ वन मंडल का बताया जा रहा है। इस घटना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर ग्रामीण के शव को बरामद कर मुआवजे की कार्रवाई में जुट गई है। छत्तीसगढ के रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ वन मंडल के छाल थाना क्षेत्र के खर्रा में यह घटना हुई है। बताया जा रहा है कि पीड़ित ग्रामीण जंगल में तेंदूपता तोड़ने गया हुआ था। उस वक्त अचानक हाथी ने उस पर हमला कर दिया और उसकी मौत हो गई है। हादसे की खबर मिलते ही वन विभाग और पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर कानूनी कार्रवाई में जुट गए है। जानकारी के अनुसार छाल वन परिक्षेत्र के आरएफ 519 औरानारा में हाथी के हमले में जिस व्यक्ति की मौत हुई उसका नाम सुबरन राठिया है और वह निवासी भलमुडी था। पीड़ित वन क्षेत्र में कल दोपहर से तेंदूपत्ता तोड़ने गया था, लेकिन रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने आज सुबह जब खोजबीन शुरू की तो जंगल में सुबरन का शव मिला। धरमजयगढ़ वनमंडल में 26 हाथियों का एक बड़ा झुंड देखने को मिला है। धरमजयगढ़ वन मंडल में हाथी के आने का मामला आम बात हो गई है। कल शाम हाथी का

एक बड़ा झुंड पुरूंगा और किदा के बीच छाल रेंज के किदा बीट में विचरण कर रहा हैं। इसके कारण हाथी प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामीणों के बीच डर का भी माहौल बना हुआ है। गौरतलब है कि बीते दिनों दोनों वन मंडल के जंगलों में 96 हाथियों का दल चहलकदमी करता देखा गया था। हाथी प्रभावित क्षेत्र के जंगलों में ग्रामीणों का जाना भी किसी खतरे से कम नहीं है। जिसके कारण विभाग द्वारा लगातार ग्रामीणों को जंगल की ओर अकेले नहीं जाने की बात भी कही जाती है। वहीं कल शाम ढलने के बाद हाथियों का दल जंगल से निकलकर खेतों तक पहुंच रहा है। जहां हाथियों के दल ने धरमजयगढ़ के बायसी में धान की फसलों को बर्बाद कर दिया है। इसके अलावा छाल वन परिक्षेत्र के हाटी, बांसाझार, कीदा, भलमुड़ी में धान फसलों को चौपट कर दिया।

भाजपा क्यों कर रही 400 पार का दावा? 2019 में हारी हुई आधी सीटों पर जीत का भरोसा

नईदिल्ली, एजेंसी। बड़े लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में उतरी भाजपा को पिछली बार हारी हुई 160 सीटों में से कम से कम आधी सीटें जीतने का भरोसा है। इसके अलावा पार्टी अपनी मौजूदा सीटों में बहुत ज्यादा कमी नहीं देख रही है। तीन चरणों का मतदान संपन्न होने के बाद भाजपा नेतृत्व ने आगे की चुनावी रणनीति पर मंथन किया है, इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक प्रमुख पदाधिकारी भी मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, पार्टी को भरोसा है कि वह पिछले लोकसभा चुनाव में हारी हुई 160 सीटों में से आधी सीटें जीतने की स्थिति में है। इन सीटों के लिए पार्टी ने लगभग दो वर्ष पहले से ही तैयारी शुरू कर दी थी और कई केंद्रीय मंत्रियों समेत वरिष्ठ पदाधिकारियों को इन सीटों की जिम्मेदारी भी सौंप थी। इन नेताओं ने इन सीटों पर लंबे-लंबे प्रवास करने के साथ ही कार्यकर्ताओं को न केवल सक्रिय किया, बल्कि हर बूथ की स्थिति का आकलन कर रणनीति भी तैयार की, जिसमें जाति और सामाजिक समीकरण प्रमुख रहे। इसी हिसाब से पार्टी ने यहां उम्मीदवार भी तय किए हैं। पार्टी को उम्मीद है कि इसके परिणाम उसके पक्ष में आएंगे।

भाजपा ने गठबंधन का दायरा भी बढ़ाया : आम चुनाव से पहले भाजपा ने अपने गठबंधन का दायरा भी बढ़ाया है और इसका लाभ भी इन सीटों पर उसे मिलने की संभावना है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि भाजपा की जो मौजूदा सीटें हैं, उसमें बहुत ज्यादा नुकसान होने की संभावना नहीं है। कुछ सीटें इधर-उधर हो सकती हैं, लेकिन अधिकांश सीटें वह फिर से जीतने में सफल रहेगी।

बचे चार चरणों के लिए रणनीति को मजबूत किया : पार्टी ने आम चुनाव के बाकी चार चरणों के लिए अपनी रणनीति को और ज्यादा मजबूत किया है। अब हर बूथ पर एक वरिष्ठ नेता निगरानी करेंगे और वह बूथ की सभी टीमों का मार्गदर्शन भी करेंगे, ताकि किसी भी बूथ पर टीम शिथिल न पड़े और मतदान के दिन एजेंट से लेकर बाहर तैनात होने वाले कार्यकर्ता पूरी सजगता के साथ मतदान करने में सक्रिय रहें। दूसरी तरफ, पार्टी के बड़े नेता सघन प्रचार के साथ जनसंपर्क पर जोर देंगे। जिन नेताओं के चुनाव हो चुके हैं वे अब बाकी चुनाव क्षेत्र में जाकर जमीनी स्तर पर काम में जुटे हैं। विभिन्न सामाजिक वर्गों और समुदायों से भी वरिष्ठ नेता संपर्क और संवाद करेंगे। छोटी-छोटी बैठक कर लोगों को अपने पक्ष में लाने की कोशिश करेंगे। गठबंधन के लिए भी पूरी ताकत लगा रही भाजपा भाजपा गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए भी पूरी ताकत लगा रही है। पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं को उन सीटों पर भी सक्रिय कर रखा है, जहां उसके अपने उम्मीदवार नहीं हैं। खासकर दक्षिण के राज्यों में पार्टी इस पर ज्यादा जोर दे रही है। भाजपा को सबसे ज्यादा उम्मीदें आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से हैं।

सात्विक प्रो० प्रा० लि० कोलकता, पं० बंगाल के लिए प्रकाशक और मुद्रक निभा रंजन सुमन द्वारा स्वप्नोनीर अपार्टमेंट, राजरहाट, कोलकता तथा दलादिली सिमलिया से मुद्रित। संपादक - निभा रंजन सुमन 7033777771 स्थानीय संपादक पवन कुमार सिन्हा 7091094434 सभी तरह के विवादों का निपटारा रांची व्यवहार न्यायालय में होगा।